हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

Page 11

खेल

अफगानिस्तान टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरेगी फुल स्ट्रेंथ टीम

Page 09

देश

असम विधानसभा चुनाव में टीएमसी की एंट्री, जारी कर दी 17 प्रत्याशियों की लिस्ट...

शुक्ल पक्ष, भरणी, विक्रम संवत् 2083

• औरंगाबाद • रविवार • 22 मार्च 2026 • वर्ष 28 • अंक 109 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,33,800	₹ 2,45,000

आज का इतिहास

1999 : भारतीय शेखर कपूर की फ़िल्म 'एलिजाबेथ' को सर्वश्रेष्ठ मेकअप का आस्कर पुरस्कार।

1947 : लार्ड लुईस माउंटबेटन आखिरी वायसराय के रूप में भारत आये।

न्यूज बाइट्स

ईवीएम-वीवीपीएटी रैंडमाइजेशन का पहला चरण पूरा

नई दिल्ली (ए.)। भारत के चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों के तहत एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया पूरी कर ली है। आयोग ने असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) इकाइयों के रैंडमाइजेशन का पहला चरण सफलतापूर्वक संपन्न कर लिया है। इस संबंध में शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में आयोग ने विस्तृत जानकारी साझा की। चुनाव आयोग के अनुसार, ईवीएम और वीवीपीएटी मशीनों का आवंटन पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष ढंग से सुनिश्चित करने के लिए एक सख्त दो-स्तरीय रैंडमाइजेशन प्रक्रिया अपनाई जाती है। पहले चरण में जिला स्तरीय गोदामों में रखी मशीनों को यादृच्छिक तरीके से संबंधित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित किया जाता है, जबकि दूसरे चरण में इन्हें पुनः रैंडमाइज कर प्रत्येक मतदान केंद्र के लिए निर्धारित किया जाता है। यह पूरी प्रक्रिया इस तरह से तैयार की गई है कि किसी भी स्तर पर मशीनों के पूर्व-निर्धारित उपयोग की संभावना समाप्त हो सके।

नदिया के पार और तीसरी कसम फिल्म की निःशुल्क होगी प्रदर्शनी

पटना (नि.सं.)। बिहार दिवस पर बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड द्वारा दो फिल्मों की निःशुल्क प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी। 22 मार्च को 'नदिया के पार' और 23 मार्च को 'तीसरी कसम' का विशेष प्रदर्शन होगा। ये फिल्में बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को दर्शाती हैं और युवा पीढ़ी को इससे जोड़ने का प्रयास है। बिहार दिवस पर बिहार राज्य फिल्म विकास एवं वित्त निगम लिमिटेड ने दो फिल्मों की निःशुल्क प्रदर्शनी आयोजित करने का निर्णय लिया है। यह आयोजन राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को युवा पीढ़ी से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। दर्शकों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर निःशुल्क प्रवेश दिया जाएगा। 22 मार्च को बिहार संग्रहालय में 1982 की फिल्म नदिया के पार का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा। यह फिल्म भोजपुरी संस्कृति और ग्रामीण जीवन की सच्ची तस्वीर पेश करती है। इस फिल्म ने परंपरा, सामाजिक मूल्यों और ग्रामीण संस्कारों को बखूबी उकेरा है। 23 मार्च को आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय में कालजयी फिल्म तीसरी कसम की प्रदर्शनी होगी। फणीश्वरनाथ रेणु की कहानी मारे गए गुलफाम पर आधारित यह फिल्म पूर्णिया में शूट की गई थी। इस फिल्म में पूर्णिया के बैल मेले और स्थानीय जीवन की झलक देखने को मिलती है।

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव

भारत ने गैर-खाड़ी देशों से तेल आयात बढ़ाने का लिया फैसला

एजेंसी | नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में ईरान, इजरायल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव तथा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में शिपिंग बाधाओं को देखते हुए भारत सरकार ने कच्चे तेल आयात की रणनीति में तत्काल बदलाव कर दिया है। सरकार ने स्थिति सामान्य होने तक गैर-खाड़ी देशों से तेल आयात बढ़ाने का फैसला लिया है, जिससे आपूर्ति बाधित न हो।

सूत्रों के अनुसार, विदेश मंत्रालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय और पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के बीच उच्च-स्तरीय समन्वय स्थापित किया गया है। इसके तहत भारत अपनी 85-88 प्रतिशत आयात निर्भरता को रूस, अमेरिका, नाइजीरिया, पश्चिम अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे गैर-खाड़ी स्रोतों से पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रणनीति के तहत रूस से बड़े पैमाने पर कच्चे तेल की खरीद फिर बढ़ सकती है। जानकारी के मुताबिक, अमेरिका द्वारा हाल ही में 30 दिनों की विशेष छूट दिए जाने के बाद भारत रूसी तेल के समुद्री कार्गो की तेजी से खरीद कर रहा है। वहीं नाइजीरिया और अंगोला जैसे पश्चिम अफ्रीकी देशों से भी सीधी आपूर्ति बढ़ाने के लिए भारतीय रिफाइनरियां—जैसे रिलायंस और एचपीसीएल—सक्रिय रूप से बातचीत कर रही हैं और कुछ सौदे भी हो चुके हैं। सरकार के तीनों मंत्रालय इस रणनीति को लागू करने में जुटे हैं। विदेश मंत्रालय कूटनीतिक स्तर पर समर्थन जुटा रहा है, वाणिज्य मंत्रालय व्यापार समझौतों पर नजर रख रहा है, जबकि पेट्रोलियम मंत्रालय रिफाइनरियों को वैकल्पिक ग्रेड के तेल से जोड़ने का काम कर रहा है। मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा के अनुसार, 2025 में गैर-होर्मुज स्रोतों की हिस्सेदारी 60 प्रतिशत थी, जो मौजूदा तनाव के बाद बढ़कर 70 प्रतिशत तक पहुंच गई है और आपूर्ति पूरी तरह सुरक्षित बनी हुई है। हालांकि, अमेरिका द्वारा ईरान को दी गई सीमित छूट का भारत को खास फायदा मिलने की संभावना नहीं है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका अधिक लाभ चीन को मिलेगा, क्योंकि वह पहले से ही ईरान के तेल का सबसे बड़ा खरीदार है और उसके पास इसके लिए मजबूत नेटवर्क मौजूद है। भारत ने 2019 के बाद से ईरान से तेल आयात लगभग बंद कर दिया था। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी तेल आयात नीति में व्यापक विविधीकरण किया है। जहां पहले खाड़ी देशों—सऊदी अरब, यूएई और ईरान की हिस्सेदारी 70 प्रतिशत से अधिक थी, वहीं अब रूस की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। फरवरी 2022 में रूस का हिस्सा मात्र 0.2 प्रतिशत था, जो 2024 में 37 प्रतिशत और 2025 में करीब 35-36 प्रतिशत तक पहुंच गया। मौजूदा परिस्थितियों में यह 40 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। वर्तमान में भारत करीब 40 देशों से कच्चा तेल खरीद रहा है। अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच भारत ने 17.8 करोड़ टन तेल आयात किया, जिसमें से लगभग 6 करोड़ टन रूस से आया था। हालांकि, गैर-खाड़ी देशों से तेल लाने में अधिक समय लगता है—रूस से 15-18 दिन, अमेरिका से 25-31 दिन, जबकि खाड़ी देशों से सिर्फ 4-7 दिन में आपूर्ति हो जाती है। इसके कारण परिवहन लागत बढ़ने की संभावना भी बनी रहती है, जिसे संतुलित करने के लिए भारत रूस से अधिक छूट और वैकल्पिक समुद्री मार्गों पर बातचीत कर रहा है। इन सभी प्रयासों के चलते खाड़ी क्षेत्र से आपूर्ति में अस्थायी बाधा आने के बावजूद भारत में पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ा है। इसके विपरीत, पाकिस्तान सहित कई एशियाई देशों को ईंधन संकट का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें खपत कम करने के उपाय अपनाने पड़ रहे हैं।

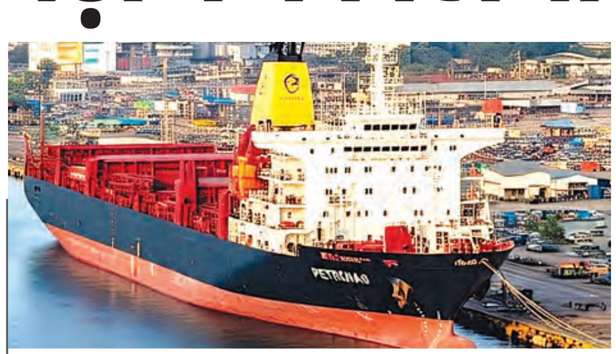

भारत कच्चे तेल का दूसरा सबसे बड़ा आयातक

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक बन चुका है। 2023 में भारत ने प्रतिदिन 46 लाख बैरल तेल आयात किया था, जो 2030 तक बढ़कर 58 लाख बैरल प्रतिदिन हो सकता है। हालांकि, घरेलू उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि नहीं होने के कारण भारत की आयात निर्भरता बढ़कर 87-88 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा एक बड़ी चुनौती बनी हुई है।

एलपीजी संकट पर केंद्र सख्त: 23 मार्च से राज्यों को 20% ज्यादा गैस, ढाबों-होटलों को प्राथमिकता

एजेंसी | नई दिल्ली

देश में चल रहे एलपीजी संकट के बीच केंद्र सरकार ने राहत देने के लिए बड़ा फैसला लिया है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 23 मार्च से गैस आपूर्ति में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्देश दिया है। इस फैसले के बाद राज्यों को मिलने वाली कुल एलपीजी सप्लाई धीरे-धीरे संकट से पहले के स्तर के करीब पहुंचने लगेगी। मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर स्थिति से अवगत कराया है और आपूर्ति व्यवस्था को प्राथमिकता के आधार पर संचालित करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि गैस की उपलब्धता का सबसे पहले उपयोग सामुदायिक रसोई, होटल, रेस्टोरेंट, ढाबों और औद्योगिक कैंटीनों में किया जाए, ताकि आम लोगों के लिए भोजन व्यवस्था प्रभावित न हो। दरअसल, हाल के दिनों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कमी के चलते कई होटलों और ढाबों को वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी पड़ी है, जिससे खाद्य सेवाएं प्रभावित हो रही थीं। इस स्थिति को देखते हुए केंद्र ने प्राथमिकता तय करते हुए जरूरी सेक्टरों को राहत देने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही मंत्रालय ने प्रवासी मजदूरों को भी राहत देने के लिए निर्देश जारी किए हैं। राज्यों से कहा गया है कि उन्हें प्राथमिकता के आधार पर 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएं, ताकि वे आसानी से खाना बना सकें और दैनिक जीवन प्रभावित न हो।

फूड प्रोसेसिंग और डेयरी सेक्टर को भी मिलेगा फायदा

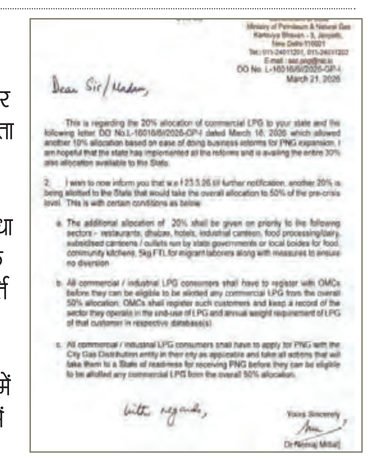
Dear Sir/Madam,

With regards,

Yours Sincerely

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निर्देशों के तहत अब फूड प्रोसेसिंग यूनिट्स और डेयरी सेक्टर को भी प्राथमिकता श्रेणी में शामिल किया गया है, जिससे इन क्षेत्रों को भी अतिरिक्त गैस सप्लाई का सीधा लाभ मिल सकेगा। मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार, गैस आपूर्ति बढ़ने से खाद्य उत्पादन और डेयरी उत्पादों की आपूर्ति पर पड़ रहे दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। हाल के दिनों में गैस की कमी के कारण कई फूड प्रोसेसिंग इकाइयों और डेयरी प्रतिष्ठानों के संचालन पर असर पड़ा था, जिसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

अगले आदेश तक जारी रहेगी यह व्यवस्था

यह नई व्यवस्था 23 मार्च से लागू होगी और अगली सूचना तक जारी रहेगी। फिलहाल देश में एलपीजी की कमी है, ऐसे में सप्लाई को 50% तक बढ़ाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार हालात पर नजर रखे हुए है, ताकि आगे चलकर सप्लाई को पहले जैसे सामान्य स्तर (100%) तक पहुंचाया जा सके।

केंद्र सरकार ने गैस की कालाबाजारी और दुरुपयोग को लेकर भी सख्त रुख अपनाया है। राज्यों को निर्देश दिया गया है कि वे निगरानी तंत्र को मजबूत करें और यह सुनिश्चित करें कि एलपीजी का वितरण पारदर्शी और निर्धारित नियमों के तहत ही हो। कुल मिलाकर, केंद्र का यह कदम एलपीजी संकट से जूझ रहे राज्यों और आम लोगों के लिए राहत भरा माना जा रहा है, जिससे आवश्यक सेवाओं में गैस की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है।

क्या है 'प्री-क्राइसिस लेवल'?

'प्री-क्राइसिस लेवल' का मतलब उस समय से है जब देश में गैस संकट शुरू नहीं हुआ था। फिलहाल राज्यों को बहुत कम सप्लाई मिल रही थी, जिसे अब बढ़ाकर पुरानी डिमांड का आधा (50%) किया गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग मिडिल ईस्ट से कच्चे तेल और गैस

बिहार के सरकारी स्कूलों में अप्रैल से नया सत्र

1.33 करोड़ बच्चों को मिलेंगी किताबें

निज संवाददाता | पटना

बिहार में नए शैक्षणिक सत्र की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। राज्य के लगभग 70 हजार सरकारी प्रारंभिक विद्यालयों में अप्रैल से सत्र 2026-27 की शुरुआत होने जा रही है। इसे लेकर बिहार शिक्षा विभाग ने व्यापक स्तर पर तैयारी करते हुए पहली से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों को सत्र शुरू होते ही पाठ्य-पुस्तकें उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। विभाग ने निर्देश दिया है कि 1 अप्रैल से 10 अप्रैल के बीच सभी बच्चों के बीच किताबों का वितरण सुनिश्चित कर लिया जाए, जिससे पढ़ाई की शुरुआत बिना किसी बाधा के हो सके। इस योजना के तहत राज्य के करीब 1 करोड़ 33 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को सीधा लाभ मिलेगा। बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, सभी 38 जिलों को किताबों के सेट यानी किट पहले ही उपलब्ध करा दिए गए हैं। इन पुस्तकों को संकुल संसाधन केंद्रों के माध्यम से संबंधित विद्यालयों तक पहुंचाया जा रहा है, ताकि वितरण प्रक्रिया समयबद्ध ढंग से पूरी हो सके।

विभागीय आंकड़ों के मुताबिक, इस बार कुल 1 करोड़ 33 लाख 85 हजार पुस्तक सेट तैयार किए गए हैं। इनमें कक्षा एक से पांचवीं तक के 83 लाख 21 हजार 515 विद्यार्थियों और कक्षा छह से आठवीं तक के 50 लाख 51 हजार 769 विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग सेट बनाए गए हैं। प्रत्येक बच्चे की कक्षा और आवश्यकता के अनुसार पुस्तकों का पैकेज तैयार कर विद्यालयों तक भेजा गया है।

किताबों के वितरण की जिम्मेदारी विद्यालय स्तर पर प्रधानाध्यापक और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को सौंपी गई है, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि हर छात्र को समय पर उसकी सभी पाठ्य-पुस्तकें मिल जाएं। इसके अलावा संकुल संसाधन केंद्रों को इस पूरी प्रक्रिया में समन्वयक की भूमिका

आधुनिक युद्ध सीमाओं से परे, मजबूत सेना के साथ जागरूक नागरिक भी जरूरी: राजनाथ

एजेंसी | नई दिल्ली

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आधुनिक युद्ध की बदलती प्रकृति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज का युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि इसमें आर्थिक, डिजिटल, ऊर्जा और खाद्य सुरक्षा जैसे कई आयाम शामिल हो गए हैं। ऐसे में राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मजबूत सेना के साथ-साथ जागरूक और तैयार नागरिकों की भी उतनी ही आवश्यकता है। शनिवार को सैनिक स्कूल घोड़ाखाल के स्थापना दिवस एवं हीरक जयंती समारोह को वर्चुअल माध्यम से संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में संघर्ष का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है। अब किसी भी देश को साइबर, अंतरिक्ष, सूचना और आर्थिक मोर्चों पर कमजोर किया जा सकता है, इसलिए हर नागरिक को सतर्क और तैयार रहना जरूरी है।

रक्षा मंत्री ने स्पष्ट किया कि "तैयार रहने" का मतलब केवल युद्ध के लिए तैयार रहना नहीं है, बल्कि हर परिस्थिति का सामना करने के लिए मानसिक और बौद्धिक रूप से सक्षम होना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों में मानसिक दृढ़ता होनी चाहिए, ताकि वे कठिन हालात में भी संयम बनाए रखें, और बौद्धिक स्पष्टता होनी चाहिए, जिससे वे सही और गलत का अंतर समझ सकें।

उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार रक्षा बलों को आधुनिक हथियारों और अत्याधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही है। साथ ही युवाओं से अनुशासन, दृढ़ संकल्प और आत्मबल विकसित करने का आह्वान किया, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना कर सकें।

जिले के 100 शिक्षक प्रशासनिक व्यवस्था के लिए होंगे प्रतिनियुक्त

पटना (नि.सं.)। बिहार दिवस के अवसर पर होने वाले भव्य आयोजन को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने विशेष तैयारियां की हैं। इसी कड़ी में विभिन्न प्रखंडों से 100 शिक्षकों को प्रशासनिक व्यवस्था में प्रतिनियुक्त किया गया है। ये सभी शिक्षक 22 मार्च को प्रशासनिक भवन में उपस्थित रहकर आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं को संभालेंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन पटना की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी साकेत रंजन ने संबंधित विद्यालयों के प्राचार्यों को पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने को कहा है कि चयनित शिक्षक निर्धारित तिथि, समय और स्थान पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इन शिक्षकों की जिम्मेदारी बिहार दिवस समारोह के दौरान विभिन्न प्रबंधन कार्यों में सहयोग देना होगा। इनमें आयोजन स्थल पर व्यवस्था बनाए रखना, आगंतुकों के मार्गदर्शन, कार्यक्रम संचालन में सहयोग और अन्य सहायक कार्य शामिल हैं।

तेज हवा और बारिश से बिहार में बढ़ी ठंड, तापमान में गिरावट

निज संवाददाता | पटना

मौसम में अचानक आए बदलाव ने बिहार में ठंड का अहसास फिर से बढ़ा दिया है। तेज हवा के साथ हुई बारिश के कारण राज्य के अधिकतम और न्यूनतम तापमान में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार अधिकतम तापमान में 13.6 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 5.4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। शनिवार को राज्य के कई जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। समस्तीपुर के मोहद्दीनगर में 75.4 मिमी, बेगूसराय के छोहराही में 72.6 मिमी, समस्तीपुर के विभूतिपुर और कटिहार के कोरहा में 72.4 मिमी, बेगूसराय के चेरिया बरियारपुर में 71.2 मिमी तथा सुपौल के पिपरा में 70 मिमी वर्षा हुई। अन्य जिलों में भी 10.5 से 60.2 मिमी के बीच बारिश रिकॉर्ड की गई, जिससे मौसम में ठंडक बढ़ गई।

तापमान में गिरावट का असर कई जिलों में स्पष्ट रूप से देखा गया। अररिया में अधिकतम तापमान में 13.6 डिग्री, शेखपुरा और मोतिहारी में 13 डिग्री, मुंगेर में 12.5 डिग्री, मुजफ्फरपुर में 12.2 डिग्री, भागलपुर में 11.7 डिग्री, वैशाली में 10.6 डिग्री तथा समस्तीपुर में 10.4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई। न्यूनतम तापमान में भी गिरावट आई है। अररिया में 5.4 डिग्री, पटना और पूर्णिया में 5.3 डिग्री, भागलपुर में 4.3 डिग्री तथा किशनगंज में 4 डिग्री सेल्सियस की कमी दर्ज की गई है, जिससे सुबह और रात के समय ठंड का प्रभाव अधिक महसूस किया जा रहा है।

बिहार पंचायत चुनाव : फॉर्म-1 का इंतजार जून से शुरू होगा मतदाता सूची का काम

निज संवाददाता | पटना

बिहार में इस वर्ष प्रस्तावित पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं, लेकिन फिलहाल सबसे अहम प्रक्रिया—फॉर्म-1 के प्रकाशन—का इंतजार किया जा रहा है। बिहार राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जैसे ही फॉर्म-1 जारी किया जाएगा, वैसे ही जिला स्तर पर मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। राज्य की 8053 पंचायतों में त्रिस्तरीय पंचायत व्यवस्था के तहत करीब ढाई लाख पदों के लिए चुनाव कराए जाने हैं। आयोग से जुड़ी जानकारी के अनुसार, इस बार भी निर्वाचन क्षेत्रों की आबादी का निर्धारण 2011 की जनगणना के आधार पर ही किया जाएगा। इसके बाद फॉर्म-1 प्रकाशित किया जाएगा, जिसके माध्यम से आम नागरिकों से उनके निर्वाचन क्षेत्र से संबंधित दावा और आपत्तियां मांगी जाएंगी। इन दावों और आपत्तियों के निपटारे के बाद ही अंतिम रूप से मतदाता सूची तैयार करने का कार्य शुरू होगा। पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने की योजना बनाई गई है।

सूत्रों के मुताबिक, जिला स्तर पर मतदाता सूची निर्माण का कार्य जून 2026 से प्रारंभ होने की संभावना है। इसके लिए पहले ही सभी जिलों में जिलाधिकारी को जिला निर्वाचन पदाधिकारी तथा पंचायत एवं जिला पंचायतीराज पदाधिकारी को सहायक जिला निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में नामित किया जा चुका है। आयोग यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि मतदान से पहले सभी आवश्यक तैयारियां—जैसे बूथ निर्धारण, ईवीएम की उपलब्धता और कार्मिकों की तैनाती—समय पर पूरी कर ली जाएं।

गौरतलब है कि बिहार में पिछला पंचायत चुनाव अगस्त 2021 में घोषित किया गया था और 11 चरणों में मतदान कराया गया था। इस बार भी नवंबर-दिसंबर 2026 के बीच चुनाव कराए जाने की संभावना जताई जा रही है। ग्रामीण इलाकों में प्रशासनिक स्तर पर गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है ताकि चुनावी प्रक्रिया सुचारु रूप से संचालित हो सके। इस चुनाव की एक खास बात यह होगी कि पहली बार पंचायत चुनाव में मल्टी-पोस्ट ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। चूंकि पंचायत चुनाव में एक साथ छह पदों—मुखिया, सरपंच, वार्ड सदस्य, पंच, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य—के लिए मतदान होता है, इसलिए नई तकनीक के तहत एक ही कंट्रोल यूनिट से जुड़ी कई बैलेट यूनिट्स का उपयोग किया जाएगा। इससे मतदाता एक ही बार में सभी पदों के लिए मतदान कर सकेंगे, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल और तेज होने की उम्मीद है। कुल मिलाकर, बिहार पंचायत चुनाव 2026 को लेकर प्रशासनिक तैयारियां चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ रही हैं। फॉर्म-1 के प्रकाशन के साथ ही चुनावी प्रक्रिया औपचारिक रूप से गति पकड़ लेगी और इसके बाद मतदाता सूची निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण कार्य तेज हो जाएंगे।

बिहार सरकार

बिहार दिवस

22 मार्च 2026

शुभकामना संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

बिहार अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा और ऐतिहासिक योगदान के कारण विश्व पटल पर विशिष्ट पहचान रखता है। आज का बिहार आत्मविश्वास के साथ प्रगति की नई ऊँचाइयों की ओर अग्रसर है, जहाँ सुशासन, समावेशी विकास और सामाजिक न्याय हमारी विकास यात्रा के मूल स्तंभ हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना, महिला सशक्तीकरण तथा युवाओं के लिए सृजित अवसरों के माध्यम से बिहार निरंतर एक सशक्त, सक्षम और आत्मनिर्भर राज्य के रूप में उभर रहा है। हमारी नीतियाँ और कार्यक्रम जनकल्याण को केन्द्र में रखते हुए राज्य के हर वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँचा रहे हैं।

हमारा दृढ़ संकल्प है कि आने वाले समय में बिहार नवाचार, सतत विकास और सामाजिक समरसता का आदर्श उदाहरण बने। यहाँ हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करे। इस साझा लक्ष्य की प्राप्ति में बिहारवासियों की सहभागिता हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। हम लोगों का संकल्प बिहार को सर्वाधिक विकसित राज्यों की श्रेणी में शामिल करना है। इसके लिये सात निश्चय-3 के कार्यक्रमों को लागू कर दिया गया है।

बिहार दिवस के सुअवसर पर मैं समस्त बिहारवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ एवं बधाई देता हूँ।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 027074 (Education) D. 2025-26

संक्षिप्त समाचार

शोक सभा में पूर्व मंत्री के पुत्र के आकस्मिक निधन पर दी गयी श्रद्धांजलि

नारदीगंज (नवादा)। पेंशनर भवन नारदीगंज में शनिवार को शोक सभा आयोजित हुई। अध्यक्षता समाज के कार्यकारी अध्यक्ष प्रवीण कुमार ने की। इस मौके पर नवादा विधायक विभा देवी और पूर्व मंत्री राजबल्लभ प्रसाद के कनिष्ठ पुत्र अखिलेश कुमार के आकस्मिक निधन पर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कहा गया इनके निधन होने से समाज व परिवार को अपूर्णीय क्षति पहुंची है। जिसकी भरपाई निकट भविष्य में सम्भव नहीं है। मौके पर कार्यकारी सचिव नरेश कुमार, कमाता प्रसाद सिंह,रामाधीन सिंह,राम शरण सिंह, कैलाश प्रसाद यादव, रामाधीन प्रसाद,राम कुमार प्रसाद, सिया शरण दास, रघुनंदन प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

पूर्व मुखिया डा0 बेबी आलम ने की त्योहार पर जरुरतमंदों के बीच कपड़े का वितरण

तुरकौलिया। ईद के त्योहार पर जरूरतमंदों के बीच तुरकौलिया पूर्वी पंचायत की पूर्व मुखिया डा0 बेबी आलम ने कपड़ा और सेवईयां का वितरण करते हुए पर्व का बधाई दिया है। पूर्व मुखिया द्वारा हर साल की तरह इस साल भी जरुरतमंद महिलाओं के बीच ईद पर्व पर कपड़ा व अन्य सामग्री का वितरण किया गया है। गौरतलब है कि पूर्व मुखिया छठ महापर्व और ईद के अवसर पर प्रत्येक साल जरुरतमंदों पर्वियो के बीच कपड़े और अन्य सामग्री का वितरण कर समाजिक भाईचारे का मिसाल पेश करतीं हैं। उन्होंने बताया कि वह सभी धर्मों का दिल से आदर करतीं हैं। हमारे देश की यही खूबसूरती भी है। सभी त्योहार आपसी भाईचारे का संदेश देते है और सभी लोगों को मिलजुलकर पर्व मनाना चाहिए। वही लोगों ने बताया कि यही स्वभाव इनको औरों से अलग करता है। ईद हो या फिर छठ का महापर्व हो, हमेशा इनके द्वारा जरुरतमंदों के बीच वस्त्र व पर्व सामाग्री का वितरण कर गंगा यमुनी संस्कार का मिसाल पेश करतीं हैं। सभी धार्मिक पर्व त्योहारों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना इनके जीवन का एक शैली बन चुका है। समाज में बेहतर कार्यों को करने को लेकर सरकार भी इन्हें नेशनल अवॉर्ड से सम्मानित कर चुका है।

केसरिया महोत्सव के दौरान विद्यालय के बच्चों ने बनाई रंगोली

केसरिया, पू.च। तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव के दौरान मुख्य द्वार के समीप उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुंदरापुर के बच्चों एवं शिक्षकों के सहयोग से बनाई गई आकर्षक रंगोली लोगों के बीच खास आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। कार्यक्रम में आने वाले अतिथियों से लेकर आम दर्शक तक इस रंगोली को करीब से देख रहे हैं और इसकी सराहना कर रहे हैं। रंगोली के माध्यम से बच्चों की रचनात्मकता और कला कौशल की झलक साफ देखने को मिल रही है, जिससे महोत्सव की सुंदरता और भी बढ़ गई है। रंगोली निर्माण में विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक सुबोध कुमार पांडेय, मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक नित्यानंद प्रसाद यादव, शिक्षक अमित कुमार भारती, दिलीप कुमार गौड़, आदित्य यादव, विश्वजीत मिश्रा, दशरथ यादव, ज्योति कुमारी, चांदनी कुमारी, नीरज कुमारी, मधु कुमारी, मिंटू कुमारी, विपुल, पंकज, नीतीश, रूपेश, अमित, अभय, रवि, सोनम कुमारी, रूपेश कुमार, अभिमन्यु एवं कुमार अभय सहित कई छात्र-छात्राओं की मुख्य भूमिका रही।

भारत विकास परिषद के जिला अध्यक्ष बने डॉक्टर उत्तम

मोतिहारी। भारत विकास परिषद शाखा शिवम मोतिहारी का सत्र 2026-27 के लिए चुनाव स्थानीय विवाह भवन में संपन्न हुआ। इस चुनाव में सर्वसम्मति से अध्यक्ष बने डॉक्टर उत्तम कुमार सचिव राजेश कुमार गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रमोद कुमार लोहिया को प्रांतीय अध्यक्षा सह प्रर्वेक्षक पुतुल सिन्हा द्वारा निर्वाचित घोषित किया गया।इस अवसर पर शाखा के वरीय सदस्य डा.सच्चिदानंद पटेल, नवोदय विद्यालय के पूर्व प्राचार्य जगत जगतनारायण प्रसाद, अमरनाथ प्रसाद,प्रो. बालेश्वर जायसवाल, प्रांतीय महिला संयोजक धीरा गुप्ता ,शकुनतला शर्मा ,रजनी ठाकुर, सियाराम ठाकुर, राजकुमार सिंह, दीपक कुमार, डॉक्टर ओम प्रकाश, भोलानाथ, अशोक टंडन,चंद्रशेखर प्रसाद तामन आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही।

मोतीहारी में डिज्नीलैंड मेले का भव्य आगाज

मोतिहारी। शहर के हवाई अड्डा मैदान में रशियन जलपरी डिज्नीलैंड मेले का भव्य उद्घाटन महापौर प्रीति कुमारी ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही मेले में भारी भीड़ उमड़ पड़ी और उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। मेले में करीब 20 आधुनिक विदेशी झूले लगाए गए हैं। जिनमें मिकी माउस और ब्रेक डांस प्रमुख आकर्षण हैं। इसके अलावा भूत बंगला, रोबोटिक एनिमल पार्क और दुबई कार्निवल जैसी थीम लोगों को खूब लुभा रही हैं। एयर इंडिया फ्लाइट की तर्ज पर बना प्रवेश द्वार और बुर्ज खलीफा की झलक भी दर्शकों को आकर्षित कर रही है।मेले में खाने-पीने की बेहतर व्यवस्था के साथ 150 से 200 लोगों को रोजगार भी मिला है। आयोजक मो. इल्यास ने बताया कि सभी आयु वर्ग के लिए मनोरंजन की व्यवस्था की गई है।

सांप्रदायिक सौहार्द और प्रशासनिक मुस्तैदी के बीच संपन्न हुआ रजौली में ईद का पर्व

भाईचारे की मिसाल के साथ गूंजी 'ईद मुबारक' की सदा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र में शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार असीम श्रद्धा, उल्लास और अटूट सांप्रदायिक सौहार्द के साथ संपन्न हुआ, जहां सुबह की पहली किरण के साथ ही समूचा क्षेत्र सफेद लिबास और इत्र की महक से सराबोर नजर आया। इस पावन अवसर पर शांति और सुरक्षा व्यवस्था को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए अनुमंडल प्रशासन ने अभूतपूर्व सक्रियता दिखाई, जिसमें अनुमंडल पदाधिकारी स्वतंत्र कुमार और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुलशन कुमार व बीडीओ संजीव झा स्वयं मोर्चा संभाले हुए थे। अधिकारियों की यह जोड़ी लगातार क्षेत्र में गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेती रही, जिससे आम जनता के बीच सुरक्षा का गहरा अहसास बना रहा। विशेष रूप से जामा खानकाह शरीफ मस्जिद रजौली तकिया, हरदिया स्थित नूरी मस्जिद और अमावां मस्जिद सहित क्षेत्र की तमाम प्रमुख मस्जिदों व ईदगाहों में नमाजियों का

मस्जिद में नमाज अदा करते लोग

सैलाब उमड़ा, जहां खुदा की इबादत में हजारों सिर एक साथ सजदे में झुके। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में एसआई सचिन कुमार व अन्य पुलिस बलों की पूरी तत्परता के साथ तैनात रहा, जिसने संवेदनशील चौक-चौराहों से लेकर भीड़भाड़ वाले इलाकों तक कड़ी निगरानी सुनिश्चित की।

नमाज के समापन के उपरांत जैसे ही लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर 'ईद मुबारक' कहा, रजौली की फिजाओं में आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब की एक बेमिसाल तस्वीर उभर कर सामने आई। हिंदू-मुस्लिम समुदाय के प्रबुद्ध नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी, जो समाज में एकजुटता का एक सशक्त संदेश दे गया। प्रशासन की सजगता और स्थानीय निवासियों के परिपक्व व्यवहार का ही परिणाम था कि बच्चों के खिलौनों की दुकानों से लेकर घरों में सिंवइयों की मिठास तक,हर जगह खुशियों का संचार निर्बाध बना रहा। इस मौक़े पर वार्ड पार्षद संतोष कुमार वर्मा,वार्ड पार्षद प्रतिनिधि सुमित सिंह,मो. इरफान आलम के साथ ख़ानक़ाह तकिया वक़्फ़ कमिटी के अध्यक्ष ताहिर ख़ान,हाजी तनवीर आलम, सफ़ीर उद्दिन, शकील अहमद, जावेद अंसारी, हनान ख़ान, शमीम ख़ान, वाहिद अंसारी, शाहनूर आलम, फ़िरोज़ आलम, मुफ़्ती मिस्बाहुल हसन, सलीम सुन्नी, इफ़्तिख़ार आलम, तसलीम ख़ान आदि उपस्थित रहें।

कौआकोल में हर्षोल्लास से मनाई गई ईद, लोगों ने गले मिल एक दूसरे को दी मुबारकबाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड में ईद-उल-फितर का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ मनाया गया। पवित्र माह रमजान के समापन के बाद शनिवार को ईद की नमाज के लिए सुबह से ही अकीदतमंदों का हुजूम मस्जिदों की ओर उमड़ पड़ा। प्रखण्ड के टिकोडीह, बिझो, जोगाचक, बुकार, सोखोदेवरा, सरौनी, भलुआही, करमाटांड़, चिहुटिया, पहाड़पुर, धमनी,लालपुर,महुडर आदि गांवों में स्थित मस्जिदों और ईदगाहों में सामूहिक नमाज अदा की गई। नमाज के बाद मुल्क में अमन,चैन और तरक्की के लिए विशेष दुआएं मांगी गई। नमाज संपन्न होते ही लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह देखा गया,जो नए कपड़ों में सजे-धजे नजर आए। त्योहार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर स्थानीय प्रशासन काफी सतर्क रहा।

शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभिन्न चौक-चौराहों सहित संवेदनशील इलाकों पर पुलिस बल तैनात नजर आया। वहीं प्रखण्ड के कई गांवों में हिंदू-मुस्लिम एकता की मिसाल भी देखने को मिली,जहां अन्य समुदायों के लोगों ने भी अपने मुस्लिम भाइयों को पर्व की शुभकामनाएं दीं और उनके साथ खुशियां बांटीं।

कालिदास साहित्य की शाश्वतता पर गहन विमर्श, देश-विदेश के विद्वानों की गरिमामयी उपस्थिति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग द्वारा 20 एवं 21 मार्च 2026 को "भारत विद्या परंपरा एवं कालिदास साहित्य की शाश्वतता" विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ अत्यंत गरिमामय वातावरण में हुआ। इस संगोष्ठी ने भारतीय ज्ञान परंपरा और महाकवि कालिदास के साहित्य की वैश्विक प्रासंगिकता पर गंभीर और बहुआयामी विमर्श का मंच प्रदान किया।उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की। मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र (पूर्व कुलपति, संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों में प्रो. चंद्रभूषण झा (सेंट स्टीफंस कॉलेज), प्रो. अनिल प्रताप गिरी, प्रो. अयान भट्टाचार्य तथा कार्यक्रम संयोजक एवं संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. प्रसून दत्ता सिंह शामिल रहे।कार्यक्रम का प्रारंभ प्रो. प्रसून दत्ता सिंह के स्वागत भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने कालिदास के साहित्य में निहित सौंदर्य, संवेदना और प्रकृति-मानव संबंधों के अद्वितीय समन्वय को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि कालिदास की रचनाएं केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे मानव को उसके अधिकारों के साथ-साथ कर्तव्यों के प्रति भी सजग करती हैं। उनके अनुसार, कालिदास का साहित्य एक "कॉस्मिक समन्वय" प्रस्तुत करता है, जहां प्रकृति और संस्कृति एक-दूसरे में विलीन हो जाती हैं।मुख्य वक्ता पद्मश्री प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र ने कालिदास के काल, उनके ऐतिहासिक संदर्भों और जन्मस्थान से जुड़ी विभिन्न मान्यताओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

रजौली के भानेखाप से पीएलएफआई नक्सल संगठन के दो सक्रिय सदस्य गिरफ्तार

- दो रायफल, 20 कारतूस के साथ भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त
- एसटीएफ और रजौली पुलिस बलों की संयुक्त कार्रवाई

जब्त सामग्री के साथ पुलिस बल

थाना परिसर से जेल जाते गिरफ्तार लोग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के हरदिया गांव से एसटीएफ एवं पुलिस बलों ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बीते शुक्रवार की रात्रि पीएलएफआई नक्सल संगठन के दो सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया है। साथ ही दो रायफल,20 कारतूस समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री के साथ कई प्रतिबंधित सामग्रियों को जब्त किया है। इस छापेमारी दल में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार के नेतृत्व में एसटीएफ बलों के अलावे अपर थानाध्यक्ष एसआई अजय कुमार व पीएसआई सचिन कुमार के साथ सशस्त्र पुलिस बल मौजूद रहे।

थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि रजौली थाना क्षेत्र में नक्सल गतिविधियों को लेकर गुप्त सूचना मिल रही थी। गुप्त सूचना के आलोक में एसटीएफ और पुलिस बलों के सहयोग से संयुक्त छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान पीएलएफआई नक्सल संगठन के दो सदस्यों हरदिया गांव निवासी स्व. रामेश्वर राजवंशी के पुत्र दयानंद राजवंशी उर्फ गुर्जर उर्फ पप्पू एवं सादो राजवंशी के पुत्र मिथलेश राजवंशी को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार नक्सलियों के निशानदेही पर हरदिया पंचायत स्थित फुलवरिया डैम के समीप जंगली क्षेत्र भानेखाप से भारी मात्रा में अवैध आग्नेयास्त्र एवं विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया है। जब्त सामग्रियों में 0.315 के दो रेगुलर रायफल एवं 20 जिंदा कारतूस,बुलेटप्रूफ प्लेट के साथ एक टेक्टिकल गियर,एक बुलेटप्रूफ पटका,9 डेटोनेटर,325 पैकेटों में बंद 40.625 किलोग्राम विस्फोटक एवं 100 मीटर कोर्डेक्स शामिल है।

थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों सक्रिय नक्सलियों से आवश्यक पूछताछ के बाद शनिवार को स्वास्थ जांच के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि थाना क्षेत्र में किसी भी प्रकार के नक्सल गतिविधियों को बख्शा नहीं जाएगा।

बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने छीना किसानों के मुंह का निवाला गेहूं के साथ दलहन और तिलहन की फसलें भी हुई जमींदोज

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। प्रखंड क्षेत्र में चैत्र मास की जिस सुनहरी धूप में गेहूं की बालियां पककर सोने जैसी चमक बिखेर रही थीं,वहां अचानक बदले मौसम के मिजाज और बेमौसम बारिश ने किसानों की खुशियों को गहरे मातम में बदल दिया है। खेतों में खड़ी लहलहाती गेहूं की फसलें, जो कटाई के लिए पूरी तरह तैयार थीं, वे अब बेदर्द बारिश और तेज हवाओं के थपेड़ों से पूरी तरह जमीन पर बिछ गई हैं, जिससे महीनों की हाड़-तोड़ मेहनत और भारी निवेश के बाद हाथ आने वाला निवाला छिनता नजर आ रहा है।

आसमान से बरसती इन बूंदों ने न केवल अनाज की चमक को फीका कर दिया है, बल्कि नमी के कारण दानों के काले पड़ने और उनमें फफूंद लगने की गंभीर आशंका पैदा कर दी है, जिससे पूरी पैदावार की गुणवत्ता और बाजार भाव पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। इस प्राकृतिक आपदा का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि गेहूं के साथ-साथ दलहन और तिलहन की तैयार फसलों पर भी प्रकृति ने बेरहमी से प्रहार किया है। बभनटोली निवासी रंजीत कुमार सिंह,जोगियामारन निवासी संजय यादव समेत अन्य किसानों ने कहा कि सरसों, तीसी, मसूर और चने की फसलें, जो खलिहानों में पहुंचने की राह देख रही थीं, वे अब पानी में डूबकर सड़ने की कगार पर पहुँच गई हैं। दलहन की फलियों में पानी भरने से दाने अंकुरित होने लगे हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ रहा है। तिलहन की फसल, जो पहले ही पक कर झड़ने की स्थिति में थी, तेज हवाओं और बारिश के कारण खेतों में ही बिखर गई है, जिससे तेल की पैदावार और गुणवत्ता दोनों का भारी नुकसान तय माना जा रहा है।

खेत में झुका हुआ गेहूं का फसल

खलिहानों में सुरक्षित रखने की जद्दोजहद के बीच भीगती हुई कटी फसलें अब धीरे-धीरे सड़ रही हैं और लाचार किसानों के पास अपनी आंखों के सामने अपनी तकदीर को मिट्टी में मिलते देखने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है।

इस कुदरती मार ने विशेष रूप से उन छोटे किसानों की कमर तोड़ दी है जिन्होंने साहूकारों से भारी ब्याज पर कर्ज लेकर खाद-बीज का इंतजाम किया था और अब अपनी उपज बेचकर उसे चुकाने का सपना संजोए बैठे थे। ग्रामीण अंचलों में चारों ओर पसरा सन्नाटा और किसानों के मुरझाए चेहरों पर छाई गहरी मायूसी इस कड़वी हकीकत की तस्दीक कर रही है कि चैत्र की यह बेमौसम बारिश किसी अभिशाप से कम नहीं है। इस तबाही ने न केवल वर्तमान की नकदी फसलों को गहरी चोट पहुंचाई है, बल्कि आने वाले समय के लिए पशु चारे (भूसा) के संकट और भविष्य के बीज भंडार को भी पूरी तरह असुरक्षित बना दिया है, जिससे अन्नदाता के सामने अब जीवन-यापन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।

एमजीसीयू के तृतीय दीक्षांत समारोह को मिली गरिमा, राज्यपाल व उपमुख्यमंत्री की सहमति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मोतिहारी। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय (एमजीसीयू) के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय के मुख्य प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त के साथ बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने राज्यपाल महोदय को विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारने हेतु औपचारिक आमंत्रण प्रदान किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।इसके उपरांत, कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से भी शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उपमुख्यमंत्री को भी तृतीय दीक्षांत समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया, जिसे उन्होंने प्रसन्नतापूर्वक स्वीकार करते हुए विश्वविद्यालय के प्रयासों की सराहना की।उल्लेखनीय है कि एमजीसीयू के आगामी तृतीय दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन की गरिमामयी उपस्थिति प्रस्तावित है, जिससे यह समारोह राष्ट्रीय स्तर पर विशेष महत्व प्राप्त करेगा।राज्यपाल के साथ हुई बैठक में बिहार में उच्च शिक्षा के समग्र परिदृश्य, उससे जुड़ी चुनौतियों एवं संभावनाओं पर गंभीर एवं रचनात्मक विचार-विमर्श हुआ। चर्चा के दौरान शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन, अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने, तथा विद्यार्थियों

को समकालीन आवश्यकताओं के अनुरूप सक्षम बनाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष बल दिया गया। कुलपति प्रो. श्रीवास्तव ने विश्वविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक पहलों एवं भावी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए राज्य की उच्च शिक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए अपने विचार प्रस्तुत किए।यह शिष्टाचार भेंट न केवल एमजीसीयू के तृतीय दीक्षांत समारोह को और अधिक गरिमामय एवं विशिष्ट बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि बिहार में उच्च शिक्षा के विकास को नई दिशा देने वाले सार्थक संवाद के रूप में भी देखा जा रहा है।

ईद-उल-फितर पर मोतिहारी में दिखी खुशियों की रौनक, अमन-चैन की मांगी गई दुआ

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मोतिहारी। माह-ए-रमजान के खत्म होने की खुशी में आज ईद-उल-फितर पूरे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। पूर्वी चंपारण समेत उत्तर बिहार के विभिन्न इलाकों में सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।मोतिहारी के छतौनी मठिया जिरात स्थित ईदगाह में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने देश व कौम की खुशहाली, अमन-चैन और तरक्की के लिए दुआएं मांगीं। इस दौरान बच्चों में खासा

उत्साह देखने को मिला और लोग सेल्फी लेते हुए भी नजर आए।ईद के मौके पर मेल-मिलाप का दौर सुबह से ही शुरू हो गया। लोग अपने-अपने घरों में सेवइयां समेत विभिन्न व्यंजनों का आनंद लेते दिखे और रिश्तेदारों व मित्रों के यहां जाकर बधाई दी।वहीं, जनप्रतिनिधियों ने भी ईदगाह पहुंचकर लोगों को बधाई दी। मोतिहारी नगर निगम की मेयर प्रीति गुप्ता, कांग्रेस जिलाध्यक्ष गप्पू राय और जदयू नेता अमरेंद्र सिंह ने छतौनी ईदगाह पहुंचकर मुस्लिम समुदाय के लोगों से मुलाकात की और उन्हें ईद की शुभकामनाएं दीं।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मोतिहारी एसडीएम निशांत सेहरा और सदर एसडीपीओ दिलीप कुमार के नेतृत्व में पुलिस बल की तैनाती की गई थी।अधिकारियों ने बताया कि पूरे दिन शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती के साथ ट्रैफिक व्यवस्था को भी सुचारू रखा गया, जिससे त्योहार शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

चैती छठ घाटों का नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण, लापरवाही पर कर्मियों को फटकार

24 घंटे में कुंड बनाने का निर्देश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी में नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया ने आज चैती छठ पूजा की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने शहर के विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंदुई, सूर्यकुंड, देवघाट, ब्राह्मणी घाट और पितामहेश्वर घाट सहित कई प्रमुख स्थलों पर व्यवस्थाओं का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाए जाने पर उन्होंने संबंधित कर्मियों को फटकार लगाई और तुरंत आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के क्रम में नगर आयुक्त ने पितामहेश्वर घाट के पास अस्थायी कुंड के निर्माण काम की प्रगति पर आंशिक संतुष्टि व्यक्त की। हालांकि, ब्राह्मणी घाट के पास अस्थायी कुंड का निर्माण शुरू न होने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई। इस गंभीर लापरवाही के लिए उन्होंने मौके पर ही संबंधित कनीय अभियंता को फटकार लगाई और 24 घंटे के भीतर अस्थायी कुंड का निर्माण पूरा करने का सख्त निर्देश दिया।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगीः नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि चैती छठ जैसे महत्वपूर्ण पर्व में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी घाटों के कनीय अभियंताओं को निर्देश दिया कि 24 घंटे के अंदर हर हाल में सभी छठ घाटों पर अस्थायी कुंड का निर्माण कार्य पूरा किया जाए, ताकि व्रतियों को कोई असुविधा न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि निर्धारित समय सीमा में कार्य पूर्ण न होने या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित कर्मियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

पर्व के दौरान भक्तों की सुविधा सबसे पहलेः पलासिया ने जोर देकर कहा कि छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा सबसे पहले है और इसके लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करना होगा। उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था, प्रकाश की उपलब्धता, सुरक्षा इंतजाम और अन्य बुनियादी सुविधाओं का भी बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि घाटों पर पर्याप्त रोशनी, स्वच्छता और सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, ताकि श्रद्धालुओं को पूजा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

इस निरीक्षण के दौरान प्रसुक्षु आईएस सूरज कुमार, स्वच्छता पदाधिकारी सुभम कुमार, विद्युत पदाधिकारी गौरव सिन्हा, सफाई मुख्य पर्यवेक्षक चंद्र मोहन चिंटू, जेई-एई और सफाई से जुड़े सिंधु कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

जल संकट की आहट, भीषण गर्मी से पहले वाटर लेवल गिरा, डेंजर जोन' में 4 ब्लॉक

नालन्दा। नालंदा जिले में भीषण गर्मी से पहले भू-जलस्तर में गिरावट ने प्रशासन और आम जनता की चिंता बढ़ा दी है। हालात यह है कि मई और जून की तपिश आने से पहले ही जिले के एकंगरसराय और परवलपुर प्रखंड 'डेंजर जोन' की श्रेणी में आ गए हैं। चार प्रखंडों की कुल 32 पंचायतों में स्थिति भयावह होती जा रही है, जहां जलस्तर 50 फीट या उससे भी नीचे चला गया है। गिरते जलस्तर के कारण ग्रामीण इलाकों में हैंडपंप जवाब देने लगे हैं। कई जगहों पर नल-जल योजना की बोरिंग भी फेल हो रही है। जिले के भौगोलिक जलस्तर के विश्लेषण से पता चलता है कि पूर्वी भाग के 11 प्रखंडों में फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, जहां औसत जलस्तर 36.06 फीट दर्ज किया गया है। इसके विपरीत, पश्चिमी भाग के आठ प्रखंडों में स्थिति तेजी से बिगड़ रही है। यहां वर्तमान में औसत जलस्तर 41.0 फीट है, जिसमें दिसंबर की तुलना में करीब तीन इंच की गिरावट आई है। सबसे चिंताजनक स्थिति इस्लामपुर प्रखंड की सकरी पंचायत स्थित हरसेनी गांव की है, जहां पानी 57.7 फीट की गहराई तक चला गया है। इसी तरह इस्लामपुर के बौरीडीह और परवलपुर के मई क्षेत्र में भी जलस्तर 57.2 फीट तक खिसक चुका है। आंकड़ों के अनुसार, एकंगरसराय की 18 में से 17 पंचायतें और परवलपुर की सभी छह पंचायतें अब डेंजर जोन का हिस्सा बन चुकी है। ल संकट का एक बड़ा कारण जिले की नदियों का सूखना भी है। जिले से होकर गुजरने वाली करीब 40 छोटी-बड़ी नदियां पूरी तरह बरसाती है, जिनमें पानी का ठहराव नहीं होने के कारण वाटर रिचार्ज की प्रक्रिया बाधित हो रही है। पंचाने, जिरायन और लोकाइन जैसी प्रमुख नदियों के सूखने और केवल कुछ गड्ढों में पानी सिमट जाने से भू-गर्भ जल को पुनर्जीवित होने का अवसर नहीं मिल पा रहा है। पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता राघवेंद्र कुमार का मानना है कि नदियों में पानी न रुकने से जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, जो आने वाले महीनों में और गंभीर हो सकती है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए एकंगरसराय की पारथू, कोसियावां, तेल्हाड़ा, और औंगारी जैसी सत्रह पंचायतों समेत इस्लामपुर की सात, परवलपुर की सभी छह और बेन प्रखंड की दो पंचायतों को अति संवेदनशील माना जा रहा है। अगर समय रहते जल संरक्षण और वैकल्पिक उपायों पर ध्यान नहीं दिया गया, तो मई और जून की तपती गर्मी में जिले के एक बड़े हिस्से में पानी के लिए हाहाकार मचना तय माना जा रहा है।

जनगणना की तैयारियां तेज, 126 फील्ड ट्रेनरों के लिए तीन दिवसीय ट्रेनिंग कार्यक्रम

नालन्दा। नालंदा जिले में जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक तैयारियां तेज कर दी गई हैं। पहले चरण में होने वाले मकान सूचीकरण और मकानों की गणना के कार्य को लेकर कुल 126 फील्ड ट्रेनरों को ट्रेनिंग दी जाएगी। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम डीआरडीए कार्यालय के दो अलग-अलग भवनों में चार बैच में आयोजित होगा, जहां इन मास्टर ट्रेनरों को गणना की बारीकियों और तकनीकी जानकारी से लैस किया जाएगा। जिला शिक्षा पदाधिकारी आनंद विजय ने बताया कि प्रशिक्षण का पहला चरण 23 मार्च से शुरू होगा। पहले दो बैचों की ट्रेनिंग 23 से 25 मार्च तक अलग-अलग हॉल में एक साथ चलेगी, जिसमें प्रत्येक बैच में 32-32 शिक्षक शामिल होंगे। इसके बाद दूसरे चरण का प्रशिक्षण इसी स्थल पर 26 से 28 मार्च तक चलेगा। तीसरे बैच में 32 और चौथे बैच में 30 शिक्षक शिरकत करेंगे। प्रशिक्षण देने की जिम्मेदारी मास्टर ट्रेनर अजीत कुमार, मनीष कुमार, योगेंद्र कुमार और राजीव कुमार को सौंपी गई है। यहां से प्रशिक्षित होने के बाद ये फील्ड ट्रेनर अपने-अपने संबंधित प्रखंडों में जाकर गणना कार्य में लगे अन्य कर्मियों को तकनीकी गुर सिखाएंगे। जनगणना प्रशिक्षण कोषांग के वरीय पदाधिकारी सह उप विकास आयुक्त (DDC) शुभम कुमार ने बताया कि प्रथम चरण की गणना के दौरान कुल 33 मुख्य बिंदुओं पर जानकारी जुटानी है। प्रगणकों को मकानों की प्रकृति (कच्चा, पक्का या झोपड़ी) के साथ-साथ वहां उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं जैसे शौचालय, वाहन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का विवरण भी दर्ज करना होगा। प्रशिक्षण का समय सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। डीडीसी ने निर्देश दिया है कि सभी चिन्हित प्रशिक्षक समय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण प्राप्त करें, ताकि फील्ड में डेटा संग्रह के दौरान किसी भी प्रकार की तकनीकी त्रुटि न हो। प्रशासन का लक्ष्य है कि मकान सूचीकरण का कार्य पूरी पारदर्शिता और शुद्धता के साथ ससमय पूरा कर लिया जाए।

फल्गु के रबर डैम से ट्रॉली बैग में कारतूस बरामद, तीन महीने पहले चोरी हो गई थी

गयाजी। गयाजी के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में फल्गु नदी के रबर डैम से एक ट्रॉली बैग मिलने के बाद हड़कंप मच गया। डैम की सफाई चल रही थी। इसी दौरान पानी के बीच से बैग बरामद हुआ। जब बैग खोला गया तो अंदर से .315 बोर के 8 जिंदा कारतूस मिले। इससे मौके पर मौजूद लोगों के बीच दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बैग और कारतूस को कब्जे में लिया गया। जांच शुरू हुई तो मामला और दिलचस्प हो गया। बैग के अंदर से आधार कार्ड, पैन कार्ड और असलहे का लाइसेंस भी मिला। यहीं से पुलिस को पहली ठोस कड़ी मिली। मुफस्सिल इंस्पेक्टर सुनील कुमार द्विवेदी के मुताबिक, लाइसेंस पर दर्ज मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया। फोन उठाने वाले ने जो कहानी बताई, उसने पूरा मामला पलट दिया। फोन नंबर यूपी के बुंदेलखंड निवासी सुधीश कुमार का निकला। उसने खुद को रिटायर्ड आर्मी जवान बताया। सुधीश ने पुलिस को बताया कि वह दिसंबर 2025 में गयाजी आया था। मकसद था कि निजी गार्ड की नौकरी तलाशना। लेकिन सैलरी पर बात नहीं बनी। इसके बाद 10 दिसंबर की रात वह मगध मेडिकल इलाके से स्टेशन के लिए निकला। रात करीब 8 बजे की बात है। रास्ते में उसे नींद आ गई। जब आंख खुली तो ट्रॉली बैग गायब था। ट्राली बैग ऑटो के पिछले हिस्से में रखा था। सुधीश ने उसी रात मगध मेडिकल थाना में चोरी का केस दर्ज कराया था। काफी तलाश की, लेकिन बैग का कोई सुराग नहीं मिला। आखिरकार वह वापस यूपी लौट गया। अब तीन महीने बाद उसका बैग फल्गु नदी के रबर डैम से बरामद हुआ है। पुलिस का मानना है कि चोरी के बाद बैग को छिपाने के इरादे से नदी में फेंका गया होगा। मुफस्सिल पुलिस ने बरामद बैग और सामान को मगध मेडिकल थाना को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है। पुलिस हर एंगल से पड़ताल कर रही है।

गयाजी के गांधी मैदान में 1000 लोगों ने पढ़ी नमाज, ईद पर अमन और भाईचारे का संदेश

गिले-शिकवे भूलकर गले मिले, शहर में कड़ी सुरक्षा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी शहर के गांधी मैदान में ईद पर सामूहिक नमाज अदा की गई। सुबह से ही लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। हर वर्ग और उम्र के लोग नए कपड़े पहनकर नमाज के लिए पहुंचे। यह आयोजन शहर में एकता और भाईचारे का प्रतीक बना। नमाज पढ़ने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी। इस दौरान समाज में प्रेम और एकता का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी के चेहरों पर खुशी झलक रही थी।

प्रेम और सद्भाव का त्योहारः स्थानीय मोहम्मद बादशाह ने बताया कि रमजान के पूरे एक महीने रोजा रखने के बाद ईद का त्योहार मनाया जा रहा है। यह दिन आपसी प्रेम और सद्भाव के साथ रहने की प्रेरणा देता है। देश, राज्य और जिले में शांति, भाईचारा, खुशहाली के लिए दुआ मांगी।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, ताकि नमाज के दौरान कोई असुविधा न हो। पुलिस बल और स्वयंसेवकों की तैनाती से व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रही। लोगों ने भी अनुशासन बनाए रखते हुए नमाज अदा की। ईद का यह त्योहार न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि समाज में एकता और आपसी सम्मान को मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है।

फल्गु रबर डैम में गंदगी, देवघाट पर बदबू से श्रद्धालु परेशान, फल्गु नदी गंदी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गयाजी में मोक्षदायिनी फल्गु नदी के देवघाट रबर डैम पर गंदगी और दुर्गंध से श्रद्धालु परेशान हैं। यहां पानी की स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि श्रद्धालुओं का खड़ा होना भी मुश्किल हो गया है। 22 मार्च से लोक आस्था का महापर्व चैती छठ शुरू होने वाला है, ऐसे में प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठ रहे हैं। गया पिंडदान और श्राद्ध कर्म के लिए विश्व प्रसिद्ध है, जहां हर साल देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए आते हैं। इस बार देवघाट का दृश्य श्रद्धालुओं को निराश कर रहा है। नदी के पानी से उठती तीखी दुर्गंध के कारण आचमन करना तो दूर, घाट के पास खड़ा होना भी कठिन हो गया है। पिंडदान के बाद पवित्र फल्गु में पिंड विसर्जन करने को लेकर भी श्रद्धालु असमंजस में हैं। जिस स्थान को 'मोक्षदायिनी' कहा जाता है, वहीं का जल अब आचमन योग्य भी नहीं रह गया है।

श्रद्धालु बोली- बदबू के कारण जाना मुश्किल हुआः बेंगलुरु से आई श्रद्धालु ज्योति कुमारी ने अपनी परेशानी साझा की। उन्होंने बताया कि पिंडदान की प्रक्रिया तो अच्छी रही, लेकिन रबर डैम के पास पानी से इतनी बदबू आ रही थी कि वहां जाना मुश्किल हो गया। सीता कुंड से यहां तक आने में भी काफी परेशानी हुई। यह अनुभव केवल एक श्रद्धालु का नहीं है, बल्कि कई तीर्थयात्रियों की समान शिकायतें सामने आ रही हैं। कभी जहां श्रद्धा, शांति और पवित्रता का वातावरण होता था, आज वहां गंदगी ने डेरा जमा लिया है। घाट के आसपास कचरे का अंबार और जल की खराब गुणवत्ता न केवल धार्मिक भावनाओं को आहत कर रही है, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन चुकी है।

सबसे हैरानी की बात यह है कि छठ जैसे बड़े पर्व के ठीक पहले भी जिला प्रशासन और नगर निगम की ओर से सफाई की कोई ठोस व्यवस्था नजर नहीं आ रही है। छठ के दौरान हजारों व्रती सुबह और शाम सूर्य देव को अर्घ्य देने इसी घाट पर पहुंचते हैं। ऐसे में यदि समय रहते सफाई नहीं की गई, तो स्थिति और भी भयावह हो सकती है। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जल्द ही सफाई, जल शुद्धिकरण और उचित व्यवस्था नहीं की गई, तो गया की धार्मिक पहचान पर भी सवाल खड़े हो सकते हैं।

जिलाधिकारी शशांक शुभंकर का कहना है कि सफाई कराने का अभियान तो चल रहा है। नदी में ठहराव पानी है, इसलिए समय-समय पर गंदा हो जाता है। कॉरिडोर योजना में हम लोग प्लांट बनाने के लिए डाले हुए है। जिसमें पानी की सफाई होगी। अभी फिलहाल लोकल स्तर पर सफाई अभियान कराया जाएगा।

जिलाधिकारी ने कहा- अफवाहों पर न दें ध्यान

नालंदा में रोजाना हो रही 9200 गैस सिलिंडरों की आपूर्ति

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालंदा। नालंदा जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने जिले में एलपीजी गैस सिलिंडर की किल्लत को लेकर चल रही चर्चाओं पर विराम लगा दिया है। शनिवार को जारी एक बयान में जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि नालंदा में एलपीजी गैस सिलिंडर की कोई कमी नहीं है और उपभोक्ताओं को उनकी मांग के अनुसार निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने आम जनता से अपील की है कि वे गैस की कमी के संबंध में फैली किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और सजग रहें। डीएम ने तेल विपणन कंपनियों के एरिया मैनेजरों से प्राप्त आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि जिले में प्रतिदिन लगभग 9,272 गैस सिलिंडरों की आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने बताया कि बीपीसीएल (BPCL) की 27 एजेंसियां रोजाना 4,953 सिलिंडर, एचपीसीएल (HPCL) की 9 एजेंसियां 2,113 सिलिंडर और आईओसीएल (IOCL) की 18 एजेंसियां 2,206 सिलिंडर उपभोक्ताओं को उपलब्ध करा रही हैं। उपभोक्ताओं की ओर से गैस रिफिलिंग के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर ससमय आपूर्ति की जा रही है।

संदिग्ध ठिकानों पर हो रही छापेमारी

गैस की उपलब्धता और बुकिंग से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका टोल-फ्री नंबर 06112-233168 है। यदि किसी भी उपभोक्ता को गैस सिलिंडर हासिल करने में कोई कठिनाई हो रही है, तो वे सीधे इस नंबर पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

कालाबाजारी को लेकर अलर्ट मोड पर प्रशासनः दूसरी ओर अफवाहों के बीच सिलिंडरों की जमाखोरी और कालाबाजारी की आशंका को देखते हुए प्रशासन अलर्ट मोड पर है। विभागीय निर्देशों के आलोक में जिले की सभी गैस एजेंसियों का भौतिक निरीक्षण किया जा रहा है और संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

जिलाधिकारी ने सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि यदि कोई भी व्यक्ति एलपीजी सिलिंडरों की जमाखोरी, कालाबाजारी या घरेलू गैस के व्यावसायिक उपयोग में संलिप्त पाया जाता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जिले वासियों से 'सजग रहें, सतर्क रहें' का आह्वान किया है।

ईद पर अमन-चैन की मांगी दुआ, बड़ी दरगाह पहुंचे डीएसपी, नमाज के बाद गले मिलकर मुबारकबाद दी, शहर में ड्रोन से निगरानी

वाणी

नालन्दा। नालंदा जिले में कौमी एकता और आपसी भाईचारे का प्रतीक 'ईद-उल-फितर' पर विशेष नमाज अदा की गई। ऐतिहासिक बड़ी दरगाह समेत जिले की तमाम मस्जिदों और ईदगाहों में हजारों की संख्या में नमाजी जुटे। मुल्क की तरक्की, एकता और विश्व शांति के लिए दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे माहौल पूरी तरह सौहार्दपूर्ण बना रहा।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, 'तीसरी आंख' से निगरानीः त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस-प्रशासन अलर्ट मोड में हैं। सभी प्रमुख नमाज स्थलों और संवेदनशील मोड़ों पर भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए चप्पे-चप्पे पर नजर रखी गई। सदर डीएसपी वन नुरुल हक भी बड़ी दरगाह पहुंचे और लोगों से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी।

'मखदूम-ए-जहां' दरगाह से शांति का संदेशः बड़ी दरगाह के सज्जादानशीन सैयद सैफुद्दीन फिरदौसी (पीर साहब) ने नमाज के बाद मानवता और शांति का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज का दिन अल्लाह का शुक्र अदा करने का है। उन्होंने हमें रमजान के मुकद्दस रोजे रखने की तौफीक दी। आज दुनिया के जो हालात हैं, उसे देख दुख होता है। कई मुल्कों में लोग खौफ और जंग के साए में हैं। हमने दुआ की है कि जंग के बादल छंटे और पूरी दुनिया में अमन कायम हो। नफरत और हिंसा अल्लाह को पसंद नहीं है। ईश्वर ने दुनिया को खूबसूरती और सुकून के लिए बनाया है, इसलिए इंसानियत और मोहब्बत ही सबसे बड़ा धर्म है।

एकता और अखंडता के लिए दुआः उपमेयर प्रतिनिधि दानिश मलिक ने भी बड़ी दरगाह में नमाज अदा की और जिलेवासियों को ईद की बधाई दी। उन्होंने कहा कि रमजान के 30 दिनों की इबादत के बाद ईद खुदा की ओर से रोजेदारों के लिए एक अनमोल इनाम है। इस बार विशेष रूप से उन भाइयों के लिए दुआ की गई जो इस साल ईद पर अपने घर नहीं आ सके। साथ ही हिंदुस्तान की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

चैती छठ भगवान सूर्य की आराधना और श्रद्धा का पर्व

काराकाट / रोहतास : चैती छठ महापर्व की महत्ता को समझाते हुए जानकारों ने बताया कि छठ पूजा सिर्फ परंपरा नहीं,बल्कि आत्मशुद्धि और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का अद्भुत संदेश है । चैती छठ व्रत सूर्य देव और छठी मैया की उपासना का अनूठा माध्यम है । यह पर्व न केवल जीवन में सुख, समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना करता है,बल्कि अनुशासन,संयम और समर्पण की शिक्षा भी देता है ।डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य देने की परंपरा हमें सिखाती है कि जीवन में हर परिस्थिति सुख या दुख को समान श्रद्धा के साथ स्वीकार करना चाहिए । जानकारों ने कहा कि छठ पूजा समाज में भाईचारे,सहयोग और एकता की भावना को मजबूत करने वाला महापर्व है ।

गायत्री सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल फाउंडेशन के बैनर तले किया गया

बिक्रमगंज / रोहतास : नगर के आरा रोड स्थित प्रज्ञा पुंज पब्लिक स्कूल के प्रांगण में 8 मार्च को आयोजित जीनियस 100 ओलंपियाड स्कॉलरशिप प्रतियोगिता परीक्षा का इंतजार अब समाप्त होने वाला है । प्रतियोगिता का परिणाम आज यानी रविवार को घोषित किया जाएगा और परीक्षा में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान हासिल करने वाले छात्रों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे । इस परीक्षा का आयोजन गायत्री सोशल वेलफेयर एंड एजुकेशनल फाउंडेशन के बैनर तले किया गया था । विद्यालय के निदेशक अभिजीत आनंद ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्रों की शैक्षणिक क्षमता को बढ़ावा देना, उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक माहौल से परिचित कराना और स्कॉलरशिप के माध्यम से उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारना है । प्रतियोगिता में इस वर्ष पिछले साल की तुलना में अधिक छात्रों ने भाग लिया । उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों की तैयारी और उत्साह देखकर यह स्पष्ट है कि विद्यार्थी केवल प्रतियोगिता के पुरस्कार तक सीमित नहीं,बल्कि अपने ज्ञान और कौशल को निखारने के लिए भी इसे अवसर मान रहे हैं । अभिभावकों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम बच्चों में आत्मविश्वास,अनुशासन और सीखने की उत्सुकता पैदा करते हैं ।आयोजकों ने यह भी बताया कि विजेताओं को प्रमाण पत्र के साथ आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे,जिससे छात्रों में प्रेरणा और बढ़ेगी । स्कॉलरशिप परीक्षा ने साबित कर दिया कि शिक्षा सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों के माध्यम से भी छात्र अपने कौशल को परख सकते हैं । परिणाम घोषित होने के दौरान विद्यालय के सभागार भवन में प्रतियोगिता में शामिल बच्चे व उनके अभिभावक रहेंगे ।

बिहार दिवस पर नवाचारी शिक्षकों का होगा सम्मान

बिक्रमगंज/रोहतास। बिहार दिवस के उपलक्ष में 22 मार्च को सासाराम स्थित डायट परिसर में नवाचारी शिक्षक शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी टीबीटी रोहतास जिला अध्यक्ष डॉक्टर पिंकी कुमारी जो नव सृजित प्राथमिक विद्यालय अटपा में शिक्षिका हैं उन्होंने बताया कि इस भव्य आयोजन में शिक्षा के क्षेत्र में जिन शिक्षक - शिक्षिकाओं ने अपने नए-नए प्रयोग के जरिए बेकार इधर-उधर पड़ी वस्तुओं से कबाड़ से जुगाड़ कर विज्ञान प्रदर्शनी या टीएलएम मेला के लिए जिसने प्रदर्शन किया है ,उन्हें इस उपलब्धि को लेकर सम्मानित किया जाएगा। वहीं टीबीटी रोहतास जिला उपाध्यक्ष ममता कुमारी जो बसंतीतिया मध्य विद्यालय की शिक्षिका हैं, साथ ही रोहतास जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने कहा कि इस आयोजन में 101 शिक्षक- शिक्षिकाओं को सम्मानित किया जाएगा।यह एक नई पहल होगी जहां इतने लोग एक साथ सम्मानित किए जाएंगे। इस कार्यक्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी , जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (स्थापना) एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (प्राथमिक शिक्षा) सहित कई प्रशासनिक अधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में रोहतास जिला से आए शिक्षक- शिक्षिका अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन भी करेंगे साथ ही बिहार दिवस के अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।

कोटवा में 16 संकुलों पर परीक्षा की कॉपियां जांचने में जुटे 303 शिक्षक

कोटवा। कोटवा प्रखंड क्षेत्र के 16 संकुलों पर कक्षा तीन से आठ तक की वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य युद्धस्तर पर जारी है। 12 से 18 मार्च के बीच शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित परीक्षा के बाद अब शिक्षा विभाग द्वारा कॉपियों की जांच में तेजी लाई गई है, ताकि निर्धारित समय सीमा के भीतर परिणाम तैयार किया जा सके।इस वर्ष आयोजित वार्षिक परीक्षा में कुल 34,566 परीक्षार्थी शामिल हुए थे। इतनी बड़ी संख्या में कॉपियों के मूल्यांकन के लिए विभाग द्वारा 303 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गई है। सभी संकुलों पर शिक्षकों को विषयवार जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे मूल्यांकन कार्य व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से पूरा हो सके।विभागीय निर्देश के अनुसार 24 मार्च तक हर हाल में मूल्यांकन कार्य पूर्ण कर लेना है। इसके बाद परिणाम तैयार कर 28 मार्च को आयोजित होने वाली शिक्षक-अभिभावक गोष्ठी में विद्यार्थियों के प्रगति पत्रक अभिभावकों के समक्ष जारी किए जाएंगे। इस गोष्ठी के माध्यम से अभिभावकों को बच्चों की शैक्षणिक स्थिति, उनकी उपलब्धियों और कमियों की जानकारी दी जाएगी, ताकि आगे के सुधार के लिए सामूहिक प्रयास हो सके।

मूल्यांकन कार्य में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा सख्त दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रत्येक संकुल पर निगरानी की व्यवस्था की गई है और संबंधित पदाधिकारियों द्वारा समय-समय पर निरीक्षण भी किया जा रहा है। शिक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिया गया है कि वे निष्पक्ष एवं सावधानीपूर्वक कॉपियों की जांच करें, ताकि किसी भी प्रकार की त्रुटि की संभावना न रहे।

प्रखंड क्षेत्र में धूमधाम से मनाया गया ईद का त्योहार, क्षेत्र में गूंजे खुशियों के तराने

कोटवा। प्रखंड क्षेत्र में शनिवार को ईद का त्योहार बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। सुबह से ही विशुनपुर ,खजुरिया,हीरापुर,कोटवा,अहिरौलिया,पोखरा,भोपतपुर ,हसनपुर, बथना सहित विभिन्न क्षेत्रों के मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और क्षेत्र में भाईचारे व सौहार्द का सुंदर माहौल देखने को मिला।इस अवसर पर बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक में खास उत्साह देखा गया। नए कपड़े पहनकर बच्चे काफी खुश नजर आए और घरों में विभिन्न प्रकार के लजीज पकवान बनाए गए। खासकर सेवइयों की मिठास ने त्योहार की खुशी को और बढ़ा दिया। प्रखंड के विभिन्न हिस्सों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। खुशियों का यह त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी लोगों के बीच पहुंचकर ईद की बधाई दी और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाए रखने का संदेश दिया। इस अवसर पर राजद के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि ईद का यह त्यौहार हमारे जीवन में प्रेम, शांति, सौहार्द और भाईचारे की नई रोशनी लेकर आता है ।यह त्यौहार हमें आपसी रिश्तों को मजबूत करने गिले शिकवे मिटाने और सद्भाव बढ़ाने की प्रेरणा देता है ।कुल मिलाकर प्रखंड क्षेत्र में ईद का पर्व आपसी प्रेम, सद्भाव और उल्लास के साथ मनाया गया।

ईद की नमाज के लिए ईदगाहों और मस्जिदों में उमड़ी भीड़, गले मिलकर दी मुबारकबाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

करगहर (रोहतास): ईद-उल-फितर का त्योहार शनिवार को करगहर प्रखंड और आसपास के क्षेत्रों में अकीदत, उल्लास और भाईचारे के साथ मनाया गया। माह-ए-रमजान के समाप्त होने के बाद सुबह से ही ईद की रौनक पूरे इलाके में दिखाई देने लगी। घरों में तैयारियों का दौर चला और बच्चे नए कपड़ों में खासे उत्साहित नजर आए। वहीं बड़े भी नए लिबास, इत्र और टोपी पहनकर ईदगाहों और मस्जिदों की ओर निकल पड़े।

करगहर, सेमरी देवी, रूपैठा, बकसड़ा, कौवाखोच, इटवां, बड़हरी और धनेज समेत विभिन्न गांवों के ईदगाहों एवं मस्जिदों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई। नमाज से पहले ही ईदगाहों और मस्जिदों के बाहर अकीदतमंदों की लंबी कतारें लग गई थीं। लोगों ने शांतिपूर्वक अपनी बारी का इंतजार किया और इमामों की तकरीरें गौर से सुनीं। करगहर बाजार स्थित जामा मस्जिद ईदगाह में सुबह 7:30 बजे और न्यू मस्जिद में सुबह 8 बजे ईद की नमाज अदा की गई। हाफिज तलहा अंसारी ने नमाज अदा कराई। नमाज से पूर्व अकीदतमंदों ने सदका-ए-फित्र अदा किया। नमाज के बाद मुल्क में अमन-चैन, तरक्की, एकता और इंसानियत की बेहतरी के लिए दुआएं मांगी गईं।

खुतबे में हाफिज तलहा अंसारी ने कहा कि रमजान के रोजे इंसान को सब्र, परहेजगारी और नेकी का पैगाम देते हैं। उन्होंने लोगों से आपसी प्रेम, भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी।

ईद को लेकर बच्चों में खास उत्साह देखा गया। किसी को ईदी के रूप में नगद राशि मिली तो किसी को तोहफे। ईदगाहों के बाहर बच्चे गुब्बारे और खिलौने खरीदते नजर आए। घरों में मीठी सेवइयां और तरह-तरह के पकवान बने, जिनका लोगों ने परिवार और मेहमानों के साथ आनंद लिया। दिनभर मेल-मिलाप और मुबारकबाद का सिलसिला जारी रहा।

पर्व को लेकर बाजार और कई मोहल्लों को रंग-बिरंगी झंडियों व गुब्बारों से सजाया गया था। चौक-चौराहों पर लोग एक-दूसरे को बधाई देते और तस्वीरें खिंचवाते नजर आए। सोशल मीडिया पर भी ईद की शुभकामनाओं का दौर पूरे दिन चलता रहा। ईद-उल-फितर के अवसर पर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास पुलिस बल तैनात रहा, जिससे पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

ईद-उल-फितर पर अदा की गई सामूहिक नमाज

जिला परिषद सदस्य ने मिलकर लोगों को दी मुबारकबाद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

डेहरी (रोहतास)। दरिहट गांव में ईद-उल-फितर का त्योहार आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दरिहट गांव में स्थित मस्जिद में हजारों की संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक साथ ईद की नमाज अदा की। नमाज के बाद लोगों ने देश और प्रदेश में अमन-चैन, खुशहाली तथा आपसी भाईचारे की दुआ मांगी।

मस्जिद परिसर में सुबह से ही लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे गंगा-जमुनी तहजीब की खूबसूरत मिसाल देखने को मिली।

इस अवसर पर रोहतास जिला परिषद सदस्य नथुनी राम पहुंचकर, जहां स्थानीय लोगों से उनसे मुलाकात कर ईद की शुभकामनाएं दीं। सभी को ईद की बधाई देते हुए कहा कि ईद का पर्व प्रेम, त्याग और भाईचारे का संदेश देता है तथा समाज में एकता और सद्भाव को मजबूत करता है। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।

माता-पिता की प्रसन्नता में हीं है संतान की प्रगति का है राज़ : लक्ष्मीकांत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

♦ **कर्मा लौट कर वापिस आता है-- हम जैसा व्यवहार माता पिता के साथ करते हैं. हमारे साथ अवश्य होगा**

राजपुर-- भागदौड़ करता मनुष्य सुख-समृद्धि की खोज में भटक रहा है.जबकी हम सभी के प्रसन्नता के देवता हमारे घर में हम सब के बीच माता पिता के रूप में विराजमान है.माता पिता से बड़ा दूसरा अन्य कोई देवता नहीं है.कर्मा लौट कर वापिस आता है-- हम जैसा व्यवहार माता पिता के साथ करते हैं.हमारे साथ अवश्य होगा. उक्त बातें राजपुर महिला महाविद्यालय प्रांगण में चल रहे श्री रामाश्रय सत्संग आगरा ब्रांच के शिष्य श्री लक्ष्मीकांत जी ने सत्संग के दौरान कही.

उन्होंने कहा कि हमारे धर्म-ग्रंथ और संस्कृति सदैव यही सिखाते आए हैं कि माता-पिता से बढ़कर इस धरती पर कोई अन्य देवता नहीं हैं. आज के दौर में ज्यादातर लोग माता पिता का परित्याग करके अथवा उन्हें प्रताडित करके मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारों एवं मठों एवं संतो के चक्कर लगाते हैं.

यह भ्रम के आलावा और कुछ नहीं है. माथा टेकने से जीवन का उत्थान हो जाएगा.ऐसा सम्भव नहीं. जब तक हम व्यक्ति माता-पिता का आशीर्वाद नहीं लेते,हमारा उत्थान सम्भव नही. कार्यक्रम का आयोजन सह नेतृत्व महाविद्यालय के संस्थापक प्राचार्य डॉ लाला मिश्र एवं प्रचार्य डॉ रघुवंश मिश्रा ने किया. इस दौरान गुरुभाई शिवकुमार, अशोक कुमार, मंजू देवी, सरस्वती देवी, रमेश कुमार, समेत अन्य गुरुभाई-बहान मौजूद रहे.

दिनारा में जिगरी दोस्त की पत्नी से हुआ प्यार, पंचायत के फैसले पर मंदिर में रचाई शादी, पहला पति भी रहा मौजूद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

दिनारा /रोहतास। दिनारा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक युवक ने अपने ही जिगरी दोस्त की पत्नी से प्रेम संबंध के बाद पंचायत के फैसले पर दिनारा के एक मंदिर में शादी रचा ली। इस घटना ने रिश्तों और सामाजिक मर्यादाओं को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। जानकारी के अनुसार, करमैनी गांव निवासी धर्मेंद्र कुमार अपनी पत्नी मंजू देवी के साथ दिल्ली में रहता था। वहीं उसका जिगरी दोस्त लव कुमार, जो पास के ही गांव सराव रहने वाला है। युवक उनके संपर्क में था। इसी दौरान दिल्ली में लव कुमार और मंजू देवी के बीच बातचीत शुरू हुई, जो धीरे-धीरे प्रेम संबंध में बदल गई। कुछ समय पहले धर्मेंद्र कुमार काम के सिलसिले में गुजरात चला गया, जिसके बाद मंजू देवी अपने मायके में रहने लगी। इसी दौरान लव कुमार दिल्ली से लौटा तो उससे मिलने गांव पहुंचने लगा। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ती गईं और मामला सामने आने पर विवाद खड़ा हो गया। बीते गुरुवार की रात जब लव कुमार मंजू देवी से मिलने उसके घर पहुंचा, तब परिजनों ने दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ लिया। इसके बाद हंगामा हुआ और युवक की पिटाई कर दी गई। मामला बढ़ने पर गांव में पंचायत बुलाई गई। पंचायत में दोनों ने एक-दूसरे के साथ रहने की इच्छा जताई। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि सोनू कुशवाहा की मौजूदगी में पंचायत ने फैसला लिया कि दोनों की शादी करा दी जाए। आज शुक्रवार की सुबह करीब 11 बजे दिनारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास स्थित हनुमान मंदिर में दोनों की शादी कराई गई। मंदिर में देवी-देवताओं को साक्षी मानकर लव कुमार और मंजू देवी ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई और विवाह की रस्म पूरी की।

सबसे चौंकाने वाली खास बात यह रही कि इस शादी के दौरान महिला का पहला पति धर्मेंद्र कुमार भी मौजूद रहा। बताया जा रहा है कि उसने खुद दोनों का हाथ पकड़कर शादी के लिए आगे बढ़ाया। मंजू देवी का एक पांच साल का बेटा भी है, जो अब अपनी मां के साथ रह रहा है। यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

गैस सिलेंडर के लिए मचा हाहाकार, मुंहमांगी कीमत देने को तैयार उपभोक्ता

उपभोक्ताओं का वितरण केंद्र पर करवाई जा रही है केवाइसी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

राजपुर-- प्रखण्ड अन्तर्गत रसोई गैस की किल्लत से उपभोक्ता जूझ रहे हैं.कियाये की मकान में रहकर छोटे सिलेंडर से खाना पकाने वाले लोग माथा पिट रहे हैं.जिधर देखों गैस सिलेंडर चर्चा का विषय बना हुआ.ऐन केन प्रकारेण लोग गैस सिलेंडर के लिए भाग दौड़ कर रहे हैं. मामला यहां तक पहुंच गया है कि लोग मुंह मांगी कीमत देने को भी तैयार हैं. मुख्यालय स्थित इंडेन गैस ग्रामीण वितरण केंद्र पर प्रतिदिन लोगों की भारी भीड़ लग रही है.

केन्द्र के वितरक उपभोक्ताओं की केवाइसी कराकर गैस सिलेंडर अनुपलब्ध होने की बात कह कर पिछा छुड़ा रहे हैं. राजपुर निवासी सतपाल सिंह, मलांव गांव निवासी विरेन्द्र सिंह आदी ने बताया कि ओटीपी प्राप्त होने के बावजूद भी गैस नहीं मिल रहा है. उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी देने के आड में गैस सिलेंडर की कालाबाजरी किया जा रहा है.उपभोक्ताओं के ओटीपी को सस्पेंडेड करार दे दिया जा रहा है.

एजेन्सी संचालक विनीता प्रसाद के पति प्रदीप कुमार साह ने बताया कि गैस कनेक्शन लिये उपभोक्ताओं की बहुत बड़ी सख्या का केवाईसी पेंडिंग है.अब बुकिंग के उपरांत हीं सिलेंडर मिल रहा है.जिस कारण सभी कनेक्शन धारकों का केवाईसी किया जा रहा है. उधर गैस सिलेंडर के लिए एजेन्सी पर भारी संख्या में लोग लाईन में लग रहे हैं.लाईन में खड़े लोगों ने कहा कि बहुत परेशान हो रहे हैं.प्रतिदिन लाईन लगते हैं.बुकिंग के लिए मोबाइल से नम्बर लगया जा रहा है,लेकिन ओटिपी नहीं आ रहा है.

सौहार्दपूर्ण माहौल में तुरकौलिया में ईद पर्व संपन्न, पुलिस की थी चुस्त-दुरुस्त व्यवस्था

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

तुरकौलिया। पवित्र रमजान महिने का रोजा रखने के बाद चांद देखकर ईद के अवसर पर सभी ईदगाहों में ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान सभी नये नये कपड़े पहनकर खुशबू लगाकर ईदगाह पहुंचे थे नमाज़ के बाद पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाया जा रहा है। त्योहार को लेकर मुस्लिम भाइयों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। एक-दुसरे को सेवई खिलाकर बधाई दे रहे हैं। नमाज अदा करने के बाद एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद भी दे रहे हैं। ईदगाह के आसपास मेला का आयोजन किया गया था। जहां काफी संख्या में बच्चे बच्चियों सहित लोगों का चहल-पहल देखा गया। पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का अहम भूमिका रहा। पर्व के दौरान थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी अपने दल-बल के साथ गश्ती करते देखे गए। ईदगाह के आस-पास पुलिस बल की तैनात की गई थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि इलाके में भाईचारा के साथ त्योहार मनाया जा रहा है। सभी जगह शांतिपूर्ण माहौल है। असामाजिक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर है। संवेदनशील इलाकों में पुलिस लगातार गश्त कर रही है।

धूमधाम से मनाया गया ईद-उल-फितर का पर्व

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

केसरिया, पू.च। प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न ईदगाहों में शनिवार को ईद-उल-फितर की नमाज अकीदत और श्रद्धा के साथ अदा की गई। इस दौरान हजारों की तादाद में नमाजियों ने शिरकत कर देश में अमन-शांति, भाईचारा और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी।

इस अवसर पर कौमी एकता फ्रंट के अध्यक्ष वासिल अहमद खान ने सभी देशवासियों को ईद की मुबारकबाद देते हुए आपसी भाईचारे और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। नमाज मदरसा के मौलाना सिराज अहमद द्वारा अदा कराई गई। वहीं मौके पर मौलाना अनिसुर रहमान, मौलाना नेमतुल्लाह, कारी अब्दुल गनी, हाफिज उबैद राजा, हाफिज आलम, सैयद उबैदुल्लाह, मास्टर हबीब, मोहम्मद सलीम, मोहम्मद अशरफ, मोहम्मद नसरुद्दीन मुखिया, मोहम्मद जमील, कलीम हैदर, साहिल खान, लकी खान, नबील अहमद खान सहित बड़ी संख्या में नमाजी मौजूद रहे।

मेहसी में ईद-उल-फितर हर्षोल्लास के साथ संपन्न, मिर्जापुर ईदगाह में उमड़ी भारी भीड़

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मेहसी। मेहसी एवं आसपास के क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को बड़े ही हर्षोल्लास, आपसी भाईचारे और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। इस मौके पर लोगों ने एक-दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी तथा पारंपरिक रूप से गांव-गांव जाकर सेवइयां खाने की परंपरा को निभाया।मेहसी के मिर्जापुर स्थित 108 वर्ष पुरानी ईदगाह सायरा मस्जिद में नमाज के दौरान नमाजियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। स्थिति ऐसी रही कि ईदगाह परिसर छोटा पड़ गया और बड़ी संख्या में लोगों को सड़कों पर ही नमाज अदा करनी पड़ी। आसपास के करीब दो दर्जन गांवों से पहुंचे हजारों नमाजियों ने एक साथ नमाज अदा कर देश-दुनिया में अमन-चैन और भाईचारे की दुआ मांगी।मिर्जापुर ईदगाह में पहली जमात की नमाज मौलाना अमजद अली मंजरी ने अदा कराई, जबकि दूसरी जमात की नमाज कारी जर्रार ने पढ़ाई। नमाज के बाद सामूहिक दुआ में विश्व शांति और मानवता की सलामती की कामना की गई।इसके अतिरिक्त हरपुरनाग, मेन मेहसी, कोठियां, देवाजित परसौनी, ढरगावां, बथना, सराय बनवारी सहित विभिन्न स्थानों पर भी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शांतिपूर्ण ढंग से ईद की नमाज अदा की गई। इस दौरान थाना अध्यक्ष सानू गौरव के नेतृत्व में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे।इस अवसर पर हाजी गयासुद्दीन अंसारी, हाफिज इरशाद, तहसीन खान, ताजुल हक ताज, टीपू सुल्तान, इमाम हसन कुरैशी, हशमत अली अंसारी, अबुल कलाम आजाद, परिवर्तनकारी शिक्षक संघ के अध्यक्ष शाहिद रजा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।वहीं चकिया नगर परिषद क्षेत्र में भी ईद का पर्व शांति और उल्लास के साथ मनाया गया। कुआवां ईदगाह में सुबह 8:15 बजे पहली नमाज अदा की गई, जहां बड़ी संख्या में नमाजी जुटे। ईदगाह कमिटी के सचिव इशितयाक आलम द्वारा नमाजियों के लिए सेवई की व्यवस्था की गई, जिसका लोगों ने आनंद लिया।इशितयाक आलम ने कहा कि ईद खुशी और भाईचारे का संदेश देती है, लेकिन वर्तमान समय में विश्व के कई हिस्सों में अशांति चिंताजनक है। उन्होंने ईश्वर से जल्द शांति स्थापित होने की प्रार्थना की।चकिया के हरपुरकिशुनी, शेखी, जामा मस्जिद, नूरी मस्जिद, इमादपट्टी एवं कुआवां पश्चिम टोला समेत विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में भी नमाज अदा की गई। सभापति पवन सर्राफ एवं उपसभापति सुभाष यादव ने नगरवासियों को ईद की बधाई देते हुए आपसी सौहार्द बनाए रखने की अपील की।

संक्षिप्त समाचार

मायागंज का जिला परिषद अध्यक्ष ने जायजा लिया

भागलपुर। मरीज व उनके परिजनों की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद जिला परिषद अध्यक्ष विपीन कुमार मंडल ने मायागंज अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। परिजनों ने आरोप लगाया कि गंभीर मरीजों के इलाज में लापरवाही बरती जा रही है और उन्हें समुचित चिकित्सा सुविधा नहीं मिल रही है। जिप अध्यक्ष ने अस्पताल अधीक्षक डॉ. एच.पी. दुबे से मुलाकात की और समस्याओं के समाधान की मांग की। दूसरी ओर अधीक्षक ने लापरवाही के आरोपों को नकारते हुए आश्वस्त किया कि मरीजों को उपचार दिया जा रहा है।

निगरानी मामले में आरोपी शिक्षकों की जांच

भागलपुर। जिले में नियोजित शिक्षकों के प्रमाण पत्रों की जांच में तेजी आ गई है। हाईकोर्ट के निर्देश पर अब तक 5064 शिक्षकों के फोल्डर निगरानी विभाग को सौंपे जा चुके हैं। इस प्रक्रिया की समीक्षा के लिए 25 मार्च को डीईओ की अध्यक्षता में बैठक होगी। डीपीओ स्थापना ने सभी बीईओ और लेखापालों को संबंधित अभिलेखों व सीडी के साथ अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया है, ताकि दस्तावेजों का सत्यापन ससमय पूर्ण किया जा सके।

बांका को हराकर लखीसराय पांच विकेट से जीता

भागलपुर। सैंडिस कंपाउंड में बीसीए मेंस अंडर-23 वन डे ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में लखीसराय डीसीए ने बांका डीसीए को 5 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए लखीसराय ने बांका को 41.1 ओवर में 211 रनों पर समेट दिया। बांका की ओर से समीर सुराज भारती ने सर्वाधिक 90 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि राघवेंद्र प्रताप ने 44 रन बनाए। लखीसराय के गेंदबाज हिमांशु मोहन केसरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखीसराय की टीम ने 36.1 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज रवि बिनोद सिंह ने 87 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, वहीं शौर्य श्री सुमन (43) और गोपाल राजेश (36 नाबाद) ने अहम योगदान दिया। शानदार गेंदबाजी के लिए हिमांशु केसरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

रूबी बनीं सनातन बोर्ड की प्रदेश सह-कोऑर्डिनेटर

भागलपुर। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रूबी दास को सनातन बोर्ड परिषद का प्रदेश सह-कोऑर्डिनेटर (भागलपुर लोकसभा) मनोनीत किया गया है। महापौर डॉ. वसुंधरा लाल, नगर विधायक रोहित पांडेय और भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार ने उन्हें बधाई दी। साथ ही, राजकिशोर गुप्ता, नितेश सिंह, सुनीता गोस्वामी, आरती यादव, सीमा साह, आशीष पांडेय और संगीता तिवारी सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं अन्य राज्यों के शुभचिंतकों ने उन्हें उज्ज्वल कार्यकाल हेतु अपनी स्नेहमयी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

अतिक्रमणः दर्जनभर दुकानदारों पर जुर्माना

भागलपुर। नगर निगम प्रशासन ने शुक्रवार को अतिक्रमण के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क किनारे अस्थायी दुकान लगाने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई की गई। दर्जनभर से अधिक ठेला, खोमचा और दुकान के बाहर रखे सामान बेच रहे दुकानदारों को नोटिस देकर जुर्माना लगाया गया। अतिक्रमण शाखा प्रभारी जयप्रकाश यादव ने बताया कि अभियान में कुल करीब 15 हजार रुपये का जुर्माना वसूल किया गया। इसके साथ ही दुकानदारों को भविष्य में अतिक्रमण न करने की सख्त हिदायत भी दी गई।

हिमांशु के पंजे और रवि के अर्धशतक से लखीसराय जीता

भागलपुर। सैंडिस कंपाउंड में बीसीए मेंस अंडर-23 वन डे ट्रॉफी के रोमांचक मुकाबले में लखीसराय डीसीए ने बांका डीसीए को 5 विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए लखीसराय ने बांका को 41.1 ओवर में 211 रनों पर समेट दिया। बांका की ओर से समीर सुराज भारती ने सर्वाधिक 90 रनों की संघर्षपूर्ण पारी खेली, जबकि राघवेंद्र प्रताप ने 44 रन बनाए। लखीसराय के गेंदबाज हिमांशु मोहन केसरी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखीसराय की टीम ने 36.1 ओवर में 5 विकेट खोकर जीत हासिल कर ली। सलामी बल्लेबाज रवि बिनोद सिंह ने 87 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली, वहीं शौर्य श्री सुमन (43) और गोपाल राजेश (36 नाबाद) ने अहम योगदान दिया। शानदार गेंदबाजी के लिए हिमांशु केसरी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। अंपायर की भूमिका सचिन कुमार और मनोहर कुमार ने निभाई।

कृषि फीडर का काम तेज जल्द मिलेगी निर्बाध बिजली

टेटिया बंबर। प्रखंड क्षेत्र में किसानों को बेहतर और निर्बाध बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विद्युत विभाग द्वारा लोहारा-तुलसीपुर मार्ग पर कृषि फीडर का कार्य तेजी से कराया जा रहा है। अब तक घरेलू और कृषि उपभोक्ताओं के लिए एक ही 11 हजार वोल्ट की कंबाइन लाइन होने के कारण किसानों को समय पर बिजली नहीं मिल पाती थी, जिससे सिंचाई कार्य प्रभावित होता था। टेटिया बंबर विद्युत प्रशाखा के जेई रंजीत कुमार ने बताया कि कृषि फीडर को अलग करने का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस पहल के तहत खेतों तक सीधी और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है, जिससे किसानों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि अलग फीडर बनने से लोहरा बहियार सहित आसपास के क्षेत्रों के किसानों को विशेष लाभ मिलेगा।

कष्टहरणी घाट नए स्वरूप में होगा विकसित, मंदिरों का रंगरोगन होगा

मुंगेर। गंगा तट पर स्थित मुंगेर का प्राचीन कष्टहरणी घाट अब नए स्वरूप में विकसित होने जा रहा है। घाट के पुनर्निर्माण के लिए तैयार योजना में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सौंदर्य, तीनों पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। इसके साथ ही गंगा किनारे प्रस्तावित मरीन ड्राइव यानी गंगा पथ परियोजना भी इस क्षेत्र को

कनेक्टिविटी और पर्यटन के लिहाज से नई पहचान देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। करीब 3.76 करोड़ रुपये की लागत से कष्टहरणी घाट का जीर्णोद्धार किया जाएगा। पुराने ढांचे को हटाकर नए सिरे से सीढ़ीदार घाट का निर्माण होगा, जिसमें मजबूत और चौड़ी सीढ़ियां बनाई जाएंगी, ताकि लोगों को गंगा स्नान और पूजा-अर्चना में सुविधा हो। जिलाधिकारी निखिल धनराज के अनुसार, घाट के किनारों पर स्टील की रेलिंग लगाई जाएगी, जिससे भीड़ के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सके। घाट परिसर को आकर्षक बनाने के लिए रंगीन लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी, जिससे शाम के समय घाट का दृश्य और अधिक सुंदर व सुरक्षित बनेगा। महिलाओं के लिए अलग चेंजिंग रूम बनाए जाएंगे। साथ ही आसपास स्थित मंदिरों का रंग-रोगन कर पूरे क्षेत्र को सुसज्जित रूप दिया जाएगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को कष्टहरणी घाट का निरीक्षण भी किया। दूसरी ओर, गंगा किनारे बनने वाली मरीन ड्राइव (गंगा पथ) परियोजना भी क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। यह सड़क मुंगेर के साफियाबाद से सुल्तानगंज होते हुए भागलपुर के सबौर तक प्रस्तावित है। नदी के किनारे बनने वाली यह सड़क आवागमन को सुगम बनाएगी और क्षेत्रीय संपर्क को मजबूत करेगी। परियोजना के पहले चरण में लगभग 42 किलोमीटर क्षेत्र को शामिल किया गया है। निर्माण से पहले विभिन्न स्थानों पर मिट्टी की जांच की जा रही है, ताकि सड़क की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। कई स्थानों पर जांच पूरी हो चुकी है, जबकि अन्य जगहों पर प्रक्रिया जारी है। करीब 8,292.65 करोड़ रुपए की लागत वाली इस परियोजना को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में साफियाबाद से सुल्तानगंज तक और दूसरे चरण में सुल्तानगंज से सबौर तक सड़क बनेगी। चार वर्षों में इसे पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे आवागमन आसान होगा और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। कष्टहरणी घाट के विकास और मरीन ड्राइव परियोजना के पूरा होने से मुंगेर में गंगा किनारे एक नया परिवेश तैयार होगा, जिससे शहर की पहचान और मजबूत होने की उम्मीद है।

पटना डीएम के ड्राइवर की बेटी की ससुराल में मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में पटना डीएम के प्राइवेट ड्राइवर अनिल यादव की बेटी अर्पणा कुमारी (20) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। ससुराल में शव मिला है। परिजनों का आरोप है कि बेटी को ससुराल में दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता था। घटना बहादुरपुर, बरारी की है। बेगूसराय के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के बाबू राही गांव की रहने वाली अर्पणा की शादी 22 नवंबर 2024 को सोनू कुमार से हुई थी। मृतका के पिता ने जीरोमाइल थाने में पति, सास और ससुराल के अन्य सदस्यों पर दहेज हत्या और साजिश का आरोप लगाकर केस दर्ज कराया है। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बेटी को प्रताड़ित किया जा रहा थाः अपर्णा के पिता अनिल यादव ने बताया कि बेटी के ससुरालवालों ने गुरुवार रात मेरे पड़ोसी को फोन किया कि लड़की मर गई है। जब हमें रात एक बजे पता चला तो दामाद को कॉल किए, लेकिन रिसीव नहीं किया। फिर पटना से देर रात ही निकले, शुक्रवार सुबह 9 बजे भागलपुर पहुंचे। जब बेटी के ससुराल पहुंचे तो बिस्तर पर उसकी लाश पड़ी थी। ससुरालवालों ने पंखे से बेटी के दुपट्टे से लटकने की बात कही, लेकिन उसके गले पर रस्सी के निशान नहीं मिले हैं। दामाद और उनके परिजन बोल रहे थे कि जो होना था हो गया। अब लाश लेकर यहां से भागिए।

पिता ने आगे बताया, जीएन नाम का एक व्यक्ति उसमें शामिल है। इस घटना में मुख्य वही है। उसी की गाड़ी दामाद चलाता है। बेटी अपनी मां को ससुराल की कहानी बताया करती थी। वह हरिद्वार से लौट रही थी। 12 मार्च को टिकट था, वहां से 14 को ससुराल लौटी थी। उस समय कुछ नहीं बोली। इसबार वह बीए फाइनल की परीक्षा देने वाली थी। उसका पति मारपीट करता था।

पिता बोले- चेन-अंगूठी और कार के लिए मार डाला, ससुर बोले- लाश लो और निकलो

शादी में 16 लाख खर्च हुए अनिल यादव ने आगे कहा कि शादी के बाद पति-पत्नी के बीच झगड़े होते रहते थे। एक बार जब शादी के बाद लौट कर लड़की अपने मायके गई तो उसके पति और ससुराल वालों ने सोने की चेन, अंगूठी, एक चार चक्का गाड़ी की मांग की थी। उस वक्त कहा था, यह नहीं दे सकते। मेरे पास खुद ही गाड़ी नहीं है तो कहां से देंगे। सात कट्ठा जमीन बेचकर शादी की थी। बेटी की शादी में करीब 16 लाख रुपए खर्च हुए थे।

बकरी चोरी का आरोप लगाकर अधेड़ की पिटाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में बकरी चोरी के आरोप में एक अधेड़ की लोगों ने पकड़कर पिटाई कर दी है। मामला, सनोखर थाना क्षेत्र के तेलोंदा गांव का है। आरोप है कि तेलोंदा गांव निवासी कैलाश मिश्रा के घर से बकरी चोरी कर एक अधेड़ भाग रहा था। तभी ग्रामीणों ने उसका पीछा कर सनोखर के हरिजन टोला के पास पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी। घटना के बाद मौके पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। ग्रामीणों की ओर से पकड़े गए अधेड़ ने अपना नाम विजय आनंद तांती बताया और कहा कि वह सबौर थाना क्षेत्र के मीरा चौक का रहने वाला है। उसने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उसने बकरी चोरी नहीं की है, जबकि ग्रामीण उसे पीटते हुए नजर आए।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लियाः दूसरी ओर ग्रामीण नीरज ने बताया कि तेलोंदा गांव निवासी कैलाश मिश्रा के घर से यह व्यक्ति बकरी चोरी कर भाग रहा था। लोगों ने उसे देखा और पीछा कर सनोखर के हरिजन टोला के पास पकड़ लिया। उसके पास से बकरी भी बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़ रखा है और पुलिस को सूचना दे दी गई है। इधर, सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है। फिलहाल किसी ने पुलिस से लिखित शिकायत नहीं की है। थानेदार पंकज किशोर ने बताया कि " चोरी का एक मामला सामने आया है। सबौर का रहने वाला युवक बकरा खरीदने के लिए आया था। जब बकरा वाले ने नहीं बेचा, तो थोड़ी देर बाद वह लेकर जाने लगा, जिसके बाद लोगों ने उसे पकड़ लिया। पीड़ित पक्षों से आवेदन की मांग की गई है।

कस्टमर ने गैस एजेंसी पर फेका सिलेंडर, डिलीवरी नहीं मिलने पर भड़का

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मुंगेर। मुंगेर में एलपीजी गैस की समय पर डिलीवरी न मिलने से परेशान एक ग्राहक ने निखिल गैस एजेंसी के बाहर खाली सिलेंडर पटक दिया। यह घटना बेकापुर स्थित एजेंसी पर हुई, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। युवक का आरोप था कि उसने 14 मार्च को गैस बुकिंग कराई थी, लेकिन उसे अब तक सिलेंडर नहीं मिला था। इसी बात से आक्रोशित होकर उसने एजेंसी के ग्रिल पर सिलेंडर पटकना शुरू कर दिया।

आक्रोशित युवक को एजेंसी के अंदर बंद कर दियाः एजेंसी के कर्मचारियों और स्थानीय लोगों की मदद से आक्रोशित युवक को एजेंसी के अंदर बंद कर दिया गया। बाद में कोतवाली थाना पुलिस को बुलाकर उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया। एजेंसी के बाहर खड़े अन्य ग्राहकों ने भी समय पर सिलेंडर न मिलने की शिकायत की। उन्होंने बताया कि वे लंबे समय से एजेंसी के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन उन्हें गैस नहीं मिल पा रही है। ग्राहकों का कहना था कि एजेंसी वाले घर पर डिलीवरी का आश्वासन देते हैं, लेकिन मोबाइल पर डिलीवरी का मैसेज आने के बाद भी सिलेंडर घर तक नहीं पहुंचता। एजेंसी द्वारा कोई संतोषजनक जानकारी भी नहीं दी जाती है, जिससे वे काफी परेशान हैं।

गैस की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग कीः परेशान ग्राहकों ने प्रशासन से गैस की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित कराने की मांग की है। वहीं, एजेंसी के मालिक निखिल कुमार ने बताया कि दोपहर में वर्धा का एक युवक सिलेंडर लेकर आया और बिना बातचीत किए ग्रिल पर सिलेंडर पटकने लगा। हमारे स्टाफ के द्वारा जब उनसे पूछा क्या तो उन्होंने बद्दी बद्दी गलियां देना शुरू कर दिया जिसके बाद हम लोगों ने उसे पड़कर रूम में रखा और कोतवाली थाना पुलिस को बुलाकर सुपुर्द कर दिया।

बारिश के बीच नमाज अदा की गई, पूर्व विधायक अजित शर्मा ईदगाह पहुंचे

गले मिलकर दी मुबारकबाद, शहर में पुलिसबल की तैनाती

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर में बड़े ही उल्लास से ईद मनाई जा रही है। ततारपुर समेत अलग-अलग इलाकों में हल्की बारिश के बीच विशेष नमाज अदा की गई। शहर के प्रमुख ईदगाह में बच्चे और बुजुर्ग समेत हजारों लोगों ने एक साथ नमाज पढ़ी। अकीदतमंदों ने देश में अमन-चैन की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी सौहार्द का संदेश दिया। नाथनगर से आरजेडी पूर्व विधायक अली अशरफ सिद्दीकी और कांग्रेस पूर्व विधायक अजित शर्मा ईदगाह पहुंचे। गले लगकर लोगों को ईद की मुबाकरबाद दी। बुनकर संघ के अध्यक्ष जिया उल रहमान, अल्पसंख्यक कल्याण विकास परिषद के सचिव डॉ. अनवर उल हक तथा मौलाना मुफ्ती मोहम्मद जमशेद ने आपसी भाईचारे और एकता को मजबूत करने पर जोर दिया।

गिले-शिकवे भुलाकर मुबारकबाद दीः शांति समिति के सदस्य मो. तकी जावेद ने कहा कि ईद का पर्व हमें आपसी प्रेम, भाईचारे और एकता का संदेश देता है। एक महीने तक रमजान में रोजा रखने और इबादत करने के बाद ईद मनाई जाती है, जिसे अल्लाह की ओर से इनाम का दिन माना जाता है। इस दिन लोग पुराने गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के गले मिलते हैं और समाज में सद्भाव को मजबूत करते हैं।

सुरक्षा के पुख्ता इंतजामः सुरक्षा के लिहाज से प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। ईदगाह मैदान और आसपास के क्षेत्रों में चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती रही। सादे लिबास में भी पुलिसकर्मी लगातार गश्त करते दिखे। वरीय पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा-व्यवस्था का जायजा लिया। नाथनगर के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

गैस क्राइसिसः होटल-रेस्टोरेंट का मेन्यू बदला, नाश्ते और खाने की कीमत बढ़ी

खाने की थाली महंगी, पनाश में मटन बंद किया गया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना/नालंदा/गयाजी/भागलपुर। 21 दिन से अमेरिका-इजरायल और ईरान की जंग चल रही है। बम, गोले और मिसाइल 3000 km दूर दागे जा रहे, लेकिन असर बिहार के लोगों की थाली पर दिख रहा है। गैस संकट के चलते होटल और चाय-समोसे की दुकानें चलाने वालों ने नाश्ते और खाने की कीमत बढ़ा दी है। 5 रुपए में मिलने वाली कटिंग चाय अब 10 रुपए की हो गई है। 10 रुपए में बिकने वाला समोसा 15 रुपए का हो गया है। कैंटीन में पहले जो थाली 80 रुपए में मिलती थी, अब 100 से 120 रुपए की हो गई है। गैस संकट का असर बिहार के होटल इंडस्ट्री पर कितना पड़ा है। पटना के पनाश होटल से गयाजी के चाय के ठेले तक, क्या स्थिति है? होटलवालों ने क्या रणनीति अपनाई है? पढ़िए, 4 जिलों से रिपोर्ट

पटनाः गैस की कमी से बदले मेन्यू, पनाश में मटन बंदः राजधानी पटना में गैस संकट का असर होटल, रेस्टोरेंट और फूड इंडस्ट्री पर साफ दिखने लगा है। होटलों ने अपने मेन्यू बदले हैं। ऐसी डिश परोसने पर ध्यान दे रहे हैं, जिन्हें तंदूर, इंडक्शन और कोयले के चूल्हे पर पकाया जा सके। जिन होटलों में PNG (पाइप के रास्ते मिलने वाली रसोई गैस) की सुविधा है, उनमें स्थिति सामान्य बनी हुई है। कई दुकानदारों ने समोसे और लिट्टी की कीमत बढ़ा दी है। 10 रुपए में मिलने वाला समोसा अब 15 का हो गया है। सादा भोजन की जो थाली 80 रुपए में मिलती थी, अब 100 से 120 रुपए तक की हो गई है। गैस की कमी से हो रही परेशानी जानने के लिए हम पटना के पनाश होटल पहुंचे। पनाश के वीपीओ एलन क्रिस्टोफर ने बताया, 'हम गैस की कमी की स्थिति से बाहर निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। मेन्यू कम कर रहे हैं। ऐसी डिश तैयार कर रहे हैं, जिन्हें बनाने में ज्यादा गैस नहीं लगे।' उन्होंने कहा, 'पहले हमारा किचन 24 घंटे चलता था। अब रात 11 बजे तक ही खोल रहे हैं। तंदूर और इंडक्शन इस्तेमाल कर रहे हैं। खाना बनाने का ऐसा तरीका अपना रहे हैं जिसमें गैस कम लगे।'

मटन और देर तक पकने वाले खाने बंदः क्रिस्टोफर ने कहा, 'मटन बनाने में बहुत ज्यादा गैस खर्च होती है। अभी इसे तैयार करने से हमलोग परहेज कर रहे हैं। तंदूर का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। पटना डीएम ने इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के साथ मीटिंग कराई थी। इसके बाद सीमित मात्रा में गैस की सप्लाई हो रही है। इससे हम बाहर से आए गेस्ट के लिए ब्रेकफास्ट और जरूरत पड़ने पर खाना तैयार कर रहे हैं।'

बीकानेर स्वीट्स में PNG से राहतः हमने पटना के बीकानेर स्वीट्स के मैनेजर नितिन से बात की। उन्होंने कहा, 'हमारे यहां PNG कनेक्शन है। पाइप से रसोई गैस की सप्लाई जारी है। इसके चलते परेशानी नहीं है। हमने अपने फूड आइटम्स की कीमत में बदलाव नहीं किया है।' टेक अवे एक्सप्रेस के मैनेजर विवेक कुमार ने बताया, 'जहां पहले 10 सिलेंडर मिलता थे वहां अब एक ही मिल रहा। इसके चलते परेशानी है। गैस स्टॉक में होने के चलते अभी हमारे यहां मेनू नहीं बदला गया है।'

कोयले पर बना रहे खाना, साउथ इंडियन मेन्यू तक सीमितः बंजारा होटल के शेफ रोहित कुमार ने बताया, 'गैस संकट के चलते किसी तरह कोयला पर खाना बना रहे हैं। हर दिन एक ही सिलेंडर मिल रहा है। हम लोग फिलहाल साउथ इंडियन खाना ही दे पा रहे हैं। गैस संकट दूर होने पर अन्य डिश चालू करेंगे।'

विक्रमशिला पुल का एसडीओ ने किया निरीक्षण भागलपुर में कहा- फॉल्स दीवार टूटी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भागलपुर। भागलपुर स्थित विक्रमशिला पुल के नीचे एक फॉल्स (अस्थायी) दीवार गंगा नदी में गिर या। हालांकि, प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर स्थिति स्पष्ट कर दी है और पुल को पूरी तरह से सुरक्षित बताया है। आज सदर अनुमंडल पदाधिकारी विकास कुमार ने पुल निर्माण निगम के अभियंताओं की टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद उन्होंने स्पष्ट कहा कि विक्रमशिला सेतु के मुख्य ढांचे (स्ट्रक्चर) में किसी प्रकार की कोई क्षति या तकनीकी खराबी नहीं पाई गई है।

अस्थायी रूप से बनाई गई थी दीवारः एसडीओ ने बताया कि जिस दीवार के गिरने की बात सामने आई है, वह पुल का स्थायी हिस्सा नहीं थी, बल्कि निर्माण काम के दौरान बनाई गई एक अस्थायी फॉल्स दीवार थी। इस प्रकार की दीवारें नदी के तेज बहाव और पानी के दबाव को नियंत्रित करने के लिए अस्थायी रूप से बनाई जाती हैं, ताकि पुल निर्माण काम सुचारू रूप से किया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि निर्माण कार्य पूरा होने के बाद इन अस्थायी दीवारों को तोड़कर हटाया जाना था, लेकिन किसी कारणवश कुछ दीवारें उस समय नहीं हटाई जा सकीं। उन्हीं में से एक जर्जर हो चुकी दीवार अब टूटकर नदी में गिर गई है। प्रशासन की ओर से शेष बची ऐसी दीवारों को भी जल्द चिन्हित कर हटाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एसडीओ विकास कुमार ने पिछले दो दिनों से कुछ टीवी चैनलों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर चल रही खबरों को भ्रामक और निराधार बताया। उन्होंने कहा कि पुल के पाया संख्या 19 को नुकसान पहुंचने की जो बातें कही जा रही हैं,।

नई दिल्ली – हावड़ा – नई दिल्ली स्पेशल ट्रेन

नई दिल्ली और हावड़ा के बीच एक स्पेशल ट्रेन अर्थात 04052/04051 **नई दिल्ली – हावड़ा – नई दिल्ली स्पेशल** निम्नलिखित संक्षिप्त समयसूची, ठहराव, आवागमन के दिन और गठन के अनुसार एक ट्रिप के लिए चलेगी:–

नई दिल्ली– हावड़ा			(04052) (04051)	हावड़ा – नई दिल्ली		
दिन	आ.	प्र.	स्टेशन	आ.	प्र.	दिन
23.03.2026	--	**18.15**	↓ नई दिल्ली	**08.20**	--	26.03.2026
24.03.2026	17.32	17.34	जसीडीह जंक्शन	07.20	07.22	25.03.2026
	23.40	--	हावड़ा जंक्शन ↑	--	**01.40**	

उपर्युक्त स्पेशल ट्रेनें दोनों दिशाओं में मार्ग में गाजियाबाद, अलीगढ़ जंक्शन, टूण्डला जंक्शन, गोविंदपुरी, प्रयागराज जंक्शन, मिर्जापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन, बख्तियारपुर जंक्शन, किऊल जंक्शन, झाझा, मधुपुर जंक्शन, चित्तरंजन, आसनसोल जंक्शन, दुर्गापुर, बर्द्धमान एवं बैण्डेल स्टेशनों पर भी रुकेंगी। ● **आवागमन की तिथियाँ/दिन: नई दिल्ली से** –04052 दिनांक 23.03.2026 **(सोमवार)** को और **हावड़ा से**– 04051 दिनांक 25.03.2025 **(बुधवार)** को। ● **गठन:** एसी 2–टियर – 01, एसी 3–टियर – 02, शयनयान श्रेणी– 10, साधारण द्वितीय श्रेणी (जीएस) – 04 और एसएलआरडी – 02 = कुल 19 कोच; ● **कैटेगरी:** मेल/एक्सप्रेस।

मुख्य यात्री परिवहन प्रबंधक

पूर्व रेलवे

संक्षिप्त समाचार

साइबर ठगी जागरूकता कार्यक्रम में सुरक्षित व ऑनलाइन जागरूक व्यवहार अपनाने का अनुरोध

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर क्षेत्र के 114 रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) परिसर में शुक्रवार को प्रमुख आरसीडब्ल्यूए 114 आरएएफ रितु झा के नेतृत्व और संचालन में साइबर ठगी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस दौरान बल के कार्मिकों, विशेषकर महिलाओं को साइबर खतरों से अवगत कराने के साथ ही सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार के प्रति जागरूक किया गया। निरीक्षक ओमप्रकाश ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी दी। उन्होंने जालसाजी संदेश, हानिकारक सॉफ्टवेयर, हैकिंग और जालसाजी कॉल के बारे में विस्तार से बताया। प्रतिभागियों को निर्देश दिया कि अज्ञात लिंक पर क्लिक न करें और बैंक से जुड़ी गोपनीय जानकारी जैसे ओटीपी, पिन किसी के साथ साझा न करें।

दो नन्हें भाइयों ने 30 रोजे पूरा कर आस्था, समर्पण व जज्बे की पेश की मिसाल

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड के पुर्दिलगंज गांव के दो नन्हे बच्चों ने रमजान के पवित्र महीने में 30 रोजे रख अनूठी मिसाल पेश की है। नूर आलम के बेटे अल्तमश नूर (11 वर्ष) और अर्सलान नूर (9 वर्ष) ने लगातार 30 रोजे रखकर अपनी धर्म के प्रति आस्था और हौसले का परिचय दिया है। कम उम्र के बावजूद दोनों ने पूरे महीने रोजा रखने के साथ नमाज और इबादत भी पूरी लगन से की। तेज गर्मी और लंबे रोजे के बावजूद उनका उत्साह कम नहीं हुआ। बच्चों की इस उपलब्धि से परिवार और गांव में खुशी का माहौल है। पिता ने इसे गर्व का पल बताते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दुआ की है।

पूर्व सीनेटर के पुत्र के असामयिक निधन

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पूर्व सीनेटर अजय कुमार तिवारी मुनमुन के पुत्र, 13 वर्षीय आदित्य तिवारी के असामयिक निधन पर पूरे शाहाबाद एवं आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार आदित्य तिवारी पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे और गुरुवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। इतनी कम उम्र में उनका निधन परिवार सहित समाज के लिए गहरा आघात है। कुलपति डॉ शैलेंद्र कुमार चतुर्वेदी ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुःख की घड़ी में विश्वविद्यालय परिवार उनके साथ खड़ा है। आदित्य तिवारी का असमय निधन अत्यंत पीड़ादायक है और इस क्षति से पूरा समाज मर्माहत है।

कला भवन में जुटेंगे खिलाड़ी, ताइक्वांडो शिविर से युवाओं को मिलेगा नया मंच

बक्सर। जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने और युवाओं को आत्मरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से बक्सर ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा 21 और 22 मार्च को कला भवन में दो दिवसीय निःशुल्क ताइक्वांडो प्रशिक्षण शिविर और सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में जिले के बड़ी संख्या में युवाओं और खिलाड़ियों के भाग लेने की संभावना है, जिससे खेल के प्रति उत्साह और जागरूकता दोनों में वृद्धि होगी। इस कार्यक्रम के तहत स्थानीय विद्यार्थियों और युवाओं को ताइक्वांडो की बुनियादी तकनीकों से लेकर आत्मरक्षा के व्यावहारिक उपायों तक का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षकों द्वारा उन्हें विभिन्न परिस्थितियों में खुद को सुरक्षित रखने के तरीके सिखाए जाएंगे, जो आज के समय में बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। आयोजन पूरी तरह निःशुल्क रखा गया है, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चे भी इसका लाभ उठा सकें। कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण सम्मान समारोह होगा, जिसमें बिहार के उन खिलाड़ियों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा, जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर पदक हासिल किए हैं और एशियन क्वालिफायर के लिए चयनित होकर राज्य का नाम रोशन किया है। इस सम्मान से अन्य खिलाड़ियों को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। बक्सर ताइक्वांडो एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील कुमार और महासचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि इस तरह के आयोजन से न केवल खेल प्रतिभाओं को पहचान मिलती है, बल्कि समाज में फिटनेस और अनुशासन की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने मीडिया से अपील की है कि वे इस कार्यक्रम को व्यापक कवरेज दें, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में शामिल होने का शिक्षिका को मिला निमंत्रण

बक्सर। जिले के राजपुर के प्रमुख मंजू देवी एवं उप प्रमुख माजिदा खातून पर अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है।अविश्वास प्रस्ताव लाने के बाद इस पर 30 मार्च को चर्चा होना निश्चित है लेकिन इस पर चर्चा के लिए 26 पंचायत समिति सदस्यों को पत्र भेजा गया है, जिनमें वह सदस्य भी शामिल है जिन्होंने शिक्षिका बनने के बाद पंचायत समिति सदस्य पद से त्यागपत्र दे दिया है। दरअसल, बन्नी पंचायत के क्षेत्र संख्या 16 और भाग संख्या 1 की पंचायत समिति सदस्य संध्या कुमारी ने 21 मई 2025 को ही त्यागपत्र दे दिया है, लेकिन अब भी उन्हें बैठक में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। उन्हें 17 मार्च 2026 को उन्हें पत्र भेजा गया है। ऐसे में उन्हें बुलाया जाना कई तरह के सवाल पैदा करता है तथा अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करता है। इस मामले में प्रखंड विकास पदाधिकारी सिद्धार्थ कुमार से बात करने पर भी उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। उन्होंने लगभग टालने वाले लहजे में कहा कि वह मीटिंग में हैं और अभी इस मामले में कुछ बताने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा की पारदर्शिता पर भी सवाल उठ रहें हैं।

शैक्षणिक भ्रमण करेंगे छात्र-छात्राएं

गड़हनी। स्थानीय गड़हनी प्रखंड अंतर्गत मध्य विद्यालय असलान बहादुरपुर के छात्र-छात्राओं को बिहार दर्शन योजना के तहत शैक्षणिक भ्रमण के लिए पटना भेजा गया है। भ्रमण दल के बस को प्रखंड प्रमुख विनोद सिंह व विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने संयुक्त रूप से हरि झंडी दिखाकर बस को रवाना किया। वहीं प्रमुख ने कहा कि सभी छात्र - छात्राओं की यात्रा सुरक्षित, ज्ञानवर्धक और सुखद हो यही शुभकामना है। बच्चों को ऐतिहासिक व धार्मिक जगहों पर जरूर घूमना चाहिए इससे बच्चों का मानसिक व बौद्धिक विकास होता है। इस मौके पर विद्यालय समिति के सदस्य, विद्यालय के शिक्षक सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्रह्लाद की सिद्धांतनिष्ठा व गजेंद्र की शरणागति हमारे आदर्शः भारतभूषण

आरा। जगदेव नगर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा सप्ताह के चौथे दिन आज प्रवचन करते हुए श्रीमत्सनातन शक्तिपीठाध्यक्ष आचार्य डा. भारतभूषण जी महाराज ने कहा कि दैत्यराज हिरण्यकशिपु ने पूरी तरह से अधार्मिक अराजकता का सूत्रपात कर दिया था। अनीति का साम्राज्य स्थापित हो गया था तब उसके पुत्र प्रह्लाद जी ने दृढ़तापूर्वक संघर्ष किया और शास्त्रीय शासन की पुनर्प्रतिष्ठा की। प्रह्लाद जी ने बचपन से ही शास्त्रीय धर्म का आलंबन लिया। देवर्षि नारद के उपदेशों का उनके हृदय पर गहरा प्रभाव पड़ा। पिता के साथ शिष्टाचार और सौहार्द का पूर्ण पालन करते हुए उन्होंने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया जिसके परिणामस्वरूप भगवान ने नृसिंहावतार लिया और असुर-अराजक तत्त्वों का सफाया कर शास्त्रीय शासन का मार्ग प्रशस्त किया। प्रह्लाद जी भक्तों में शिरोमणि बने। आचार्य ने गजेंद्र मोक्ष की कथा कहते हुए कहा कि जीव को भवसागर में काल ही ग्राह बनकर पकड़ता है।सारे सगे-संबंधी लाचार और मूकदर्शक बन जाते हैं। उस समय एकमात्र भगवान की शरणागति और स्मृति ही हमारी नौका बनती है। आचार्य ने कहा कि ग्राह और गजेंद्र दोनों ही ने ब्राह्मण का अपराध किया था किंतु ब्राह्मण का शाप भी परम वरदान सिद्ध हो भगवत्प्राप्ति का साधन बना। दोनों की मुक्ति हुई। समुद्र मंथन, देवासुर संग्राम, वामनावतार, मत्स्यावतार, परशुरामावतार, श्रीराम ावतार व श्रीकृष्णावतार की कथायें संपन्न हुईं। अंत में नंदोत्सव का भव्य आयोजन हुआ।

मुस्लिम भाइयों ने नमाज के बाद गले मिलकर बांटी खुशियां

बक्सर में सुरक्षा के लिए प्रशासन मुस्तैद, छोटे-छोटे बच्चे भी पहुंचे जामा मस्जिद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले में ईद-उल-फितर का पर्व इस वर्ष हर्षोल्लास और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईदगाहों और मस्जिदों में नमाज अदा की। नमाज के दौरान देश में अमन-चैन, समाज की तरक्की और लोगों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए दुआएं मांगी गईं। नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान हर तरफ खुशियों और आपसी सौहार्द्र का माहौल देखने को मिला। बच्चों में ईद को लेकर विशेष उत्साह था, वे नए कपड़े पहनकर और हाथों में चूड़ियां सजाकर ईदगाह पहुंचे। नमाज के बाद घरों में सेवईं, खीर और विभिन्न प्रकार की मिठाइयां बनाई गईं।

जामा मस्जिद में नमाज अदा करने पहुंचे लोगः बक्सर नगर में अधिकतर मुस्लिम समुदाय के लोग जामा मस्जिद में नमाज अदा करने पहुंचे। इसके अतिरिक्त, अन्य मस्जिदों और ईदगाहों में भी बड़ी संख्या में नमाजियों की भीड़ देखी गई। स्थानीय नागरिक मो. एजाज के अनुसार, नगर के लगभग 75 प्रतिशत मुस्लिम जामा मस्जिद में नमाज अदा करते हैं, जबकि शेष 25 प्रतिशत अन्य मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज पढ़ते हैं। ईद के इस अवसर पर सामाजिक समरसता की मिसाल भी पेश की गई। बड़ी मस्जिद के सदस्य अल्ताफ हुसैन ने बताया कि ईद का पर्व प्रेम, सौहार्द्र और भाईचारे का संदेश देता है, जिसे बक्सर में हिंदू-मुस्लिम समुदाय मिलकर मनाते हैं। तम्मना खान ने कहा कि यह त्योहार हमें एक-दूसरे के करीब लाता है और आपसी रिश्तों को मजबूत करता है।

मस्जिदों के बाहर समाजसेवी रहे मौजूदः रिजवान खान ने भी लोगों को ईद की मुबारकबाद देते हुए इसे अमन, मोहब्बत और भाईचारे का प्रतीक बताया। मस्जिदों के बाहर नगर परिषद और नगर पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ-साथ कई समाजसेवी भी मौजूद रहे। उन्होंने लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सभी समुदायों के लोगों ने एक-दूसरे को बधाई देकर सामाजिक एकता और सद्भाव का परिचय दिया। इस दौरान त्योहार को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

ईद के जश्न के बीच लगा खामेनेई का पोस्टर, आरा में सेल्फी लेते नजर आए युवा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर जिले में हर्षोल्लास और आपसी भाईचारे के साथ ईद मनाई हई। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाज अदा करने के बाद लोग एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद देते नजर आए। शहर के अलग-अलग इलाकों में उत्सव का माहौल बना रहा। युवाओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला। शहर के गोपाली चौक घंटाघर इलाके में ईरान-अमेरिकी वार में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का पोस्टर लगाया गया। पोस्टर के सामने युवा सेल्फी लेते और गले लगाकर ईद की मुबारकबाद देते नजर आए। खामेनेई की तस्वीर वहां से गुजरने वाले लोगों के लिए चर्चा का विषय बना रहा।

डीजे की धुन पर जश्न मनाते दिखे युवाः बाजार में खरीदारी करने पहुंचे कई लोग इस पोस्टर को देखकर हैरान रह गए। इसके पीछे की मंशा को लेकर चर्चा करते दिखे। हालांकि, त्योहार के उत्साह में किसी तरह की अप्रिय स्थिति नहीं देखी गई। शहर में पूरा माहौल शांतिपूर्ण बना रहा। दूसरी ओर शहर के कुछ इलाकों में युवक डीजे की धुन पर जश्न मनाते भी नजर आए। सड़कों पर रौनक, मिठाइयों की दुकानों पर भीड़ और एक-दूसरे को बधाई देने का सिलसिला जारी है।

जिले भर में शांति का माहौलः जहां एक ओर पारंपरिक तरीके से त्योहार मनाया गया, वहीं गोपाली चौक पर लगा यह पोस्टर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। फिलहाल, प्रशासन की ओर से कोई ऑफिसियल बयान सामने नहीं आया है। जिले भर में त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाया जा रहा है।

2 बाइकों की आपस में टक्कर हादसे में 4 युवक घायल

गंभीर हालत में 1 पटना रेफर, बाजार जाते समय हुआ हादसा

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा-अरवल मार्ग पर शुक्रवार देर शाम 2 बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में 4 लोग घायल हो गए। इलाज के लिए सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। प्राथमिक उपचार के बाद एक युवक को डॉक्टरों ने पटना रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार घायलों में उदवंतनगर के भगवतीपुर निवासी विजेंद्र सिंह के पुत्र मनीष कुमार(17) और श्याम देव सिंह के पुत्र मिथलेश कुमार(24) शामिल है। 2 अन्य की पहचान नहीं हुई है। घटना पवना थाना क्षेत्र के पवना बाजार की है।

बाजार जाते समय हुआ हादसाः मिथिलेश के परिजन ने बताया कि अपने दोस्त मनीष कुमार के साथ बाइक से गड़हनी बाजार जा रहा था।

रास्ते में दूसरी बाइक से टक्कर हो गई। मिथिलेश की हालत गंभीर है, इलाज के लिए पटना भेजा गया है। दूसरी बाइक पर सवार 2 युवकों को हल्की चोट है।

बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश, सरगना समेत 5 बदमाश गिरफ्तार, पांच बाइक बरामद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। आरा के टाउन थाना पुलिस को एक बार फिर बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने शहर में सक्रिय संगठित बाइक चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया है। चोरी की पांच बाइक भी बरामद की गई है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि गिरोह के सदस्य चोरी की बाइकों को मात्र पांच से छह हजार रुपए में बेच देते थे, जिनका इस्तेमाल आपराधिक गतिविधियों में किया जाता था। सदर एएसपी राजकुमार साह ने पूरे मामले का खुलासा किया। गिरफ्तार बदमाशों में धोबहां के शुकुलपुरा निवासी सोनू शुक्ला उर्फ मृत्युंजय, गीधा थाना के बीरमपुर निवासी पिंटू कुमार, महेंद्र कुमार उर्फ मैना यादव, मोतीलाल पासवान और सोनघट्टा निवासी श्याम बाबू राय उर्फ लालू राय शामिल है। पुलिस के अनुसार सोनू शुक्ला इस गिरोह का मुख्य सरगना है, जबकि पिंटू कुमार और मैना यादव चोरी की बाइक को बेचने का काम करते थे।

कोर्ट परिसर से बाइक हुई थी चोरीः एएसपी राजकुमार साह ने बताया कि दो बाइक टाउन थाना क्षेत्र, एक पालीगंज और एक बिहिया थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। जबकि एक अन्य बाइक का सत्यापन कराया जा रहा है। इसके अलावा 17 मार्च 2026 को आरा सिविल कोर्ट परिसर से न्यायालय कर्मी पदम पराग सिंधु की चोरी हुई पल्सर बाइक भी पुलिस ने बरामद कर ली है। बाइक चोरी की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए इंस्पेक्टर देवराज राय के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम ने छापेमारी कर गिरोह के सदस्यों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया और उनकी निशानदेही पर बीरमपुर-सोनघट्टा से बाइक बरामद की गई।

अवैध संबंध में युवक की हत्या, घर के बाहर अपराधियों ने आंख में मारी गोली, पड़ोसी पर आरोप

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

आरा। भोजपुर में हथियारबंद अपराधियों ने गोली मारकर युवक की हत्या कर दी। बुलेट दाहिनी आंख में लगी। अवैध संबंध में वारदात को अंजाम दिया गया है। मृतक की पहचान ज्ञानपुर गांव के रवि कुमार(24) के तौर पर हुई है। घटना गीधा थाना क्षेत्र की है। मृतक के बड़े भाई रामाकांत ने बताया कि दोपहर के समय घर के बाहर बैठा हुआ था। इस बीच पड़ोसी सरोज कुमार अपने कुछ साथियों के साथ वहां पहुंचा और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। इसी दौरान एक गोली रवि की आंख में जा लगी। इसके बाद सभी हथियार लहराते हुए भाग निकले। परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

भाई ने बताया- सरोज अपनी पत्नी के चरित्र को लेकर अक्सर विवाद करता था। गांव में अन्य युवकों से भी उसका चक्कर चलता रहा है। रवि पर झूठा आरोप लगाकर उसे पहले भी जान से मारने की धमकी दे चुका था। सरोज के पास इन आरोपों का कोई ठोस प्रमाण नहीं है।

थाने में महिला से पूछताछः वहीं, इस संबंध में पुलिस अधीक्षक राज ने बताया कि प्रारंभिक जांच में अवैध संबंध का मामला सामने आ रहा है। बताया जा रहा है कि एक शादीशुदा महिला से रवि का संपर्क था, जिसका आरोपी सरोज विरोध करता था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी की पत्नी को हिरासत में लिया गया है। पूछताछ के दौरान महिला ने उसका पति उसके साथ मारपीट करता था।

आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारीः रवि कुमार अपने परिवार का भरण-पोषण ट्रैक्टर चलाकर करता था। वह तीन भाइयों और एक बहन में तीसरे नंबर पर था। उसकी असामयिक मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया है। पुलिस मामले की गहन जांच में जुटी है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पी.एच.सी गेट पर महिला ने दिया बच्चे को जन्म भर्ती होने के घंटों बाद तक नहीं पहुंचे डॉक्टर

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर जिले के चक्की प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है। समय पर इलाज न मिलने के कारण एक गर्भवती महिला ने अस्पताल के मुख्य गेट पर ही बच्चे को जन्म दिया। इस घटना ने सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं की हकीकत पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रसव पीड़ा से जूझ रही महिला अपने पति के साथ चक्की पीएचसी पहुंची थी। उसे अस्पताल में भर्ती तो कर लिया गया, लेकिन घंटों तक न तो कोई डॉक्टर और न ही कोई नर्स उसे देखने आई। महिला दर्द से तड़पती रही और स्वास्थ्यकर्मियों की ओर से उदासीनता बरती गई। जब महिला की हालत गंभीर होने लगी, तो परिजन उसे लेकर अस्पताल के मुख्य गेट पर आ गए। वहां मौजूद अन्य महिलाओं की मदद से गेट पर ही प्रसव कराया गया। महिला ने एक बच्चे को जन्म दिया। राहत की बात यह है कि जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

'रन फॉर फिट' में दौड़ेगा बक्सर, बिहार दिवस पर मैराथन पूरे दिन चलेंगे शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेल कार्यक्रम

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर में बिहार दिवस को लेकर उत्साह है। कला एवं संस्कृति विभाग, बिहार तथा जिला प्रशासन बक्सर के संयुक्त तत्वावधान में 22 मार्च को विभिन्न आकर्षक और प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जिले के विभिन्न हिस्सों में शैक्षणिक, सांस्कृतिक और खेलकूद से जुड़े कार्यक्रमों के जरिए बिहार की समृद्ध विरासत और गौरव के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

अनुमंडल स्तर पर आयोजित होंगी क्विज कॉम्पिटिशनः कार्यक्रमों की शुरुआत अनुमंडल स्तर पर आयोजित क्विज प्रतियोगिता से होगी। इसका आयोजन जिला शिक्षा कार्यालय बक्सर द्वारा किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता में स्कूली छात्र-छात्राएं बिहार के इतिहास, संस्कृति, भूगोल और समसामयिक विषयों से जुड़े अपने ज्ञान का प्रदर्शन करेंगे। यह प्रतियोगिता छात्रों में प्रतिस्पर्धा की भावना और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच साबित होगी। इसके बाद सुबह 7:00 बजे से "रन फॉर फिट" के तहत मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह दौड़ 11 नंबर लख बड़ी नहर से शुरू होकर सोंधीला पुल तक लगभग 3 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को फिटनेस के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। इसमें युवाओं के साथ-साथ आम नागरिकों की भी भागीदारी रहने की संभावना है।

उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगाः दोपहर बाद 4:00 बजे से नगर भवन बक्सर में मुख्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। इसके बाद केक कटिंग, बिहार गौरव गान तथा जिले के उत्कृष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया जाएगा। यह समारोह बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सम्मान देने और स्थानीय प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। कुल मिलाकर, बिहार दिवस 2026 के इस आयोजन के माध्यम से बक्सर में सांस्कृतिक चेतना, सामाजिक एकता और राज्य के प्रति गर्व की भावना को और अधिक सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने आमजन से इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है, ताकि इस पर्व को यादगार बनाया जा सके।

साइबर गिरोह का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार ठगी की राशि का बैंक खातों से होता था लेनदेन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बक्सर। बक्सर पुलिस ने एक संगठित साइबर अपराध गिरोह का पर्दाफाश किया है। इस कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जो बैंक खातों के माध्यम से ठगी की गई राशि का लेनदेन करता था। यह गिरफ्तारी 20 मार्च 2026 को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित एक विशेष टीम द्वारा की गई। पुलिस अधीक्षक कार्यालय द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 2 मार्च 2026 को साइबर पुलिस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के विश्लेषण से यह जानकारी मिली। इसमें सामने आया कि उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुछ खातों से जुड़े मामलों में बिहार सहित अन्य राज्यों में साइबर धोखाधड़ी की घटनाएं दर्ज थीं। जांच में पता चला कि ये खाते बक्सर जिले के सोवा गांव से संबंधित अलग-अलग खाताधारकों के नाम पर खोले गए थे। इन खातों का उपयोग अवैध लेनदेन के लिए किया जा रहा था और इनके माध्यम से लाखों रुपये की निकासी की पुष्टि हुई है।

19 मार्च को साइबर थाने में केस हुआ दर्जः इस मामले में साइबर थाना कांड संख्या 16/26, दिनांक 19 मार्च 2026 को दर्ज किया गया। इसके बाद गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सोवा गांव निवासी रंजीत कुमार (पिता-हरिशंकर यादव) को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने स्वीकार किया कि वह अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर साइबर फ्रॉड करता था और ठगी की राशि का लेनदेन बैंक खातों के माध्यम से करता था।

आरोपी के पास से महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामदः पुलिस ने आरोपी के पास से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य भी बरामद किए हैं। इनमें एक मोबाइल फोन, एक क्यूआर कोड मशीन, एक बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट मशीन, दो डेबिट कार्ड, एक माइन डायमंड लिमिटेड कार्ड, एक चेक और क्यूआर कोड की छायाप्रति शामिल है। पुलिस ने बताया कि गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। इस कार्रवाई में साइबर थाना बक्सर की टीम के कई अधिकारियों और पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

साइबर अपराध के खिलाफ अभियान रहेगा जारीः पुलिस अधीक्षक ने टीम की सराहना करते हुए कहा कि साइबर अपराध के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि किसी भी साइबर धोखाधड़ी की सूचना तुरंत हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

ऑरी की गेंदबाजी पर ईशान किशन नहीं खेल पाए शॉर्ट, मैच प्रैक्टिस करते वीडियो किया शेयर

पटना। 28 मार्च से आईपीएल 2026 की शुरुआत हो रही है। इसमें बिहार के कई खिलाड़ी नजर आने वाले हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान ईशान किशन अपने मैच के लिए जमकर प्रैक्टिस कर रहे हैं। इस बीच उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वे सेलिब्रिटी ऑरी के साथ क्रिकेट के लिए प्रैक्टिस करते हुए नजर आ रहे हैं। वह बैटिंग कर रहे हैं और ऑरी गेंदबाजी कर रहे हैं। ऑरी ऐसा बॉल फेंकते हैं कि ईशान शॉट नहीं मार पाते हैं। इस बीच एक शख्स जाकर उनके कानों में कुछ कहता है, जिसके बाद वह एक शानदार शॉट मारते हैं और ऑरी अपना सर पकड़कर बैठ जाते हैं। इससे पहले ऑरी ने ईशान किशन के साथ एक फनी रील शेयर की थी। इसे शेयर करते हुए ऑरी ने कैप्शन में लिखा- 'वर्ल्ड कप चैंपियन है तो फ्री में फोटो लेगा।' ईशान ने भी कमेंट में लिखा है 'नो'। दरअसल, इस वीडियो में ईशान किशन गेंद को हाथ में पकड़े नजर आ रहे हैं। ऑरी उनसे रिक्वेस्ट करते हुए कहते हैं 'एक्सक्यूज मी, जब मैं आपके साइड से गुजरूं तो क्या आप मुझसे फोटो मांग सकते है।' ईशान किशन बोलते हैं- क्यों नहीं। जब ऑरी वीडियो बनाते हुए जाते हैं, तो क्रिकेटर उनसे फोटो मांगते हैं, लेकिन ऑरी मना कर देते हैं।

ईद को लेकर मस्जिदों के पास पुलिस तैनात, पेट्रोलिंग टीम, क्विक रिस्पांस टीम और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां एक्टिव

हाजीपुर। वैशाली पुलिस ने ईद-उल-फितर पर्व के शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। जिले की सभी मस्जिदों, ईदगाहों और अन्य नमाज स्थलों पर पर्याप्त संख्या में सशस्त्र पुलिस बल, महिला पुलिस बल और दंडाधिकारियों को तैनात किया गया है। तैनात सभी पुलिस अधिकारी और कर्मी अपने-अपने निर्धारित स्थलों पर पूरी मुस्तैदी, सतर्कता और अनुशासन के साथ ड्यूटी कर रहे हैं। संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थानों की पहचान कर वहां अतिरिक्त बल तैनात किया गया है, जहां लगातार निगरानी रखी जा रही है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले में गश्ती दल, क्विक रिस्पांस टीम (QRT) और मोबाइल पेट्रोलिंग पार्टियां सक्रिय हैं। सीसीटीवी कैमरों और अन्य तकनीकी माध्यमों से भी निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई हो सके। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी लगातार क्षेत्र का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं और तैनात दंडाधिकारियों व पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। नियंत्रण कक्ष (कंट्रोल रूम) भी सक्रिय है, जहां से पूरे जिले की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को रौंदा, मां की मौत, बेटी गंभीर घायल, पीएमसीएच रेफर, ड्राइवर मौके से भागा

हाजीपुर। हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के रामाशीष चौक के पास एक अनियंत्रित ट्रक ने स्कूटी सवार मां-बेटी को कुचल दिया। इस हादसे में मां की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बेटी गंभीर रूप से घायल हो गई। मृतक महिला की पहचान सदर थाना क्षेत्र के धोवघटी निवासी गंगासागर राय की पत्नी फूलन देवी के रूप में हुई है। हादसे में घायल उनकी बेटी तन्नू कुमारी को सदर अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर यातायात थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है। जानकारी के अनुसार, मां और बेटी स्कूटी पर सवार होकर किसी काम से हाजीपुर आ रही थीं। रामाशीष चौक के निकट पहुंचते ही एक तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही राहगीर और आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। यातायात थाने की पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मां-बेटी को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। मृतक के परिजनों ने बताया कि वे किसी काम से हाजीपुर जा रही थीं। घटना की जानकारी परिजनों द्वारा स्थानीय थाने को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने सदर अस्पताल पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

मोकामा टाल में बिजली गिरने से 8 घायल, फसल कटाई में ट्रैक्टर पर हुआ हादसा, सभी घर लौट रहे थे

पटना। मोकामा टाल में वज्रपात से आठ मजदूर घायल हो गए। यह घटना घोसवरी थाना क्षेत्र के बबूराही टाल में हुई। सभी घायलों को मोकामा रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह हादसा फसल कटाई के दौरान हुआ। मौसम अचानक खराब होने लगा, जिसके बाद मजदूर ट्रैक्टर से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रैक्टर पर वज्रपात हो गया, जिससे उस पर सवार सभी मजदूर घायल हो गए। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्हें तुरंत किसान द्वारा मोकामा ट्रामा सेंटर लाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, सभी घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है और उनका उपचार जारी है। ये मजदूर बिहार के विभिन्न जिलों जैसे मधेपुरा, खगड़िया और सहरसा से मोकामा टाल में फसल काटने आते हैं। वे हर साल लगभग एक महीने तक यहां रहकर फसल कटाई का काम करते हैं और फिर अपने गृह जिलों को लौट जाते हैं। घायल ने बताया कि फसल काटने के बाद वह ट्रैक्टर पर फसल लोड कर रस्सा से बांध रहे थे। इसी दौरान अचानक बारिश होने लगी। आनन-फानन में सभी मजदूर रस्सा बांधकर ट्रैक्टर पर सवार हो गए। अचानक ट्रैक्टर पर बिजली गिरी, जिससे कुछ लोग बेहोश हो गए। टेलर पर रखी फसल में आग लग गई, मजदूरों को होश आने के बाद आग को बुझाया गया।

चैती छठ 22 मार्च से, पटना के 49 घाट तैयार

पटना। चैती छठ की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है। इसे लेकर पटना के घाटों को तैयार किया जा रहा है। राजधानी के 49 घाटों पर इस बार श्रद्धालु अर्घ्य देंगे। पटना नगर निगम द्वारा पटना के घाटों पर तैयारियां की जा रही है, लेकिन कई घाटों पर श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। दीघा घाट के पास बैरिकेडिंग कर वॉच टावर लगाने की प्रक्रिया चल रही है। लेकिन घाट किनारे जमीन पर गिट्टी, ईंट, पत्थर बिखरे हुए हैं, जो श्रद्धालुओं के पैरों में चुभ सकते हैं।

कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए 2 किलोमीटर पैदल चलना होगा: कलेक्ट्रेट घाट पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 2 किलोमीटर पैदल चलना होगा। बांकीपुर क्लब के सामने से पैदल चल कर कलेक्ट्रेट घाट पर पहुंच सकते हैं। अंटा घाट और पीएमसीएच के बगल से गंगा पथ के रास्ते भी इस घाट तक पहुंचा जा सकता है। संपर्क पथ का काम अंतिम दौर में है। एक किमी से अधिक चौड़ाई वाले इस घाट को पीले और सफेद कपड़े से घेरा गया है। दरभंगा हाउस काली घाट, पटना कॉलेज घाट, कदम घाट, कृष्णा घाट और उससे आगे रानी घाट से लेकर गायघाट तक पक्का घाट से ही व्रती अर्घ्य दे सकेंगे। गंगा का पानी किनारे तक पहुंचने से व्रतियों को पैदल नहीं चलना पड़ेगा।

3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग बनाया गया: पटना नगर निगम द्वारा सभी गंगा घाटों और तालाबों की सफाई की जा रही है। रंग-रोगन, मरम्मत और समतलीकरण किया जा रहा है। सभी हाई-मास्ट लाइटों को 21 मार्च तक हर हाल में दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। 'ओपन वायर' की जांच कर उन्हें ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। सभी घाटों पर 3 लेवल बैरिकेडिंग और रेलिंग का निर्माण किया जा रहा है।

गंदगी या लापरवाही पर होगी कार्रवाई: घाटों के 1 किलोमीटर दायरे में गंदगी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उल्लंघन की स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित होगी। सड़कों और ओवरब्रिज की धुलाई के लिए जेटिंग मशीनों की तैनाती की जाएगी। निगम प्रशासन ने अंचलवार अधिकारियों की तैनाती कर दैनिक मॉनिटरिंग करने का निर्देश दिया है।

खतरनाक घाटों को पूरी तरह सील कर प्रवेश पर रोक है। साइनबोर्ड, बैनर और फ्लैक्स लगाए गए हैं, ताकि खतरनाक घाटों की पहचान हो सके। चैती छठ में जिला प्रशासन ने 8 घाटों को खतरनाक घोषित किया है।

ज्ञान भवन में राष्ट्रीय नर्सरी एवं ग्रीन-टेक सम्मेलन 2026 का शुभारंभ, 23 मार्च तक चलेगा आयोजन

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। शहर के ज्ञान भवन में शनिवार को तीन दिवसीय राष्ट्रीय नर्सरी एवं ग्रीन-टेक सम्मेलन 2026 का शुभारंभ हुआ। यह आयोजन 23 मार्च तक चलेगा। कृषि विभाग के उद्यान निदेशालय द्वारा बागवानी क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। "परंपरा से प्रगति तक" थीम पर आधारित यह बिहार का बागवानी क्षेत्र में पहला राष्ट्रीय स्तर का आयोजन है। उद्घाटन समारोह में विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार ने कहा कि आज बिहार के किसान पहले की तुलना में अधिक खुशहाल हो रहे हैं और उनकी आय में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि किसान यदि पारंपरिक खेती के साथ पशुपालन और बागवानी को अपनाते हैं तो उनकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होती है। इस तरह के आयोजन बागवानी क्षेत्र के विकास को गति देंगे और किसानों की आमदनी बढ़ाने में सहायक साबित होंगे।

उन्होंने कहा कि बिहार के कृषि उत्पाद अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। कृषि, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के विकास से ग्रामीण क्षेत्रों में ही रोजगार के अवसर बढ़े हैं, जिससे पलायन में कमी आई है। कृषि मंत्री रामकृपाल यादव ने कहा कि नर्सरी और हरित तकनीक के क्षेत्र में बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है। खेती में आधुनिक मशीनों और तकनीकों का उपयोग बढ़ा है, जिससे उत्पादन और आय दोनों में सुधार हुआ है। उन्होंने किसानों और युवाओं से इस क्षेत्र में उपलब्ध नए अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया।

बिहार राज्य किसान आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण मेहता ने कहा कि बिहार एक कृषि प्रधान राज्य है, जहां परंपरागत खेती की मजबूत नींव है। अब आधुनिक तकनीक के समावेश से कृषि और बागवानी का तेजी से विकास हो रहा है। कृषि विभाग के प्रधान सचिव नर्मदेश्वर लाल ने कहा कि बिहार में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है, जिसमें कृषि, बागवानी और तकनीक के बीच समन्वय स्थापित करने का प्रयास किया जा रहा है। इससे किसानों को आधुनिक बागवानी तकनीकों से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

पूर्व मुख्य सचिव और बिहार संग्रहालय के महानिदेशक अंजनी कुमार सिंह ने कहा कि इस सम्मेलन के माध्यम से किसानों को बागवानी क्षेत्र में हो रहे नवाचारों से रूबरू होने का अवसर मिलेगा। उद्यान निदेशक अभिषेक कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन में देशभर के प्रमुख नर्सरी संचालक, उत्पादक, कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिक, उद्यान महाविद्यालयों के विशेषज्ञ तथा बिहार के किसान और व्यवसायी एक मंच पर एकत्रित होकर अपने अनुभव और नवाचार साझा करेंगे। कुल मिलाकर, यह सम्मेलन बागवानी क्षेत्र में आधुनिक तकनीक के प्रसार, नवाचार को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि के लिए एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

पटना जंक्शन के पास संदिग्ध हालात में अज्ञात व्यक्ति की मौत, जांच जारी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना जंक्शन से सटे करबिगहिया इलाके में शनिवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार वह चलते-चलते अचानक गिर पड़ा, कुछ देर तक तड़पता रहा और फिर मौके पर ही दम तोड़ दिया। सुबह करीब 6:45 बजे जक्कनपुर थाना को घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। घटना स्थल को सुरक्षित कर विधि विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) की टीम से जांच कराई गई है।

घटना से जुड़े सीसीटीवी फुटेज में देखा गया कि व्यक्ति रेलवे अस्पताल पटना की ओर से पैदल आ रहा था। करबिगहिया के पास वह बैठ गया और कुछ ही देर में तड़पने लगा। इसके बाद वह अचेत होकर गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई। उसे इस हालत में देखकर एक राहगीर ने स्टेशन काउंटर पर सूचना दी, जिसके बाद मामला रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) तक पहुंचा। आरपीएफ के जवान और चिकित्सकीय टीम तुरंत मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी। मृतक के पास से किसी प्रकार का पहचान पत्र या दस्तावेज नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है, जिससे घटना की सच्चाई सामने आ सके। जक्कनपुर थानाध्यक्ष ऋतुराज कुमार सिंह ने बताया कि राहगीर द्वारा तबीयत बिगड़ने की सूचना दी गई थी। मामले में यूडी (अप्राकृतिक मौत) का केस दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए पीएमसीएच भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल सभी पहलुओं से जांच जारी है।

बिहटा के सदिसोपुर में शांतिपूर्ण माहौल में मनी ईद, दिखा भाईचारे का संदेश

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिहटा। प्रखंड के सदिसोपुर जामा मस्जिद सहित पूरे क्षेत्र में ईद का पर्व शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। सदिसोपुर पंचायत के समसारा और सदिसोपुर स्थित मस्जिदों में नमाज अदा करने के लिए मुस्लिम समुदाय के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। निर्धारित समय पर नमाज की प्रक्रिया पूरी शांति और अनुशासन के साथ संपन्न हुई।

नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की बधाई दी और आपसी भाईचारे का संदेश दिया। छोटे-बड़े सभी में पर्व को लेकर उत्साह देखने को मिला। खासकर बच्चों में ईद को लेकर विशेष खुशी नजर आई, जो नए कपड़ों में सजे-धजे नजर आए। ईद को लेकर स्थानीय प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे, जिससे पूरा इलाका शांतिपूर्ण और सुरक्षित बना रहा।

इस अवसर पर सदिसोपुर क्षेत्र में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकता की मिसाल देखने को मिली। स्थानीय पुलिस प्रशासन के अधिकारी भी मुस्लिम समुदाय के लोगों से मिलते-जुलते और ईद की बधाई देते नजर आए। मौके पर एएसआई दिवाकर कुमार मिश्र, एएसआई रविंद्र सिंह यादव और एएसआई प्रकाश कुमार उपस्थित रहे। कुल मिलाकर, सदिसोपुर में ईद का यह पर्व आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकता का संदेश देते हुए हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

ईद की नमाज के साथ गूंजा अमन-चैन का पैगाम, गले मिलकर दी मुबारकबाद

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

मसौढ़ी! अनुमंडल में शनिवार को ईद-उल-फितर का पर्व पूरे उल्लास और भाईचारे के माहौल में मनाया गया।शुक्रवार को चांद नजर आने के बाद शनिवार सुबह से ही ईदगाहों और मस्जिदों की ओर नमाजियों का रुख शुरू हो गया। सुबह 7:30 बजे से नमाज का सिलसिला शुरू हुआ, जबकि बड़ी ईदगाह में सुबह 9:30 बजे मुख्य नमाज अदा की गई।नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने देश और प्रदेश में अमन-चैन, तरक्की और खुशहाली की सामूहिक दुआ मांगी। इसके बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की बधाई दी और बच्चों को ईदी देकर खुशियां साझा कीं।मसौढ़ी के गांधी मैदान में सामूहिक ईद की नमाज शहर अदा की गई.वही पुरानी बाजार मस्जिद मालिकाना मस्जिद तारेगना कैलुचक सहित पुनपुन एवं धनरूआ में भी मस्जिद में नमाज अदा की गई, जहां सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग पहुंचने लगे थे। गांधी मैदान में इमाम ने नमाज अदा कराते हुए भाईचारे, इंसानियत और जरूरतमंदों की मदद करने का संदेश दिया।नमाज के बाद तकरीर में रमजान के दौरान किए गए रोजों और इबादत की अहमियत बताते हुए सालभर नेक राह पर चलने की सीख दी गई।ईद के मौके पर शहर के मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में मेले जैसा माहौल देखने को मिला। बच्चे नए कपड़े पहनकर झूले का आनंद लेते नजर आए,वहीं चाट, मिठाई और आइसक्रीम के ठेलों पर भी दिनभर भीड़ बनी रही।बाजारों में खिलौनों की दुकानों पर बच्चों की खासा उत्साह देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चों ने बड़ों से ईदी लेकर अपनी पसंद की चीजें खरीदीं और त्योहार की खुशियां मनाईं।ईद-उल-फितर को खुशियां बांटने और दान करने का पर्व माना जाता है। रमजान के पूरे महीने रोजा रखने के बाद यह त्योहार आता है, जो संयम, इबादत और इंसानियत का संदेश देता है। इस दिन लोग अपनी हैसियत के अनुसार जरूरतमंदों को जकात और फितरा देते हैं, ताकि हर कोई त्योहार की खुशी में शामिल हो सके। त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन की ओर से भी विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के साथ साफ-सफाई और पानी की व्यवस्था की गई, जिससे नमाजियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। पूरे दिन शहर में भाईचारे और सौहार्द का माहौल बना रहा और हर तरफ ईद की खुशियां नजर आईं।

नीट छात्रा मौत केस, सीबीआई ने मामा से की पूछताछ

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

पटना। पटना के शंभू गर्ल्स हॉस्टल में छात्रा की संदिग्ध हालत में मौत की गुत्थी अभी तक सुलझी नहीं है। मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। POCSO कोर्ट की फटकार के बाद एजेंसी ने केस के जांच अधिकारी (IO) को बदल दिया है। इसी क्रम में शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे CBI ने छात्रा के मामा को पूछताछ के लिए बुलाया। पटना स्थित सीबीआई कार्यालय में उनसे पूछताछ की गई। बताया गया है कि नए जांच अधिकारी डीएसपी विभा कुमारी ने ही मामा को पूछताछ के लिए बुलाया है।

वही, प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल के संचालक डॉक्टर सतीश को सीबीआई कार्यालय बुलाया गया, जहां करीब आधे घंटे तक डॉ सतीश से पूछताछ की गई है। सीबीआई ने 12 फरवरी को यह मामला अपने हाथ में लिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है। इस बीच पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडेय ने POCSO कोर्ट में शिकायत और मुआवजे के लिए आवेदन दाखिल किया है। इस मामले में अगली सुनवाई 23 मार्च को निर्धारित है।

मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किए: सीबीआई के जांच अधिकारी ने छात्रा के मामा से लगभग 1 घंटे में 25 सवाल किए। मामा ने बताया कि, 'CBI भी मामले की लीपापोती कर रही है। जांच अधिकारी बदले जा रहे, लेकिन किसी भी तथ्यों की जांच सही दिशा में नहीं की जा रही।'

केवल पीड़ित परिवार से पूछताछ, दोषियों से क्यों नहीं- वकील: पीड़ित पक्ष के वकील एसके पांडे ने बताया कि, मामले की निष्पक्ष जांच नहीं की जा रही है। जांच के नाम पर पीड़ित परिवार को परेशान किया जा रहा है, उन्हें टॉर्चर किया जा रहा है। पीड़ित परिवार पर दबाव बनाया जा रहा है कि मान लीजिए यह आत्महत्या है।' उनका कहना है कि, 'इंसाफ और सत्य की लड़ाई अब आर पार लड़ी जाएगी। बेटियों के समक्ष लड़ी जाएगी। एसके पांडे ने बताया कि, 'सीबीआई के जांच अधिकारी भले ही चेंज हो गए हों, लेकिन जांच के नाम पर लीपापोती की जा रही है। नए जांच अधिकारी से उम्मीद है कि वह सही तथ्यों और सही दिशा में कम करें।'

CBI टीम का परिजनों ने किया विरोध: CBI से इस मामले की IO बनने के बाद डीएसपी विभा कुमारी अपनी टीम के साथ छात्रा के घर जहानाबाद पहुंची थीं। वहां परिजनों और ग्रामीणों ने सीबीआई टीम का विरोध किया। उनका कहना था कि सीबीआई तीन-चार बार पूछताछ कर चुकी है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पूछताछ के दौरान छात्रा की मां की तबीयत बिगड़ जाती है और वे बेहोश हो जाती हैं। लगातार बदलते हालात और धीमी जांच प्रक्रिया से इस हाई-प्रोफाइल मामले में सीबीआई की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। परिजन न्याय की मांग पर अड़े हैं और आगामी सुनवाई से उम्मीदें लगाए बैठे हैं। सीबीआई के वकील ने जब केस टेकओवर कर पटना में दर्ज किया, तो प्राथमिकी में पॉक्सो एक्ट नहीं जोड़ा गया, बल्कि हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया गया। इसी कारण पॉक्सो कोर्ट ने सीबीआई को फटकार लगाई। जेल में बंद मनीष कुमार रंजन को सीबीआई ने रिमांड पर लेकर पूछताछ नहीं की।

पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन ने 16 उत्कृष्ट महिला रेलकर्मियों को किया सम्मानित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

हाजीपुर/पटना। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2026 के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पटना के दीघा स्थित पाटलिपुत्र रेल परिसर के अधिकारी क्लब में आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में महिला रेलकर्मियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनीता सिंह ने की। उन्होंने अपने संबोधन में महिलाओं के उत्थान, कार्य और पारिवारिक जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने तथा आत्मनिर्भर बनने पर जोर दिया। उन्होंने महिला कर्मियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के दौरान संगठन की सदस्या श्रुति पांडे ने महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं और उनके समाधान पर विस्तार से जानकारी दी। वहीं सदस्या वंदना कुमार ने अपनी कविता के माध्यम से कार्यक्रम में ऊर्जा का संचार किया। कोषाध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव ने अपने मधुर गायन से उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर सुरक्षा विभाग, हाजीपुर द्वारा साइबर सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं और उससे बचाव के उपायों के प्रति रेलकर्मियों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पूरे जोन से चयनित 16 उत्कृष्ट महिला रेलकर्मियों का सम्मान रहा। सभी को प्रशस्ति पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही हाजीपुर की एकाउंटेंट निशी कुमारी को नई दिल्ली में आरडब्ल्यूसीसीओ द्वारा सम्मानित किए जाने पर विशेष पुरस्कार देकर गौरवान्वित किया गया।

इस मौके पर संगठन की उपाध्यक्ष रंजना कुमार, सचिव मनीषा सिन्हा, संयुक्त सचिव प्रियंका सिंह सहित कार्यकारिणी की अन्य सदस्याएं भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के माध्यम से महिला सशक्तिकरण और जागरूकता का संदेश प्रभावी रूप से प्रसारित किया गया।

रांची में अकीदत और उत्साह के साथ मनाई गई ईद-उल-फितर, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

एजेंसी। रांची

माह-ए-रमजान के 30 पाक रोजों के बाद देश के अन्य हिस्सों की तरह झारखंड में भी शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया। राजधानी रांची में विभिन्न मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर ईद की नमाज अदा की गई। शहर के प्रमुख ईदगाहों में से एक हरमू ईदगाह और उसके आसपास हरमू बाईपास रोड पर बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने नमाज अदा की। सुबह से ही पारंपरिक परिधानों में सजे लोग नमाज के लिए जुटने लगे थे। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और भाईचारे का संदेश दिया। ईद के अवसर पर हरमू ईदगाह के मौलाना

मो. असगर मिस्बाही ने देश और दुनिया में अमन-शांति की अपील की। उन्होंने कहा कि ईद का त्योहार आपसी प्रेम, एकता और विश्वास को मजबूत करने का संदेश देता है। नमाज के दौरान विश्व में शांति, हिंसा की समाप्ति और खुशहाली के लिए दुआएं की गईं। इस मौके पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी हरमू ईदगाह पहुंचे और लोगों को ईद की शुभकामनाएं दीं। शहर में ईद के मौके पर उत्सव का माहौल रहा। कर्बला चौक के पास हर साल की तरह इस बार भी झूले लगाए गए और खाने-पीने के कई स्टॉल सजे, जहां लोगों ने परिवार और दोस्तों के साथ त्योहार की खुशियां साझा कीं। घरों में

सेवइयां और अन्य पारंपरिक व्यंजन बनाए गए। ईद के मौके पर कई लोग अपने परिवार के साथ त्योहार मनाने के लिए दूसरे शहरों और राज्यों से रांची पहुंचे। इस दौरान हरमू किशोरगंज क्षेत्र में कुछ युवाओं द्वारा अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े पोस्टर और तख्तियां लेकर पहुंचने की भी चर्चा रही। हालांकि, पूरे कार्यक्रम के दौरान स्थिति सामान्य और शांतिपूर्ण बनी रही। ईद को लेकर रांची पुलिस पूरी तरह अलर्ट मोड में रही। शहर के सभी प्रमुख मस्जिदों और ईदगाहों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। रांची जोन के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) सह एडीजी सीआईडी मनोज कौशिक खुद शहर में घूम-घूमकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते नजर आए। उन्होंने डोरंडा स्थित ईदगाह पहुंचकर स्थानीय पुलिस अधिकारियों से सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। पूरे शहर में बड़ी संख्या में पुलिस बल और यातायात पुलिस की तैनाती की गई थी। नमाज के दौरान सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए निगरानी की गई। छह से अधिक ड्रोन आकाश में तैनात रहे, जिनकी मॉनिटरिंग पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) स्तर के अधिकारी कर रहे थे। ड्रोन की मदद से आसपास की ऊंची इमारतों की भी जांच की गई, ताकि किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि को रोका जा सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। अब प्रशासन सरहुल जुलूस को लेकर भी सतर्क है।

सोनुआ में मवेशी तस्करी पर पुलिस की कार्रवाई, 23 पशु बरामद

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुआ थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध मवेशी तस्करी के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए शनिवार को बड़ी कार्रवाई की। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छापेमारी में पुलिस ने 23 मवेशियों को बरामद किया है। पुलिस को पहले ही सूचना मिली थी कि बांसकटा से सोनुआ की ओर मुख्य सड़क के रास्ते मवेशियों को अवैध रूप से तस्करी के लिए ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इलाके में घेराबंदी की और संदिग्ध वाहन व लोगों पर नजर रखते हुए छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मौके से 23 मवेशियों को अपने कब्जे में ले लिया। हालांकि, कार्रवाई की भनक लगते ही तस्करी में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। सोनुआ थाना प्रभारी शशिबाला भेंगरा ने बताया कि बरामद सभी मवेशियों को थाना लाकर सुरक्षित रखा गया है। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई जारी है और फरार आरोपितों की पहचान की जा रही है। उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

मुरहू चौक के पास अनियंत्रित ट्रेलर से पांच दुकानें क्षतिग्रस्त

खूंटी। खूंटी-चाईबासा राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुरहू चौक के पास शुक्रवार की देर रात एक अनियंत्रित ट्रेलर ने सड़क किनारे स्थित पांच दुकानों को टक्कर मार दी, जिससे भारी नुकसान हुआ। हालांकि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकानदारों को काफी आर्थिक क्षति उठानी पड़ी। घटना में राजेश चौधरी, राजू सोमनानी, निखिल चौधरी, महेश चौधरी तथा उप प्रमुख अरुण साहू की दुकानों को नुकसान पहुंचा है। इनमें सबसे अधिक क्षति निखिल चौधरी की दुकान को हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार ट्रेलर लोहे का स्क्रैप लेकर चाईबासा की ओर जा रहा था। घटना के समय तेज बारिश हो रही थी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। घटना की सूचना मिलते ही पूर्व विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा के प्रतिनिधि सह पूर्व जिला अध्यक्ष काशीनाथ महतो मौके पर पहुंचे और प्रभावित दुकानदारों से मिलकर स्थिति का जायजा लिया। इस दौरान खूंटी चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रियांक भगत, भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष सुरेश जसवाल, संजय, सूरजमाल साहू एवं लक्ष्मी साहू सहित कई लोग उपस्थित थे।

वरिष्ठ अधिवक्ता केवल कृष्णा बाबू का निधन

पूर्वी सिंहभूम। जिला बार संघ के वरिष्ठ अधिवक्ता केवल कृष्णा उर्फ केवल बाबू (75) का शुक्रवार देर रात निधन हो गया। वे भुइयांडीह के निवासी थे और लंबे समय से बीमार चल रहे थे। इलाज के दौरान उन्होंने टाटा मुख्य अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से अधिवक्ता समुदाय में शोक की लहर दौड़ गई। शनिवार को ही उनका अंतिम संस्कार भुइयांडीह स्थित स्वर्णरेखा शमशान घाट में पूरे विधि-विधान के साथ किया गया, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। इधर, अपने वरिष्ठ साथी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए जमशेदपुर जिला बार संघ के अधिवक्ताओं ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए 23 मार्च, सोमवार को न्यायालय में द्वितीय पाली के दौरान न्यायिक कार्य से अलग रहने का निर्णय लिया है। झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन राजेश कुमार शुक्ला ने उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया। वहीं, जिला बार संघ के अध्यक्ष रतिंद्र नाथ दास, उपाध्यक्ष बलाई पांडा, महासचिव कुमार राजेश रंजन, संयुक्त सचिव विनीता सिंह और संजीव रंजन बरियार, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश भकत, सह कोषाध्यक्ष पुष्पा कुमारी सहित कार्यकारिणी सदस्य अभय कुमार सिंह और आलोक सिंह सहित अन्य अधिवक्ताओं ने भी गहरा शोक व्यक्त किया। अधिवक्ता समुदाय ने कहा कि केवल कृष्णा 'बाबू' का निधन विधि क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई निकट भविष्य में संभव नहीं है।

मनमानी फीस और पाठ्यपुस्तकों की खरीद पर रोक लगाने की पहल सराहनीय : अजय राय

अभिभावक संघ ने मनमानी शुल्क वृद्धि पर अंकुश लगाने के लिए जांच समिति के गठन का किया स्वागत

रांची। रांची जिला प्रशासन द्वारा निजी विद्यालयों में मनमाने शुल्क निर्धारण तथा जूता, कॉपी-किताब की अनिवार्य खरीद जैसे मुद्दों पर नियंत्रण के लिए जिला स्तरीय जांच एवं निर्णय समिति के गठन का झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन ने स्वागत किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय राय ने शनिवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति में इसे अभिभावकों के लंबे संघर्ष की जीत बताया। उन्होंने कहा कि रांची में इस समिति का गठन एक सकारात्मक और स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसे पूरे राज्य में प्रभावी रूप से लागू किया जाना अभी बाकी है। उन्होंने राज्य सरकार से सभी जिलों में ऐसी समितियों के गठन और नियमित निगरानी सुनिश्चित करने की मांग की। अजय राय ने आरोप लगाया कि कई निजी स्कूल अब भी अभिभावकों को किताब, यूनिफॉर्म और अन्य शैक्षणिक सामग्री विशेष दुकानों से खरीदने के लिए मजबूर करते हैं, जो नियमों के विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। एसोसिएशन ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अवैध शुल्क वसूली के खिलाफ जागरूक रहें और संबंधित प्राधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण (संशोधन) अधिनियम, 2017 लागू होने के बावजूद इसका प्रभावी क्रियान्वयन अब तक नहीं हो पाया था। अधिकांश निजी विद्यालयों में न तो शुल्क निर्धारण समिति गठित थी और न ही अभिभावक-शिक्षक संघ (पीटीए) सक्रिय था, जिसके कारण अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा था। एसोसिएशन का मानना है कि इस नई पहल से अब निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर अंकुश लगेगा और अभिभावकों को राहत मिलेगी, जिससे बच्चों की शिक्षा अधिक सुगम और सुलभ हो सकेगी।

नेता प्रतिपक्ष और रक्षा राज्य मंत्री ने दी सरहुल की बधाई

एजेंसी। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने सरहुल के पावन पर्व की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं दी है। मरांडी ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि यह पर्व प्रकृति, संस्कृति और आदिवासी परंपराओं का अद्भुत संगम है, जो हमें धरती, जल, जंगल और जीवन के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर से प्रार्थना है कि सरहुल आपके जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। वहीं, रांची के सांसद और रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने भी सरहुल की सभी को बधाई दी है। सेठ ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा है कि बिना कुछ लिए, बिना किसी अपेक्षा के सृष्टि के आरम्भ काल से ही प्रकृति ने संपूर्ण जीवजगत को सिर्फ देने का काम किया है। प्रकृति के इस दातव्यता के प्रति आभार प्रकट करने का उल्लास ही सरहुल पर्व है। उन्होंने कहा कि इस पर्व को प्रकृति के सबसे करीब रहने वाला आदिवासी समाज मनाता है, पर यह पर्व हर उस जीव के लिए है, जिसने प्रकृति से कुछ भी लिया है। आइए, हमसब भी प्रकृति के प्रति आभार प्रकट कर, इस पर्व को मनाएं। उन्होंने कहा कि प्रकृति को देना सीखें। सेठ ने सभी को

सरहुल पर्व की अनंत शुभकामनाएं दी है।

झारखंड में बारिश के कारण तापमान में गिरावट; पाकुड़ में सर्वाधिक 50 मिमी बारिश दर्ज

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची समेत झारखंड के कई जिलों में हुई बारिश के कारण तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। बारिश के चलते राजधानी में एक बार फिर ठंड का एहसास होने लगा है। पिछले 24 घंटे के दौरान रांची में 16 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। राज्य में सबसे अधिक बारिश पाकुड़ जिले के पाकुड़िया क्षेत्र में 50.6 मिलीमीटर दर्ज की गई। इसके अलावा अड़की (33 मिमी), कोलेबिरा (28.6 मिमी), तिलैया (27.6 मिमी), मंझारी (27.2 मिमी), बरही (25.4 मिमी), विश्रामपुर (24.4 मिमी), बंदगांव (24.2 मिमी), रनिया (22.4 मिमी), सिसई (22 मिमी), गुडू (21.4 मिमी), मनोहरपुर (19.4 मिमी), हजारीबाग डीवीसी (16.4 मिमी), तांतनगर (16.4 मिमी), हाट गम्हरिया (15.8 मिमी), मझगांव (14.2 मिमी), खलारी (13 मिमी), मनोहरपुर (11.6 मिमी) और राजमहल (11 मिमी) में भी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार, 22 मार्च से राज्यभर में मौसम साफ होने की संभावना है। इसके बाद अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी होगी, जिससे गर्मी भी फिर से बढ़ेगी। पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 36.2 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 12.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे, हालांकि

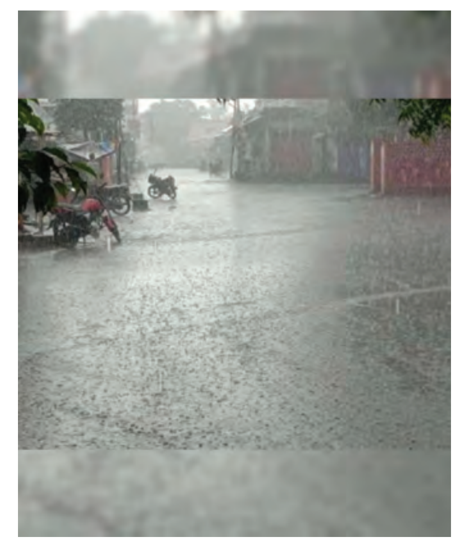

बीच-बीच में धूप भी निकलती रही। दोपहर बाद हल्की बूंदाबांदी भी हुई। राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में तापमान की बात करें, तो जमशेदपुर में अधिकतम 33.8 डिग्री और न्यूनतम 18.8 डिग्री, डाल्टनगंज में 36.2/16.1 डिग्री, बोकारो में 32.1 और न्यूनतम 18.8 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 31 डिग्री और न्यूनतम 18 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

बहारागोड़ा में तेज रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक की मौत

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले के बहारागोड़ा थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात हुए एक सड़क हादसे में 31 वर्षीय युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कोकमारा गांव निवासी दीपक पैड़ा अपनी बाइक के साथ निशि होटल के पास सड़क किनारे खड़े थे। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दीपक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और बुरी तरह लहूलुहान हो गए। हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने मानवता का परिचय देते हुए घायल दीपक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें पीआरएम

मेडिकल कॉलेज, बारीपदा रेफर कर दिया। लेकिन इलाज के दौरान दीपक ने दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही बहारागोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। थाना प्रभारी शंकर कुशवाहा ने बताया कि अज्ञात वाहन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और उसकी पहचान के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। दीपक पैड़ा अपने पीछे पत्नी और छह वर्षीय मासूम बच्चे को छोड़ गए हैं। गांव में शोक का माहौल है और ग्रामीण इस कठिन समय में पीड़ित परिवार के साथ खड़े नजर आ रहे हैं।

बोड़ाम में बकरी चोरी की कोशिश के दो आरोपित हथियारों के साथ गिरफ्तार

एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम

पूर्वी सिंहभूम जिले के बोड़ाम थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलगोड़ा टोला में शुक्रवार देर रात बकरी चोरी की कोशिश कर रहे तीन युवकों में से दो को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया, जबकि तीसरा आरोपित अंधेरे का फायदा उठाकर बाइक से फरार हो गया। घटना रात करीब एक बजे की है, जब आरोपित लालमोहन महतो के घर में चोरी की नीयत से घुसे। उस समय घर के लोग धान सिझाने (उबालने) के कारण जाग रहे थे। हलचल होते ही ग्रामीण सतर्क हो गए और तुरंत घेराबंदी कर दी। भागने की कोशिश कर रहे आरोपितों में से दो को झाड़ियों में पकड़ लिया गया। हालांकि, इस दौरान ग्रामीणों

ने उनकी पिटाई भी कर दी। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने दो भुजाली, एक डायरी समेत अन्य सामान बरामद किया है, जिससे मामले की गंभीरता बढ़ गई है। ग्रामीणों के अनुसार, ये युवक जमशेदपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इससे पहले भी इन आरोपितों ने केंदडीह टोला में बिशु सिंह के घर पर बाइक चोरी का प्रयास किया था, लेकिन घरवालों के जाग जाने के कारण वे भाग निकले थे। बोड़ाम थाना प्रभारी नीरज कुमार ने बताया कि गिरफ्तार आरोपितों से पूछताछ जारी है और पूरे मामले की जांच की जा रही है। फरार आरोपित की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि यह गिरोह कितना बड़ा है और किन-किन घटनाओं में शामिल रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले कई महीनों से बोड़ाम थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में बकरी चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही थीं, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश था। घटना के बाद शनिवार सुबह बड़ी संख्या में ग्रामीण थाना पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की। इलाके में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के कारण लोगों में भय का माहौल बना हुआ है।

रांची में धूमधाम से मनाया गया सरहुल, मुख्य पाहन ने की अच्छी बारिश और भरपूर फसल की भविष्यवाणी

एजेंसी। रांची

राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में प्रकृति पर्व सरहुल हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर राजधानी के सरना स्थल पर मुख्य पाहन जगलाल पाहन ने विधि-विधान के साथ प्रकृति, पूर्वजों और देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की। सरना स्थल पर पारंपरिक रीति से रखे गए दो घड़ों के पानी का आकलन कर पाहन जगलाल पाहन ने इस वर्ष अच्छी बारिश और बेहतर खेती होने की भविष्यवाणी की। पूजा के दौरान विभिन्न मान्यताओं के अनुसार अलग-अलग रंग के मुर्गों की बलि दी गई। सफेद मुर्गा भगवान सिंगबोंगा को, रंगवा मुर्गा जल देवता इकिर बोंगा को, रंगली मुर्गा पूर्वजों को और काला मुर्गा अनिष्ट शक्तियों की शांति के लिए अर्पित किया गया। पूजा के बाद घड़े के पानी से पाहन

को स्नान कराया गया और उनके चरण धोए गए। इसके बाद उन्होंने पूरे विश्व के लोगों, जीव-जंतुओं और प्रकृति की सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। पाहन ने कहा कि इस वर्ष खेती-बाड़ी अच्छी होगी और प्रकृति अनुकूल रहेगी। पाहन जगलाल पाहन ने बताया कि यह परंपरा आदिकाल से चली आ रही है, जब विज्ञान का विकास नहीं हुआ था, उस समय आदिवासी समुदाय प्रकृति के संकेतों के आधार पर मौसम और मानसून का अनुमान लगाता था। यह परंपरा आज भी उसी आस्था के साथ निभाई जा रही है। उन्होंने बताया कि सरहुल पर्व तीन दिनों तक मनाया जाता है। पहले दिन लोग उपवास रखते हैं और सुबह खेतों व जलाशयों में जाकर केकड़ा और मछली पकड़ते हैं। पूजा के बाद इन्हें सुरक्षित रखा जाता है। मान्यता है कि फसलों की बोआई के समय केकड़े को गोबर पानी से धोकर उसी पानी में बीज भिगोकर खेतों में डालने से फसल अच्छी होती है। केकड़े के कई पैरों की तरह फसल की जड़ें भी मजबूत और अधिक होती हैं, जिससे भरपूर पैदावार होती है। उन्होंने बताया कि पहले धरती पर पानी ही पानी था। केकड़े ने मिट्टी बनाई और धरती वर्तमान स्वरूप में आया। उन्होंने कहा कि कितना भी अकाल पड़ जाएं, जहां केकड़ा होगा वहां संकेत है कि पानी जरूर होगा। इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन, बबलू मुंडा, दीपक हेमरोम, रौशन हेमरोम, कुलदीप हेमरोम और अंतो हेमरोम सहित अन्य लोग शामिल थे।

पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने मनाया प्रकृति पर्व सरहुल

एजेंसी। खूंटी

प्रकृति उपासना और आदिवासी संस्कृति के प्रमुख पर्व सरहुल के अवसर पर तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा के रांची स्थित आवास पर श्रद्धा और उल्लास के साथ सरहुल पूजा का आयोजन किया गया। इस मौके पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ प्रकृति की आराधना की गई और साल वृक्ष के फूलों के साथ पूजा-अर्चना कर धरती माता से सुख-समृद्धि और शांति की कामना की गई। पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने पूरे विधि-विधान और श्रद्धा के साथ सरना परंपरा के अनुसार पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि सरहुल आदिवासी समाज का प्रकृति से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है, जो जल, जंगल और जमीन के प्रति सम्मान और संरक्षण का संदेश देता है। यह पर्व समाज में आपसी भाईचारा, एकता और प्रकृति के साथ सामंजस्य बनाकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर उपस्थित

लोगों ने भी प्रकृति के प्रति आस्था व्यक्त करते हुए राज्य और समाज की खुशहाली की कामना की। कार्यक्रम में पारंपरिक गीत-संगीत और सरहुल की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिली। सरहुल पर्व के आयोजन के दौरान क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, समाजसेवी और स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित थे। मौके पर सभी ने एक-दूसरे को सरहुल पर्व की बधाई देते हुए समाज में शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व नौसैनिक कैसे बना ज्योतिषी, एक मुलाकात की 50 लाख फीस

नासिक , एजेंसी। महाराष्ट्र के नासिक सेक्स स्कैंडल कांड में बेहद चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। अशोक खरात 67 साल के पूर्व नौसेना अधिकारी हैं, जिन्हें लोग कैप्टन कहते हैं। वे महाराष्ट्र के नासिक में रहते हैं और खुद को ज्योतिषी व अंक ज्योतिषी बताते थे। नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने ज्योतिष की दुकान शुरू की। अच्छी अंग्रेजी, हिंदी और मराठी बोलने की वजह से लोग जल्दी उन पर भरोसा करने लगे। धीरे-धीरे उनकी पहचान बढ़ी और बड़े-बड़े नेता, सेलिब्रिटी उनके पास आने लगे। वे एक सलाह के लिए लाखों रुपये लेते थे और उनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से ज्यादा बताई जाती है। उनके पास कई जमीनें, फार्महाउस और मंदिर ट्रस्ट भी है। अशोक खरात बहुत प्रभावशाली हो गए थे। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी उनके मंदिर का दौरा किया था। महिला आयोग की चेयरपर्सन रुपाली चाकणकर उनके ट्रस्ट में जुड़ी रहीं और एक वीडियो में उनके पैर धोते दिखीं, जिससे काफी विवाद हुआ। कई लोग उनकी भविष्यवाणियों और उपायों पर भरोसा करते थे। इस तरह उनका बड़ा साम्राज्य बन गया था।

58 महिलाओं के साथ गलत काम के वीडियो लेकिन अब गंभीर आरोप लगे हैं। नासिक पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। महिला ने बताया कि 2022 में वह अपनी वैवाहिक समस्या सुलझाने गई थी। खरात ने उसे नशीला पदार्थ दिया, हिप्नोटाइज किया और बार-बार बलात्कार किया। वे डराते थे कि तुम्हारा पति मर जाएगा या परिवार को नुकसान होगा। पुलिस को उनके ऑफिस से पेन ड्राइव मिली, जिसमें 58 महिलाओं के साथ गलत काम के वीडियो थे। छिपे कैमरे भी लगे थे। आरोप बलात्कार, धोखे से संबंध बनाने और काले जादू रोकने के कानून के तहत हैं।

इस खबर से महाराष्ट्र में हंगामा मच गया है। विपक्ष इसे बड़ा घोटाला बता रहा है और जांच की मांग कर रहा है। पुलिस ने विशेष जांच टीम (एसआईटी) बना दी है। अशोक खरात की पत्नी का कहना है कि यह साजिश है, लेकिन जांच चल रही है। यह मामला दिखाता है कि कैसे आस्था और डर का फायदा उठाकर लोग गलत काम करते हैं।

फरीदाबाद में वर्षा-ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान, कृषि विभाग ने मांगी रिपोर्ट

बल्लभगढ़, एजेंसी। जिले में वर्षा और ओलावृष्टि से फसलों में हुए नुकसान की कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने अपने फील्ड स्टाफ से रिपोर्ट मांगी है। किसानों ने नुकसान को लेकर सरकार से विशेष गिरदावरी कराने की मांग की है। क्योंकि अब जो फसल भूमि पर गिर गई है वह खड़ी नहीं होगी। वर्षा से खेत में जलभराव होने से यह गल जाएगी। इससे उत्पादन पर भी प्रभाव पड़ेगा। जिले में बुधवार की शाम से वर्षा शुरू हुई। बृहस्पतिवार की शाम को एक बार हल्की ओलावृष्टि हुई। पूरे दिन और रात में रुक-रुक कर वर्षा होती रही। जिले में पिछले 24 घंटे के दौरान तहसील फरीदाबाद-10, बल्लभगढ़-05, बड़खल-08, उपतहसीलों में तिगांव-07, मोहना-07, दयालपुर-07, धौज-07, गौंछी-09 मिलीमीटर दर्ज की गई। इससे खेतों में गेहूं की फसल ज्यादातर भूमि पर गिर गई। खेतों में जलभराव होने से भूमि पर गिरी हुई फसल के गलने की आशंका बनी हुई है। अभी तो मौसम साफ नहीं हुआ है। इसलिए किसान मौसम को लेकर बहुत ज्यादा चिंतित दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि पूरे वर्ष में इस फसल से कुछ आर्थिक मदद मिलने की उम्मीद होती है। इस वर्ष अब तक फसल बहुत ही अच्छी थी और उत्पादन भी अच्छा होने की उम्मीद थी। अब यह उम्मीद पूरी तरह से खत्म हो गई है। वर्षा से फसलों में हुए नुकसान की सरकार को विशेष गिरदावरी करानी चाहिए। क्योंकि अब जो फसल गिर चुकी है, वह किसी भी तरह से खड़ी होने वाली नहीं है। बाली में दाना पड़ चुका है और वजन बन गया है। पौधा जड़ से जमीन पर गिर गया है। वर्षा से खेतों में जलभराव हो गया है। पानी में जो पौधा जमीन पर गिरने के कारण डूब गया है, वह गल जाएगा। उसमें अब दाना नहीं पकेगा। दाने की चमक भी खराब हो जाएगी। किसान से मंडी में आढ़ती लस्टर लास के नाम पर कटौती करेंगे।

असम विधानसभा चुनाव में टीएमसी की एंट्री

जारी कर दी 17 प्रत्याशियों की लिस्ट, 6 मुस्लिमों को टिकट

गुवाहटी, एजेंसी। असम चुनाव में भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की जोरदार एंट्री हो गई है। टीएमसी ने विधानसभा चुनाव के लिए 17 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी है। टीएमसी ने 17 में से 6 मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिया है। 126 सीटों वाली असम विधानसबा के लिए 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है और वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

टीएमसी ने किसे कहां से दिया है टिकट: टीएमसी ने अब तक 17 उम्मीदवारों की सूची जारी की है। कोकराझार जिल के बाओखुंगरी सीट से उदंगश्री नरजरारी, धुबरी जिले की बिलासीपारा से मोमिननुर इस्लाम को टिकट दिया गया है। इसके अलावा गोलपापा जिले की जलेस्वर सीट से आरिफ अख्तर अहमद, बोंगईगांव की अभयापुरी सीट से कौशिक रंजन दास और बजाली सीट से कल्याणी कलिता को उम्मीदवार बनाया गया है।

कामरूप की चमरिया सीट से दुलु अहमद, बोको चायगांव से भोगलाल राभा, नलबाड़ी जिले की बारखेत्री सीट से अमीरुल इस्लाम, तमुलपुर जिले की गोरेस्वर सीट से राजन चौहान और दररांग जिले की मंगलदाई सीट से हरे कृष्ण डेका को टिकट दिया गया है। धेमाजी से नरेंद्र कुमार पाव, डिगबोई से जितेन नाग और मुकुम से दिलीप मोरान को प्रत्याशी बनाया गया है। इसके अलावा उद्धारबंद से तपस दास, कटिगोराह से फजलुर रहमान लस्कर और सोनाई सीट से शाहजहां लस्कर को मैदान में उतारा गया है। बता दें कि असम में बीजेपी और कांग्रेस की ही टक्कर मानी जाती है। ऐसे में टीएमसी तीसरा विकल्प पेश करने के लिए जोर लगा रही है। टीएमसी का प्रयास है कि वह प्रमुख सीटों पर मजबूत दावेदारी पेश करे। असम के कईइलाकों में बांगला का भी प्रभाव है और ऐसे में टीएमसी यहां किस्मत आजमाना चाहती है।

कांग्रेस जारी कर चुकी है चार सूचियां

कांग्रेस ने शुक्रवार को असम विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों की अपनी चौथी सूची जारी की, जिसमें बिदिशा नियोग को जालुकबारी को टिकट दिया गया है। पार्टी ने अपनी चौथी सूची में सात प्रत्याशियों के नामों का ऐलान किया है। कांग्रेस के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल द्वारा जारी एक बयान के अनुसार उम्मीदवारों में जालुकबारी, तंगला, बिश्वनाथ, नौबोइचा (आरक्षि.), महमोरा, टिटाबोर और हैलाकांडी के प्रत्याशी शामिल हैं। कांग्रेस ने जालुकबारी से बिदिशा नियोग, तंगला से रोहित परिगा, बिश्वनाथ से जयंत बोरा और नौबोइचा (आरक्षित) सीट से जय प्रकाश दास को चुनावी समर में उतारा है। वहीं, पार्टी ने महमोरा से ज्ञानदीप मोहन, टिटाबोर से प्राण कुर्मी और हैलाकांडी से राहुल रॉय को टिकट दिया है।

गुलाब चंद कटारिया के कुशल नेतृत्व में निखरता चंडीगढ़ सुशासन और समग्र विकास का बन रहा राष्ट्रीय मॉडल

चंडीगढ़। देश के मानचित्र पर ज़ब चंडीगढ़ की बात आती हैं तो स्वतः यहाँ की आवोहवा, मिट्टी और यहाँ के सुरमयी वातावरण के बीच यहाँ प्रकृति से जुड़ने और शुद्ध हवा में सांस लेने का सौभाग्य भी मिलता हैं। सभी सेक्टरों में पार्क एवं चौक चौराहे की खुशवू मन को अहलादित कर देती है। चंडीगढ़ के कुशल प्रशासक एवं पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के दूरदर्शी और सशक्त नेतृत्व में चंडीगढ़ आज देश के सबसे व्यवस्थित, स्वच्छ और तेजी से विकसित हो रहे शहरों में अग्रणी स्थान हासिल कर चुका है। योजनाबद्ध शहरी विकास, आधुनिक बुनियादी ढांचा, तकनीक आधारित प्रशासन और जनसुविधाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के चलते चंडीगढ़ एक आदर्श प्रशासनिक मॉडल के रूप में उभर रहा है, जिसकी चर्चा अब राष्ट्रीय स्तर पर भी हो रही है। प्रेस टूर पर बिहार से पीआईबी के अधिकारियों के साथ आये पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने लोकभवन में आयोजित एक महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। इस बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर के विकास की रूपरेखा, उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। साथ ही पत्रकारों के साथ खुला संवाद स्थापित कर उनके सुझावों और जिज्ञासाओं का भी समाधान किया गया। बैठक के दौरान परिवहन व्यवस्था पर विशेष चर्चा करते हुए अधिकारियों ने बताया कि चंडीगढ़ में हरित और स्मार्ट परिवहन प्रणाली को प्राथमिकता दी जा रही है। इलेक्ट्रिक बसों का तेजी से विस्तार, अत्याधुनिक बस स्टैंड, लो-फ्लोर बसों की सुविधा, महिलाओं और दिव्यांगजनों के लिए विशेष प्रावधान तथा डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम ने शहर की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को अत्यंत सुलभ और आधुनिक बना दिया है। इसके साथ ही ट्रैफिक प्रबंधन में तकनीक के उपयोग से जाम की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया गया है। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी चंडीगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति की है। शहर के सरकारी अस्पतालों को अत्याधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किया गया है, जहां गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड, ऑनलाइन अपॉइंटमेंट प्रणाली और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाया है। महामारी के बाद स्वास्थ्य ढांचे को और मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में चंडीगढ़ ने एक मिसाल कायम की है। सरकारी स्कूलों का कायाकल्प, स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लर्निंग, स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम और आधुनिक पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है। यहां की शिक्षा व्यवस्था न केवल शहर बल्कि अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक बन रही है।

उद्यमिता और रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी प्रशासन सक्रिय भूमिका निभा रहा है। युवाओं को स्टार्टअप, स्वरोजगार और नवाचार के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाएं चलाई जा रही हैं। उद्योगों के अनुकूल वातावरण, सरल नीतियां और पारदर्शी प्रक्रिया के कारण निवेश को भी बढ़ावा मिला है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। विधि-व्यवस्था के मामले में चंडीगढ़ देश के सबसे सुरक्षित शहरों में गिना जाता है। स्मार्ट पुलिसिंग, सीसीटीवी निगरानी, त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली और जनसहभागिता आधारित पुलिस व्यवस्था ने कानून-व्यवस्था को अत्यंत सुदृढ़ बनाया है। त्योहारों और विशेष अवसरों पर भी शांति और सौहार्द बनाए रखने में प्रशासन की सक्रिय भूमिका सराहनीय रही है। बैठक के दौरान पत्रकारों ने भी विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े सवाल पूछे और अपने सुझाव साझा किए, जिनका प्रशासन ने सकारात्मक रूप से स्वागत किया। इस संवाद ने प्रशासन और मीडिया के बीच विश्वास और सहयोग को और अधिक मजबूत किया। समग्र रूप से देखा जाए तो चंडीगढ़ आज सुशासन, पारदर्शिता, आधुनिकता और सतत विकास का प्रतीक बन चुका है। गुलाब चंद कटारिया के नेतृत्व में शहर न केवल अपनी विशिष्ट पहचान को और मजबूत कर रहा है, बल्कि देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत कर रहा है। मौके पर राज्यपाल के सुरक्षा की बागडोर सभालने बाले एडीसी आईपीएस रणधीर कुमार एवं पीआईबी के कई अधिकारी मौजूद थे।

आम आदमी पार्टी ने केरल चुनाव के लिए जारी की तीसरी लिस्ट

तिरुवंतनपुरम, एजेंसी। आम आदमी पार्टी ने केरलम में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए तीसरी लिस्ट जारी कर दी है। इस लिस्ट में 17 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इससे पहले आप ने पहली लिस्ट में 22 और दूसरी लिस्ट में 21 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए थे। केरल में 9 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी। तीसरी लिस्ट में चंगनसेरी से प्रोफेसर साजू कनान्तारा, कडूथुरुथी से डॉमिनिक सिमॉन, मानाथवाड़ी से विष्णु पीजी, नट्टिका गिरिजन एए, चेलक्कारा से केवी सुब्रमण्यम, प्रेराम्ब्रा से रंजीत मलायिल, इलाथुर से अब्दुल बासित अठोली, कोडुवल्ली से बावन कुट्टी केएम, मलंपुझा से साई पीजे, तिरुर से कबीर शमीर कुद्दूर के नाम हैं।

इसके अलावा कोच्चि से शक्कराली, त्रिपुनितुरा से थॉमस पॉल, विपिन से मोहनदास पीजी, कुथुपरांबू से रफीद एपी, थिरुवंबडी से सनी वी जोसेफ, पीरमेदु से जोसेफ जैकब और चेर्थाला से टॉमी इलाचेरी के नाम शामिल हैं।

गौरतलब है कि भाजपा और कांग्रेस भी केरल में अपने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर चुकी हैं। इस बीच केरल में नेताओं के बीच भगदड़ भी शुरू हो चुकी है। केरल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के दो नेता शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। दोनों नेताओं के चुनावी मैदान में उतरने की संभावना जताई जा रही है।

छत्तीसगढ़ में सरकारी भर्तियों के लिए नए बोर्ड का गठन

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ विधानसभा ने शुक्रवार को राज्य के विभिन्न विभागों में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों पर भर्ती के लिए एक नए बोर्ड के गठन से संबंधित विधेयक को सर्वसम्मति से पारित कर दिया। 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मंडल विधेयक, 2026' के कानून बनते ही वर्तमान 'छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल' (व्यापमं) का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा और इसका विलय नए बोर्ड में कर दिया जाएगा। बोर्ड की स्थापना से राज्य सरकार पर लगभग 30 करोड़ रुपए का वार्षिक वित्तीय बोझ पड़ने की उम्मीद है। सदन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस विधेयक को पेश किया, जिस पर चर्चा के बाद इसे मंजूरी दी गई। चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के समय भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं से युवाओं के सपनों को ठेस पहुंची। उन्होंने छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग से जुड़ी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों का भी जिक्र किया और कहा कि ऐसे मामलों की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी गई है। साय ने कहा, 'अभी अलग-अलग विभागों द्वारा खाली पदों के लिए अलग-अलग विज्ञापन निकाले जाते हैं, जिससे उम्मीदवारों को हर पद के लिए अलग से आवेदन करना पड़ता है। हर विभाग की चयन प्रक्रिया अलग होती है, और हर बार अलग-अलग परीक्षाएं करवाने से भर्ती एजेंसियों पर बहुत ज्यादा दबाव भी पड़ता है।

पंजाब में आलू किसानों की दुर्दशा, लागत निकालना भी हुआ मुश्किल

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब में इन दिनों आलू की पटाई (खोदाई) जोरों पर है, लेकिन किसानों को सही दाम नहीं मिल रहा। इससे फसल की लागत भी नहीं निकल पा रही है। बड़े किसान तो फसल कोल्ड स्टोर में रखवा रहे हैं, जबकि छोटे किसान फसल पर ट्रैक्टर चलाने को मजबूर हैं। कई गांवों में यह घोषणा भी करवाई जा रही है कि जिन लोगों को आलू चाहिए, वे खेत से फ्री उठा लें। किसानों की इस पीड़ा का मुख्य कारण राज्य में हरियाणा जैसी कोई भावांतर योजना नहीं होना है। हरियाणा में भी पंजाब जितना आलू का रेट है, लेकिन वहां न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) छह रुपये प्रति किलो तय है। कम दाम मिलने पर हरियाणा सरकार भावांतर योजना के तहत शेष पैसा किसान के खाते में सीधे डाल देती है। फाजिल्का जिले के अबोहर के गांव दीवानखेड़ा के किसान अजय वधवा ने बताया कि उन्होंने दो एकड़ में आलू की बिजाई की थी। अब फसल तैयार है, लेकिन दाम सिर्फ दो रुपये प्रति किलो मिल रहे हैं। आलू निकालने की मजदूरी पर ही दो रुपये प्रति किलो खर्च हो रहे हैं। बाकी का खर्च कैसे पूरा होगा। इस स्थिति से परेशान होकर उन्होंने खेत में आलू की फसल पर ट्रैक्टर चलाना ही बेहतर समझा। ऐसा ही

दर्द मोगा जिले के गांव चरनी कला के किसान सुखचैन सिंह का है। किसानों ने यह आरोप भी लगाया कि जिन कंपनियों ने अनुबंध के तहत आलू की बुवाई करवाई थी, अब वह फसल उठाने से पीछे हट गई हैं। इससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। कपूरथला के गांव बडाला के किसान सरबजीत सिंह ने बताया कि उन्होंने ठेके पर जमीन ली है और सौ एकड़ में आलू लगाया है। अब आलू का 50 किलो का गट्ठा 150 रुपये, यानी तीन रुपये प्रति किलो के हिसाब से बिक रहा है। इतना तो आलू की पटाई का ही खर्च आया है। हालांकि वह फसल पर ट्रैक्टर नहीं चलाएंगे, क्योंकि बच्चों की तरह पाली है।

दूसरे राज्यों से बीज खरीदने भी नहीं आ रहे व्यापारी: पंजाब के बड़े आलु उत्पादकों में से एक जालंधर के अलीपुर, मिट्ठापुर निवासी सुखजीत सिंह भ?ट्टी ने बताया कि पांच हजार एकड़ में आलू पैदा किया है। इस बार बंगाल, मध्य प्रदेश, गुजरात व कर्नाटक से भी बड़े व्यापारी आलू का बीज खरीदने नहीं आ रहे हैं। इस कारण आलू के दामों में तेजी नहीं है।

कांग्रेस की कैंडिडेट लिस्ट देख भड़क गए राहुल गांधी खरगे को देर रात बुलानी पड़ी बड़ी बैठक

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल धानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस ने अपनी सरी सूची जारी कर दी है, जिसमें 37 मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसके साथ पार्टी अब तक कुल 140 सीटों में से 2 पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर की है। इस पूरी चयन प्रक्रिया में कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और महासचिव .सी. वेणुगोपाल की स्पष्ट छाप दिखाई दे ी है। पर्दे के पीछे की खबरों की मानें तो कटों के बंटवारे को लेकर दिल्ली में भारी टनीतिक हलचल रही, जिसमें आधी रात बाद तक चली बैठकों ने अंतिम सूची ा स्वरूप तय किया।

इंडिया टुडे ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों हवाले से लिखा है, बुधवार रात कांग्रेस ध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर क असामान्य बैठक हुई। यह बैठक रात 0:30 बजे शुरू होकर तड़के 2:30 बजे क चली। इस बैठक के कारणों के बारे में ानने की कोशिश की गई तो पता चला कि हुल गांधी कांग्रेस की लिस्ट से संतुष्ट नहीं । इसके बाद देर रात बैठक बुलाई गई। ोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी रल इकाई यूनिट द्वारा दिए गए शुरुआती

नामों से असंतुष्ट थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि टिकटों का वितरण केवल राज्य इकाई की सिफारिशों के आधार पर नहीं, बल्कि जातिगत समीकरण, चुनावी प्रदर्शन और जमीनी फीडबैक के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय चुनाव समिति के सामने एक अधिक व्यवस्थित और डेटा आधारित प्रस्तुति की मांग की थी।

केसी वेणुगोपाल कैंप का दबदबा: टिकट वितरण के आंतरिक विश्लेषण से पता चलता है कि पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल का पलड़ा भारी रहा है। पार्टी के भीतर चर्चा है कि घोषित उम्मीदवारों में से लगभग 60 प्रतिशत वेणुगोपाल के करीबी माने जाते हैं। पहली सूची में 55 उम्मीदवारों के नाम थे। इसमें वेणुगोपाल कैंप के 17, रमेश चेन्नीथला खेमे के 9 और वी.डी. सतीशन के 5 समर्थकों को जगह मिली।

शशि थरूर की भूमिका: वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने इस पूरी प्रक्रिया में एक अलग रुख अपनाया। खबरों के अनुसार, उन्होंने अपने समर्थकों के लिए पैरवी करने के बजाय खुद को इस प्रक्रिया से दूर रखा। पार्टी के 22 मौजूदा विधायकों में से 19 को फिर से मैदान में उतारा गया है, जो निरंतरता और अनुभव के प्रति भरोसे को दर्शाता है।

कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग: केरल की जटिल जनसांख्यिकी को देखते हुए कांग्रेस ने सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लिया है। 92 उम्मीदवारों में से ईसाई 22 हैं। उनमें से 10 उम्मीदवार सिरो-मालाबार समुदाय से आते हैं। नायर समुदाय से 21 कैंडिडेट हैं। यह केरल का प्रभावशाली उच्च जाति समुदाय है। एझावा से 20 को मौका मिला है। यह पिछड़ा वर्ग का एक बड़ा वोट बैंक है। 12 मुस्लिमों को भी कांग्रेस ने उतारा है। इसके अलावा तीन ब्राह्मणों को भी टिकट दिया है। पार्टी ने युवा नेतृत्व को प्राथमिकता दी है, जिसमें 92 में से 52 उम्मीदवार 50 वर्ष से कम आयु के हैं।

सांसदों की मांग खारिज: के. सुधाकरन, अडूर प्रकाश और शफी परम्बिल जैसे कांग्रेस के दिग्गज सांसद विधानसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक थे। हालांकि, आलाकमान ने स्पष्ट शब्दों में उन्हें रोक दिया।

राहुल गांधी ने तर्क दिया कि यदि सांसदों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई, तो इससे कई लोकसभा सीटों पर उप-चुनाव की स्थिति बनेगी। साथ ही इससे मतदाताओं के बीच मुख्यमंत्री पद के चेहरे को लेकर भ्रम पैदा हो सकता है। हालांकि, पार्टी के भीतर यह संकेत भी दिए गए हैं कि यदि कांग्रेस को बहुमत मिलता है तो मुख्यमंत्री के चयन के समय सांसदों के नामों पर विचार किया जा सकता है।

महिला प्रतिनिधित्व पर उभरा असंतोष: इतनी कवायद के बावजूद, पार्टी को 'लैंगिक असंतुलन' के आरोपों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने सार्वजनिक रूप से निराशा व्यक्त की है। उन्होंने सोशल मीडिया (एक्स) पर राहुल गांधी से हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि 92 में से केवल 9 महिलाओं को टिकट देना पार्टी की उदासीनता को दर्शाता है।

ईद पर भाईचारे की मिसाल, राजस्थान में हिंदुओं ने नमाजियों पर फूल बरसाकर बधाई दी

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में मुस्लिमों के सबसे बड़े त्योहार ईद पर गजब का भाईचारा देखने को मिला। हिंदू-मुस्लिम एकता समिति के तत्वावधान में हिंदू समुदाय के सदस्यों ने ईद-उल-फितर के अवसर पर जयपुर के ईदगाह में नमाज अदा करने वाले मुस्लिम समुदाय के सदस्यों पर फूलों की पंखुड़ियां बरसाईं। देश भर में ईद का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। सुबह से ही मुस्लिम समुदाय के लोग मस्जिदों में ईद की नमाज अदा कर रहे हैं। इससे पहलेचांद दिखाई देने के बाद अकीदतमंदों के चेहरे खुशी से खिल उठे। ईद के अवसर पर देश के सभी मस्जिदों के आसपास का माहौल बदल गया। बाजारों में रौनक बढ़ गई। लोग ईद की आखिरी खरीदारी के लिए उमड़ पड़े। कहीं सेवइयों की खुशबू आई, तो कहीं नए कपड़ों और इत्र की दुकानों पर भीड़ देखी गई । बच्चों में ईद को लेकर खासा उत्साह नजर आया, जो देर रात तक अपने नए कपड़ों और जूतों की तैयारियों में जुटे रहे।

मोहब्बत और भाईचारे का पैगाम है ईद- रमजान के 30 रोजों के बाद आने वाद ईद सिर्फ एक त्योहार ही नहीं है, बल्कि आपसी भाईचारे, मोहब्बत और जरूरतमंदों की मदद करने का भी दिन है। अकीदतमंदों ने फितरा और जकात (दान) देकर यह सुनिश्चित किया है कि समाज का हर तबका इस खुशी में शामिल हो सके। ईद पर लोग एक-दूसरे के गले मिलकर जब बाधाइयां देते हैं तो दूरियां मिटती है और मोहब्बत का पैगाम कोने-कोने तक फैलता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

संपादकीय

इलेक्ट्रिक वाहन वरदान या अदृश्य खतरा?

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसका उद्देश्य यही है कि बढ़ते वायु प्रदूषण का मुकाबला किया जाए और पेट्रोल एवं डीजल पर निर्भरता भी कम हो। इसीलिए सार्वजनिक परिवहन में बड़ी संख्या में इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया जा रहा है।कम खर्च में चलने और एक बेहतर विकल्प होने के कारण भी लोग ऐसे वाहनों को धीरे-धीरे अपनाने लगे हैं। मगर इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि नई तकनीक के जहां फायदे होते हैं, वहीं इसमें कई स्तरों पर जोखिम भी छिपे होते हैं। बिजली से चलने वाले वाहनों में तकनीकी गड़बड़ियों और आग लगने की घटनाओं से अब कई सवाल उठने लगे हैं।इंदौर में बुधवार तड़के एक इलेक्ट्रिक कार को चार्ज किए जाने के दौरान धमाके के बाद इमारत में आग लगने से आठ लोगों की मौत की घटना ने सचेत किया है कि क्या ये वाहन सुरक्षित हैं? गौरतलब है कि मकान के बाहर कार को चार्ज किए जाने के दौरान 'चार्जिंग प्वाइंट' में विस्फोट हुआ। इसके बाद आग की लपटों ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया।कोई दो मत नहीं कि आग लगने की ऐसी घटनाओं से उन लोगों का विश्वास कमजोर होगा जो पेट्रोल की गाड़ियों को छोड़ कर इलेक्ट्रिक गाड़ियां खरीदने का मन बना रहे हैं। यह उचित ही है कि विशेषज्ञों की एक समिति से इंदौर अग्निकांड की जांच कराई जाएगी। इसका जो भी निष्कर्ष सामने आए, लेकिन इससे स्पष्ट होगा कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण और इसके संचालन में कहां कमी रह गई।सवाल है कि ऐसे वाहनों के इस्तेमाल और सुरक्षा के लिए कोई मानक संचालन प्रक्रिया अब तक क्यों नहीं अपनाई गई? इसके बारे में पहले से लोगों को क्यों नहीं बताया जाता। आखिर गलियों में या घरों के सामने अपने इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने के लिए लोग क्यों मजबूर हैं। यह निराशाजनक ही है कि सड़कों के किनारे और रिहाइशी इलाकों में जगह-जगह पर्याप्त संख्या में चार्जिंग स्टेशन अभी तक नहीं बनाए जा सके हैं।ऐसे में बिजली से चलने वाले वाहनों को सड़कों पर उतार देने भर से उत्सर्जन कम करने या तेल पर निर्भरता घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं होगा।

ईरान ने पलट दिया अमेरिका का खेल, होर्मुज पर गिड़गिड़ा रहे पीड़ित देश

ईरान के खिलाफ ऑपरेशन एपिक फ्यूरी लॉन्च करने के बाद से अभी तक अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप दर्जनों बार दोहरा चुके हैं कि यह जंग उन्होंने करीब जीत ही ली है और तेहरान बातचीत के लिए गिड़गिड़ा रहा है। हालांकि दो हफ्ते से ज्यादा वक्त बाद भी जो जमीनी हकीकत है, वह बताती है कि ईरान की क्षमताओं को आंकने में अमेरिका-इस्राइल से चूक हो गई। यह बात ट्रंप की उन अपीलों से भी जाहिर हो रही है, जो उन्होंने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर की हैं।ट्रंप चाहते हैं कि नैटो और दूसरे देश भी होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए आगे आएं। उन्होंने जापान, दक्षिण कोरिया, चीन, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और फ्रांस का नाम लिया है। हालांकि किसी भी देश ने इसमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। ऑस्ट्रेलिया ने तो साफ तौर पर इनकार कर दिया है, जबकि जापान ने कानूनों का हवाला दिया है। इस बेरुखी पर ट्रंप ने नैटो को धमकी दी है, तो पेइचिंग को याद दिलाया है कि होर्मुज स्ट्रेट से होकर उसका '90 प्रतिशत तेल' जाता है, और उनकी चीन यात्रा टल भी सकती है। दुनिया दबाव की यह रणनीति टैरिफ वॉर में भी देख चुकी है। दूसरों को इस लड़ाई में खींचने की बेताबी बताती है कि ट्रंप फंसा महसूस कर रहे हैं। अमेरिका और इस्राइल ने ईरान के खिलाफ एकतरफा युद्ध तब शुरू किया, जब समझौते को लेकर बातचीत चल रही थी और माना जा रहा था कि इस बार कोई रास्ता निकल सकता है। इस एकतरफा फैसले का ही असर था कि ब्रिटेन ने शुरू में अपने सैन्य अड्डे इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी थी, जिसे लेकर ट्रंप आज तक नाराज बताए जाते हैं। अमेरिका-इस्राइल केवल ईरान की ताकत को ही भांपने में गलत साबित नहीं हुए, बल्कि यह समझने में भी चूक कर गए कि संघर्ष कितना व्यापक हो सकता है। अब इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। धरती का सबसे व्यस्त तेल मार्ग बंद है। बढ़ती अनिश्चितता ने क्रूड ऑयल के दाम को 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंचा दिया है। पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था दबाव का सामना कर रही है।

जिन शहरों और कस्बों में पाइपलाइन व्यवस्था दशकों पुरानी हो चुकी है, वहां उन्हें चरणबद्ध तरीके से बदलने का काम युद्धस्तर पर किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण भी आवश्यक है। उद्योगों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनका कचरा बिना उपचार के किसी भी जल स्रोत में न जाए। इसके लिए कड़े नियमों के साथ-साथ प्रभावी निगरानी तंत्र की भी जरूरत है।

दूषित जलः विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

(ललित गर्ग)

दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो। दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है, बल्कि कई स्थानों पर भूजल में फ्लोराइड, आर्सेनिक और अन्य हानिकारक रसायनों की मात्रा भी बढ़ती जा रही है। विकास की अंधी दौड़ ने भी इस संकट को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तेजी से फैलते शहर, बढ़ते उद्योग और बढ़ती आबादी जल संसाधनों पर भारी दबाव डाल रहे हैं। लेकिन इसके समानांतर जल प्रबंधन की व्यवस्था उतनी मजबूत नहीं हो पाई है। कई शहरों में सीवेज उपचार संयंत्रों की क्षमता पर्याप्त नहीं है, जिसके कारण बड़ी मात्रा में गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में पहुंच जाता है। जब यही जल स्रोत पेयजल आपूर्ति का आधार बनते हैं तो स्वाभाविक रूप से जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है। दूषित जल का प्रभाव केवल मानव स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता। इसका असर पूरे पारिस्थितिक तंत्र पर पड़ता है। नदियों और झीलों में बढ़ते प्रदूषण से जलीय जीवों का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है। कई प्रजातियां धीरे-धीरे समाप्त होने के कगार पर पहुंच जाती हैं। इसके अतिरिक्त दूषित जल का उपयोग जब खेती में होता है तो वह मिट्टी की गुणवत्ता को भी प्रभावित करता है और अंततः खाद्य श्रृंखला के माध्यम से मनुष्य तक पहुंचता है। इस प्रकार जल प्रदूषण का दायरा व्यापक और बहुआयामी है। इस समस्या के समाधान के लिए केवल योजनाएं बना देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन की भी आवश्यकता है। सबसे पहले पेयजल की गुणवत्ता की नियमित और पारदर्शी निगरानी सुनिश्चित की जानी चाहिए। जल के नमूने लेने की प्रक्रिया तभी सार्थक होगी जब प्रदूषित पाए जाने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

मजबूत सेना, स्वदेशी हथियार और नई युद्ध तकनीक, यही है मोदी सरकार की जबरदस्त सामरिक रणनीति

(नीरज कुमार दुबे)

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने हथियार आयातक देश की छवि से बाहर निकलकर रक्षा निर्यातक बनने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। उदाहरण के तौर पर हाल ही में इंडोनेशिया ने भारत से लगभग 3800 करोड़ रुपये की ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने का समझौता किया है। साल 2026 में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है। बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन, चीन की आक्रामक सैन्य विस्तार नीति, हिंद महासागर में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और सीमा क्षेत्रों में लगातार तनाव ने भारत को अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए मजबूर किया है। इसी पृष्ठभूमि में मोदी सरकार ने वर्ष 2026 में ऐसी सामरिक रणनीति अपनाई है जिसका मूल उद्देश्य है सैन्य शक्ति का तीव्र आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा उत्पादन का विस्फोटक विस्तार, नई युद्ध तकनीकों में निर्णायक बढ़त और वैश्विक रक्षा कूटनीति का विस्तार। हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की सबसे पहली और सबसे स्पष्ट प्राथमिकता है रक्षा बजट में निरंतर वृद्धि। केंद्रीय बजट 2026-27 में भारत सरकार ने रक्षा क्षेत्र के लिए लगभग 7.85 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड आवंटन किया है जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 15 प्रतिशत अधिक है। यह राशि भारत के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दो प्रतिशत है और केंद्र सरकार के कुल खर्च का लगभग 14.67 प्रतिशत हिस्सा रक्षा क्षेत्र को जाता है। इस बजट में 2.19 लाख करोड़ रुपये पूंजीगत व्यय के लिए रखे गए हैं ताकि सेना को अगली पीढ़ी के लड़ाकू विमान, आधुनिक युद्धपोत, पनडुब्बी, ड्रोन और स्मार्ट हथियारों से लैस किया जा सके। मोदी सरकार की दूसरी निर्णायक रणनीति है सैन्य आधुनिकीकरण को तेज करना। पिछले कुछ वर्षों में यह स्पष्ट हुआ है कि भारत को एक साथ दो मोर्चों पर युद्ध की संभावना को ध्यान में रखते हुए अपनी सैन्य क्षमता बढ़ानी होगी। इसी रणनीति के तहत भारत ने नौसेना के लिए 26 आधुनिक राफेल लड़ाकू विमान खरीदने का लगभग 7.4 अरब डॉलर का समझौता किया है, जिससे हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री शक्ति और मजबूत होगी। इसके साथ ही भारतीय वायुसेना के लिए नए लड़ाकू स्क्वॉड्रन, आधुनिक मिसाइल प्रणाली और लंबी दूरी की मारक क्षमता वाले हथियारों पर तेजी से काम चल रहा है। सामरिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम चीन और पाकिस्तान दोनों से उत्पन्न सुरक्षा चुनौतियों के जवाब में उठाया गया है। तीसरी बड़ी प्राथमिकता है आत्मनिर्भर रक्षा उद्योग का निर्माण। वर्ष 2026 के रक्षा बजट में पूंजीगत खरीद का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा घरेलू उद्योगों से खरीद के लिए निर्धारित किया गया है। इसका अर्थ है कि लगभग 1.39 लाख करोड़ रुपये भारतीय कंपनियों और रक्षा निर्माण इकाइयों को मिलेंगे। इससे न केवल सैन्य क्षमता बढ़ेगी बल्कि देश में विशाल रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित होगा।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6038

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6037

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 6038

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के इस राज्य की सीमा एक ओर चीन से तथा दूसरी ओर पाकिस्तान से मिलती है (5)
4. साथ, सोहबत, संपर्क, मिलन (2)
6. भारतीय संगीत शास्त्र का आरंभ इस वेद इसमें कुल 1810 ऋचाएं थी (4)
7. फोटो, चित्र (3)
9. दहलीज, भाव, मूल्य, निर्ख (2)
10. उदास, रोगग्रस्त, अप्रसन्न (4)
12. वैमनस्य, खटपट, ठनाठनी (4)
15. ये मिथिलेश के नाती थे (4)
16. सप्ताह के दिनों में से एक (4)
17. मां की बहिन के पति का मालवी में यह कहते है (2)
18. झुककर प्रणाम करता हुआ (3)
19. हुक्म की तामील करना, आदेश मानने का भाव (3)

ऊपर से नीचे

1. अभिनेता अमजद खान के अभिनेता पिता (निधन 2 जून 1975) पुराणानुसार इंद्र और शची का एक पुत्र उपेंद्र का यह नाम था (3)
2. कटि, लपेट (3)
3. केमिकल, कमियागरी, रासायनिकी (4)
4. मनोवेग, स्पर्श, अनुभूति, सहभावना (4)
5. असफल विद्रोह, बगावत (3)
8. नार्डिक देशों में सबसे बड़ा देश जिसकी राजधानी स्टॉकहोम है (3)
10. अविराम, बिना रूके, लगातार (5)
11. भारत में पहली टेलिफिल्म के निर्देशक, भगवान शिव का एक नाम (3)
12. रंज, मलाल (4)
13. शक्तिशाली, ताकतवर (4)
14. निर्जन, वीराना, एकांत (4)
17. क्रय-विक्रय की वस्तु, सुस्वादू भोजन (2)

वर्ग पहेली 6037 का हल

वि	य	त	ना	म		घा	त
पा		ला	ल	च	दे	ना	
शा	बा	श		च			
	ना	ना	ना		स	ह	ज
बा			गा		रि	वा	ज
धा	व	क			ता	म	
ही	न	ता		स		ह	
न		र	की	ब		ल	क्ष्य

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपको थोड़ा संयम और समझदारी से चलने की सलाह देता है। किसी बात को लेकर आपकी माताजी आपसे नाराज़ हो सकती हैं, क्योंकि आप अपने मन की करने की कोशिश करेंगे, जिससे उनकी भावनाओं को ठेस लग सकती है। इसलिए परिवार के प्रति संवेदनशील रहें। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचना ही बेहतर रहेगा।

वृष

आज का दिन आपके लिए खुशी और मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी, जिससे आपको गर्व महसूस होगा। यदि आपने हाल ही में कोई परीक्षा दी थी, तो उसके परिणाम भी सामने आ सकते हैं। रोजगार की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छे अवसर बन सकते हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

मिथुन

आज आपको अपनी आय और खर्च के बीच संतुलन बनाकर चलना होगा। किसी सहयोगी के साथ बहुत ज्यादा निजी या जरूरी जानकारी साझा करने से बचें। अपने कामों को समय पर पूरा करने के लिए आपको थोड़ा सख्त और अनुशासित रवैया अपनाना होगा। घर की मरम्मत या रिनोवेशन को लेकर भी आप कोई योजना बना सकते हैं।

तुला

आज आपकी निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और आप समझदारी से फैसले ले पाएंगे। मन में प्रेम और सहयोग की भावना बनी रहेगी, जिससे रिश्तों में मधुरता आएगी। भाई-बहनों के साथ किसी पार्टी या छोटे आयोजन की योजना भी बन सकती है। यदि कोई कानूनी मामला आपको परेशान कर रहा था, तो उसमें राहत मिलने की संभावना है।

वृश्चिक

आज का दिन सामान्य रूप से अच्छा रहने वाला है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी और व्यवसाय भी पहले से बेहतर चलेगा, जिससे आपको संतोष मिलेगा। हालांकि पिताजी की सेहत को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। किसी दूर रहने वाले रिश्तेदार से कोई निराशाजनक खबर मिलने की भी संभावना है, लेकिन ऐसी स्थिति में धैर्य और संयम बनाए रखना ही बेहतर रहेगा।

धनु

आज का दिन आपके लिए आनंद और मौज-मस्ती से भरा रहेगा। हालांकि अपनी किसी पुरानी गलती को सुधारने के लिए आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। आप कुछ कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे, जो आगे चलकर परेशानी बढ़ा सकते हैं। जीवनसाथी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क

आज का दिन आपके लिए खुशखबरी लेकर आ सकता है। नई नौकरी मिलने की संभावना से आपका मन प्रसन्न रहेगा। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा और किसी साइड इनकम का भी मौका मिल सकता है, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचें, क्योंकि अचानक खराबी के कारण खर्च बढ़ सकता है।

सिंह

आज का दिन सामान्य से बेहतर रहेगा, लेकिन आपको सतर्क रहने की जरूरत है। किसी अजनबी पर जल्दी भरोसा न करें। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती है, इसलिए संयम और धैर्य बनाए रखें। नौकरी में आपको जो भी काम मिले, माताजी की सेहत में गिरावट आने के कारण आपको थोड़ी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।

कन्या

आज का दिन विद्यार्थियों के लिए काफी राहत देने वाला रहेगा। पढ़ाई से जुड़ा मानसिक और बौद्धिक दबाव कम हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छा लाभ मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। हालांकि किसी शारीरिक समस्या के कारण थोड़ी परेशानी भी हो सकती है। जिससे राजनीति या सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिल सकता है। किसी बड़े और प्रभावशाली नेता से मुलाकात भी संभव है।

मकर

आज का दिन आपके लिए खुशी और संतोष लेकर आने वाला है। धन-धान्य में वृद्धि होने से मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में किसी सदस्य के विवाह में आ रही बाधा को मिल-बैठकर दूर करने का प्रयास करेंगे। खान-पान में लापरवाही न करें, आप अपने रहन-सहन के स्तर में सुधार लाने की भी कोशिश करेंगे। शेयर बाजार या लॉटरी जैसे क्षेत्रों में निवेश करने वालों के लिए दिन अच्छा साबित हो सकता है।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए परोपकार और सामाजिक कार्यों में भाग लेने का रहेगा। किसी विवाद या झगड़े में पड़ने से बचें। सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होने से आपकी छवि और भी बेहतर होगी और लोगों का समर्थन भी बढ़ेगा। संतान के मनमौजी स्वभाव को लेकर आप थोड़े चिंतित रह सकते हैं। साथ ही अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना ही समझदारी होगी, क्योंकि कुछ लोग आपको भ्रमित करने की कोशिश कर सकते हैं।

मीन

आज का दिन आपके लिए धन और समृद्धि में वृद्धि के संकेत दे रहा है। आपको अपने पिताजी की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए और यदि वे आपको कोई सलाह दें, तो उस पर ध्यान अवश्य दें। गलत खान-पान से बचें, क्योंकि पेट से जुड़ी समस्या बढ़ सकती है। परिवार में किसी नए मेहमान के आगमन से घर का माहौल खुशहाल रहेगा। जो लोग सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

PCB की दखलअंदाजी ने कोच पद से इस्तीफे के लिए किया मजबूर: कर्स्टन

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम अपने लगातार बदलते कप्तानों और कोचों की वजह से चर्चा में रहती है। गैरी कर्स्टन को भी पीसीबी ने बड़े शोर गुल के साथ पाकिस्तान टीम का हेड कोच बनाया था, लेकिन उनका कार्यकाल भी निश्चित समय तक नहीं चल सका। कर्स्टन ने इसकी वजह बताई है। पाकिस्तान ने भारतीय टीम को 2011 में वनडे विश्व कप चैंपियन बनाने में बतौर कोच अहम रोल निभाने वाले दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी गैरी कर्स्टन को टी20 विश्व कप 2024 से पहले दो साल के अनुबंध पर व्हाइट बॉल क्रिकेट का हेड कोच बनाया था। कर्स्टन ने मुश्किल से 6 माह के बाद अपना पद छोड़ दिया था। पूर्व दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अब पाकिस्तान टीम के हेड कोच का पद छोड़ने का कारण बताया है। गैरी कर्स्टन ने कहा है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दखलअंदाजी की वजह से उन्होंने टीम के हेड कोच का पद छोड़ दिया था। कर्स्टन ने कहा है कि टीम के मामलों में बाहरी दबाव का स्तर इतना ऊंचा था कि खिलाड़ियों के साथ एक स्थिर माहौल बनाना बेहद मुश्किल हो गया।

25.20 करोड़ के लायक नहीं हैं ग्रीन!

केकेआर के महंगे दांव पर दो दिग्गजों ने उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन आईपीएल 2026 से पहले एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी शानदार फॉर्म नहीं, बल्कि उनकी भारी-भरकम कीमत और गिरता प्रदर्शन है। कोलकाता नाइट राइडर्स द्वारा मिनी ऑक्शन में 25.20 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद, क्रिकेट जगत के दिग्गजों ने उनकी काबिलियत और केकेआर के इस फैसले पर तीखे सवाल उठाए हैं।

ग्रेग चैपल का बड़ा बयान- ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ग्रेग चैपल ने ग्रीन की वर्तमान बल्लेबाजी तकनीक पर गहरी चिंता व्यक्त की है। स्थ्वह से बात करते हुए चैपल ने कहा, 'मैं इस बात से डरा हुआ हूं कि वे किस दिशा में जा रहे हैं, खासकर अपनी बल्लेबाजी को लेकर। मुझे लगता है कि गेंदबाजी से दूर रहने के समय ने उनकी बल्लेबाजी को भी प्रभावित किया है। उनमें एक महान ऑलराउंडर बनने की प्रतिभा है, लेकिन क्या उनके पास सही निर्णय लेने की क्षमता और मानसिक कौशल है, यह कहना मुश्किल है।' चैपल का मानना है कि वर्तमान तकनीक के साथ ग्रीन के पास रन बनाने के विकल्प बहुत सीमित हैं।

बद्रीनाथ का तीखा हमला

पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुब्रमण्यम बद्रीनाथ ने केकेआर के इस महंगे दांव की कड़ी आलोचना की है। अपने यूट्यूब चैनल पर बद्रीनाथ ने कहा, 'आपने उन्हें 25 करोड़ में साइन किया है, जबकि वे बुरी तरह आउट ऑफ फॉर्म हैं। टी20 वर्ल्ड कप में भी वे ऑस्ट्रेलिया के लिए संघर्ष करते दिखे। कैमरन ग्रीन को इतनी बड़ी रकम सिर्फ हाइप की वजह से मिली है। क्या उन्होंने आईपीएल में कभी अकेले दम पर कुछ किया है? ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को हमेशा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है और केकेआर का यह कदम एक बड़ी गलती साबित हो सकता है।'

फुटबॉल की वैश्विक संस्था ने इस्राइल पर क्यों लगाया जुर्माना?

मैक्सिको में नहीं होंगे ईरान के मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। फीफा ने इस्राइल फुटबाल संघ पर भेदभाव और नस्लीय दुर्व्यवहार के साथ अपमानजनक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन से संबंधित अनुशासनात्मक आरोपों के लिए जुर्माना लगाया है। वहीं, वैश्विक निकाय ने फीफा विश्व कप के कार्यक्रम में बदलाव की संभावनाओं को खारिज किया है। फुटबॉल की वैश्विक संस्था फीफा ने भेदभाव विरोधी

नियमों का उल्लंघन करने के लिए इस्राइल फुटबाल महासंघ पर जुर्माना लगाया है। लेकिन वेस्ट बैंक की बस्तियों में स्थित क्लबों को अनुमति देने के लिए इस्राइल को वैश्विक फुटबाल से निलंबित करने के फलस्तीन के अनुरोध पर कोई कार्रवाई नहीं की है। वहीं, फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने ईरान के विश्व कप मैचों को अमेरिका से मैक्सिको में स्थानांतरित करने की संभावनाओं को खारिज कर दिया है। इन्फेंटिनो ने कहा कि फीफा चाहता है कि टूर्नामेंट निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगे बढ़े। फीफा ने इस दौरान फलस्तीनी फुटबाल महासंघ की दो अलग याचिकाओं पर विचार किया। फीफा ने इस्राइल फुटबाल संघ पर भेदभाव और नस्लीय दुर्व्यवहार के साथ अपमानजनक व्यवहार और निष्पक्ष खेल के सिद्धांतों के उल्लंघन से संबंधित अनुशासनात्मक आरोपों के लिए 190,000 अमेरिकी डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपये) का जुर्माना लगाया। फीफा ने फलस्तीनियों के बहिष्कार के लिए जिम्मेदार ठहराया।

डोप टेस्ट फेल होने पर स्नेहा कोल्लेरी पर कार्रवाई

AIU ने तीन साल के लिए किया प्रतिबंधित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय धाविका स्नेहा कोल्लेरी को डोपिंग उल्लंघन के मामले में एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट

(एआईयू) ने तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया। भारतीय महिला धाविका स्नेहा कोल्लेरी को डोपिंग उल्लंघन के मामले में तीन साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। यह फैसला एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) ने सुनाया है, जिसने उनके दूषित सप्लीमेंट के दावे को खारिज कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

26 वर्षीय कोच्चि की रहने वाली स्नेहा को पिछले साल एशियन चैंपियनशिप टीम से बाहर कर दिया गया था, जब उनका डोप टेस्ट पॉजिटिव आया। 10 मई को चीन के ग्वांगझोउ में प्रतियोगिता के दौरान लिए गए सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरॉयड स्टैनोजोलोल पाया गया। जांच में स्टैनोजोलोल मेटाबोलाइट की पुष्टि हुई, जो विश्व एंटी-डोपिंग नियमों के तहत पूरी तरह प्रतिबंधित है।

पहले नेगेटिव, फिर पॉजिटिव कैसे?

दिलचस्प बात यह रही कि पहले किए गए टेस्ट नेगेटिव थे। लेकिन चंडीगढ़ में लिए गए पुराने सैंपल की दोबारा जांच में भी स्टैनोजोलोल पाया गया। इससे एआईयू ने उनके खिलाफ दूसरा डोपिंग चार्ज भी जोड़ दिया।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला

अफगानिस्तान टेस्ट में शुभमन गिल की कप्तानी में उतरेगी फुल स्ट्रेंथ टीम

नईदिल्ली (एजेंसी)। बोर्ड ऑफ कंट्रोल फॉर क्रिकेट इंडिया ने अफगानिस्तान के खिलाफ जून में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए बड़ा फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस मैच में टीम इंडिया की फुल स्ट्रेंथ टीम उतरेगी और किसी भी सीनियर खिलाड़ी को आराम नहीं दिया जाएगा। यह टेस्ट मैच 6 जून से न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा। टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे।

अफगानिस्तान टेस्ट में फुल स्ट्रेंथ टीम उतरेगी

भारत और अफगानिस्तान के बीच यह ऐतिहासिक टेस्ट मैच न्यू चंडीगढ़ के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेली जाएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार चयनकर्ता इस मैच में किसी भी तरह का प्रयोग नहीं करना चाहते और टीम की सबसे मजबूत प्लेइंग इलेवन उतारने की तैयारी में हैं। टीम में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे प्रमुख तेज गेंदबाज शामिल हो सकते हैं।

सीनियर खिलाड़ियों को आराम नहीं

यह फैसला इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि यह सीरीज आईपीएल 2026 के तुरंत बाद खेली जाएगी। आमतौर पर ऐसे समय में सीनियर खिलाड़ियों को आराम दिया जाता है, लेकिन बोर्ड ने साफ कर दिया है कि टेस्ट क्रिकेट में किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी। एक बीसीसीआई सूत्र ने कहा, भारत की टेस्ट कैप प्रयोग के लिए नहीं है। इसके लिए इंडिया ए शैडो टूर होते हैं। फिलहाल टेस्ट में बुमराह, सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा चयनकर्ताओं की सूची में टॉप तीन गेंदबाज हैं।

● **टेस्ट क्रिकेट में टीम इंडिया का प्रदर्शन चिंता का विषय –** हेड कोच गौतम गंभीर के कार्यकाल में भारत का टेस्ट प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। भारत ने बांग्लादेश और वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज जीती, लेकिन इसके बाद टीम को लगातार मुश्किलों का सामना करना पड़ा। दरअसल, रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविचंद्रन अश्विन जैसे दिग्गज खिलाड़ियों के संन्यास के बाद टीम ट्रांजिशन दौर से गुजर रही है, जिसका असर टेस्ट प्रदर्शन पर साफ दिखा है।

न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका से मिली हार

भारत को घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ ऐतिहासिक क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा टीम को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी तीन मैचों में हार मिली। भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2-2 से ड्रॉ जरूर कराई, लेकिन घरेलू मैदान पर साउथ अफ्रीका से 0-2 की हार ने टीम की टेस्ट ताकत पर सवाल खड़े कर दिए।

डब्ल्यूटीसी में भारत की स्थिति

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 साइकिल में भारत की स्थिति फिलहाल अच्छी नहीं है। टीम ने 9 मैचों में सिर्फ 4 जीत हासिल की है और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है। भारत का पॉइंट प्रतिशत 48.15 है, जिससे 2027 डब्ल्यूटीसी फाइनल की राह मुश्किल होती दिख रही है। अब भारत को बाकी बचे मैचों में शानदार प्रदर्शन करना होगा।

आगे का शेड्यूल काफी अहम

भारत को अभी इस डब्ल्यूटीसी साइकिल में 9 टेस्ट मैच और खेलने हैं। इसमें श्रीलंका दौरे पर दो टेस्ट मैचों की सीरीज और इसके बाद न्यूजीलैंड दौरा शामिल है। इस डब्ल्यूटीसी साइकिल का अंत 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू बार्डर गावस्कर ट्राफी से होगा, जो भारत के लिए बेहद अहम सीरीज साबित होगी।

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएग

दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, 8 साल में चौथा दौरा होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। बीसीसीआई ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है। यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड – भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका। ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गई।

8 साल में चौथा दौरा

भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है। उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलने हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेगी टीम – आईपीएल के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

इंग्लैंड का भी दौरा करेगा भारत – भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा।

आईपीएल 2026

विराट कोहली की आरसीबी को चेतावनी, बोले- अब मुकाबला और कठिन होगा

नईदिल्ली (एजेंसी)। विराट कोहली ने आईपीएल 2026 से पहले अपनी टीम रायल चैलेंजर बैंगलूर के खिलाड़ियों को बड़ी चेतावनी दी है। विराट ने साफ कहा है कि इस बार सीजन और मुश्किल होने वाला है क्योंकि बाकी टीमें आरसीबी को हराने के लिए पूरी ताकत लगाएंगी। आईपीएल 2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी, जहां आरसीबी का पहला मुकाबला सनराइस हैदराबाद से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा।

प्रैक्टिस सेशन में विराट ने खिलाड़ियों को किया मोटिवेट – आरसीबी द्वारा शेयर किए गए एक वीडियो में विराट कोहली टीम के खिलाड़ियों को मोटिवेट करते नजर आए। उन्होंने कहा कि पिछले 2-3 सीजन में टीम ने काफी मेहनत की है और उसी मेहनत का नतीजा उन्हें पिछले साल ट्रॉफी के रूप में मिला।

वर्ल्ड कप से पहले क्रिस्टायनो रोनाल्डो चोटिल

मेक्सिको-अमेरिका के खिलाफ फेंडली मैच से बाहर, कोच बोले-चोट मामूली, 1-2 हफ्ते में वापसी, डब्ल्यूसी में खेलना तय

पुर्तगाल (एजेंसी)। पुर्तगाल के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो को मैक्सिको और अमेरिका के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप प्री-फ्रेंडली मैचों के लिए टीम में शामिल नहीं किया गया है। 41 साल के रोनाल्डो फरवरी के अंत से ही अपने क्लब अल-नसर के लिए भी मैदान पर नहीं उतरे हैं। हालांकि, पुर्तगाल के हेड कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने साफ किया है कि उनकी चोट गंभीर नहीं है और वर्ल्ड कप टीम में उनकी जगह पक्की है। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होगा।

हैमस्ट्रिंग इंजरी की वजह से बाहर हुए रोनाल्डो – कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि रोनाल्डो हैमस्ट्रिंग की समस्या से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा,यह एक मामूली चोट है। रोनाल्डो अगले एक या दो हफ्तों में मैदान पर वापसी कर सकते हैं। इस सीजन में क्रिस्टियानो ने अपनी फिटनेस पर जो काम किया है, वह शानदार है। उनकी शारीरिक क्षमता को देखते हुए फिलहाल कोई बड़ी समस्या नजर नहीं आती।

वर्ल्ड कप में रोनाल्डो और रामोस संभालेंगे फॉरवर्ड लाइन – कोच ने वर्ल्ड कप की प्लानिंग को लेकर कहा कि टूर्नामेंट में सेंटर-फॉरवर्ड की भूमिका क्रिस्टियानो रोनाल्डो और गोंसालो रामोस ही निभाएंगे। मार्टिनेज के मुताबिक, वर्ल्ड कप की फाइनल टीम चुनने से पहले यह आखिरी ट्रेनिंग कैंप है, इसलिए वे कुछ नए प्रयोग करना चाहते हैं। रोनाल्डो की गैरमौजूदगी में अन्य खिलाड़ियों को परखने का यह कोच के पास आखिरी मौका होगा।

आईपीएल 2026 से पहले अंगकृष रघुवंशी का ईडन गार्डन्स में तूफान

जड़ा 55 गेंदों में शतक, उमरान -रहाणे हुए बुरी तरह फ्लॉप

नई दिल्ली, एजेंसी। कोलकाता नाइट राइडर्स के खेमे से आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले बड़ी खबरें आ रही हैं। ईडन गार्डन्स में शुक्रवार, 20 मार्च को खेले गए इंट्रा-स्क्वाड प्रैक्टिस मैच में युवा बल्लेबाज अंगकृष रघुवंशी ने अपने बल्ले से कोहराम मचाते हुए शतकीय पारी खेली। हालांकि, कप्तान अजिंक्य रहाणे और रफ्तार के सौदागर उमरान मलिक के खराब प्रदर्शन ने टीम मैनेजमेंट की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

अंगकृष रघुवंशी का धमाका, नंबर 3 पर ठोका मैच जिताऊ शतक- अभी कुछ समय पहले तक अपनी बैटिंग पोजीशन को लेकर सस्पेंस बनाए रखने वाले अंगकृष रघुवंशी ने साफ संकेत दे दिए हैं कि वे ईडन गार्डन्स में नंबर 3 पर खेलने के लिए तैयार हैं।

200 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए रघुवंशी ने महज 55 गेंदों में शानदार शतक जड़ा। शुरुआत में संभलकर खेलने के बाद उन्होंने मिडिल ओवर्स में गियर बदला और टीम को जीत दिलाई। फिन एलन (23 रन) और अनुकूल रॉय (17 गेंदों में 28 रन) ने उनका अच्छा साथ दिया।

उमरान मलिक और रहाणे की फॉर्म ने बढ़ाई टेंशन

केकेआर के लिए इस मैच में कुछ चिंताजनक पहलू भी रहे। कप्तान अजिंक्य रहाणे केवल 2 रन बनाकर आउट हो गए। वहीं, सबसे ज्यादा निराशा उमरान मलिक ने हाथ लगी।

उमरान ने अपने 3.2 ओवर के स्पेल में 47 रन लुटाए और उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला। खास बात यह रही कि रघुवंशी ने उमरान के एक ही ओवर में 23 रन कूट डाले।

हर्षित राणा की सर्जरी के बाद उनकी अनुपस्थिति में उमरान और कार्तिक त्यागी से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन उमरान की यह फॉर्म टीम के लिए खतरे की घंटी है।

● 15 साल की उम्र में इस क्रिकेटर ने रचा इतिहास...

टी20 डेब्यू पर जड़ा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रवांडा की युवा बल्लेबाज फैनी उटागुशिमानिंदे ने टी20 इंटरनेशनल में इतिहास रच दिया है. उन्होंने नाइजीरिया इनविटेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ अपने डेब्यू मैच में ही शतक जड़ दिया. फैन टी20 डेब्यू पर शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई. इसके अलावा वह टी20 इंटरनेशनल में सबसे कम उम्र में शतक लगाने वाली बल्लेबाज भी बन चुकी हैं.

20 मार्च (शुक्रवार) को लागोस के तफावा बालेवा स्क्वायर क्रिकेट ओवल में हुए मुकाबले में फैनी उटागुशिमानिंदे ने 65 गेंदों पर नाबाद 111 रन बनाए, जिसमें 17 चौके शामिल रहे. फैनी ने 15 साल और 223 दिन की उम्र में ये शतक लगाया है. इससे पहले विमेंस टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू पर सबसे बड़ा स्कोर ऑस्ट्रेलिया की करने रोल्टन के नाम था, जिन्होंने 2005 में इंग्लैंड के खिलाफ 96* रन बनाए थे.

मेन्स टी20 में डेब्यू पर 4 खिलाड़ियों ने जड़े शतक- मेन्स टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बात करें, तो अब तक चार बल्लेबाज डेब्यू मैच में शतक लगा चुके हैं, लेकिन इनमें कोई भी फुल मेम्बर देश का खिलाड़ी नहीं है. कनाडा के मैथ्यू स्पूर्स ने साल 2022 में फिलीपींस के खिलाफ नाबाद 108 रन बनाए और वो इस सूची में सबसे ऊपर हैं.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

औरंगाबाद में 17 स्थानों पर अदा हुई ईद की नमाज, भाईचारे का दिखा अनोखा नजारा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में ईद का पर्व पूरे हर्षोल्लास, उमंग और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह होते ही शहर का माहौल त्योहार की खुशियों से सराबोर हो उठा। लोग नए-नए परिधानों में सज-धजकर मस्जिदों और ईदगाहों की ओर नमाज अदा करने के लिए निकल पड़े। शहर के जामा मस्जिद, पठान टोली, ईदगाह और नूरी मस्जिद सहित कुल 17 स्थानों पर बड़ी संख्या में नमाजियों ने अकीदत के साथ ईद की विशेष नमाज अदा की। नमाज के दौरान लोगों ने देश और दुनिया में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। विशेष रूप से ईदगाह में सैकड़ों की संख्या में नमाजी एकत्रित हुए, जहां इमाम ने मुल्क की तरक्की, आपसी सौहार्द और शांति के लिए विशेष दुआ कराई। नमाज के बाद सभी ने हाथ उठाकर देश की सलामती और समाज में भाईचारे की मजबूती की कामना की।

नमाज के उपरांत लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी और मिठाइयां खिलाकर खुशियां साझा कीं। इस मौके पर हिन्दू समुदाय के लोगों की भागीदारी भी देखने को मिली, जो मस्जिदों और ईदगाह परिसरों में पहुंचकर अपने मुस्लिम भाइयों को बधाई देते नजर आए। यह दृश्य सामाजिक सौहार्द और आपसी एकता की मजबूत मिसाल बनकर सामने आया। ईद को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। छोटे-छोटे बच्चे नए कपड़े पहनकर नमाज में शामिल हुए और नमाज के बाद बड़ों से ईदी लेकर खुशियां मनाईं। घरों में सेवइयों और अन्य पकवानों की खुशबू से पूरा वातावरण उत्सवमय बना रहा।

त्योहार को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। सभी प्रमुख नमाज स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ अधिकारी भी लगातार निगरानी में लगे रहे, जिसके चलते पूरे जिले में ईद का पर्व शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ। कुल मिलाकर, औरंगाबाद में मनाई गई ईद ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि यह पर्व केवल खुशी का नहीं, बल्कि आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का प्रतीक है।

हर्षोल्लास के साथ मना ईद-उल-फितर का त्योहार ओबरा-हसपुरा में दिखा भाईचारे का संदेश

निज सं. | ओबरा/हसपुरा (औरंगाबाद)

जिले के ओबरा और हसपुरा प्रखंड क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का पर्व शनिवार को पूरे हर्षोल्लास, उत्साह और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया। सुबह होते ही मस्जिदों और ईदगाहों की ओर नमाजियों का सैलाब उमड़ पड़ा। लोग नए-नए कपड़े पहनकर अल्लाह की इबादत के लिए पहुंचे और अकीदत के साथ ईद की नमाज अदा की। ओबरा प्रखंड मुख्यालय स्थित जामा मस्जिद में सुबह 7:45 बजे तथा ईदगाह में 8:45 बजे नमाज अदा की गई। इसके अलावा कारा, बभंडिहा की जामा मस्जिद, मनोरा ईदगाह सहित विभिन्न मस्जिदों में भी बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। नमाज के दौरान नमाजियों ने अपने क्षेत्र, राज्य और देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और आपसी प्रेम का संदेश दिया।

इस अवसर पर राजद के प्रदेश सचिव एहसानुल हक अंसारी ने कहा कि ईद-उल-फितर मुस्लिम समुदाय का सबसे बड़ा त्योहार है, जो 30 दिनों के रोजे के बाद बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। यह पर्व त्याग, समर्पण और भाईचारे का प्रतीक है। इधर हसपुरा प्रखंड में भी ईद का त्योहार पूरी शांति और उल्लास के साथ मनाया गया। सुबह से ही मस्जिदों और ईदगाहों में नमाजियों की भारी भीड़ देखने को मिली। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर बधाई दी और भाईचारे का संदेश दिया। अमझर शरीफ खानकाह के सज्जादानशीं नैयर शाह कादरी ने कहा कि ईद केवल खुशी का त्योहार नहीं, बल्कि 30 रोजों के बाद अल्लाह की तरफ से मिलने वाला इनाम है। उन्होंने लोगों से आपसी प्रेम और इंसानियत बनाए रखने की अपील की। वहीं पूर्व प्रमुख आरिफ रिजवी ने कहा कि ईद आपसी भेदभाव भुलाकर एक साथ खुशियां मनाने का पर्व है, जो समाज में एकता और सौहार्द को मजबूत करता है। इस दौरान पूरा हसपुरा क्षेत्र ईद के रंग में रंगा नजर आया, जहां बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। नमाज के बाद बच्चों ने ईदी ली और घरों में सेवइयां, लच्छा व मिठाइयों का दौर चलता रहा।

त्योहार को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। ओबरा और हसपुरा के विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल की तैनाती की गई थी। थानाध्यक्ष नीतीश कुमार दल-बल के साथ लगातार गश्त करते नजर आए, जिससे पूरे क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनी रही। इस मौके पर जिला पार्षद चंदा परवीन, प्रतिनिधि मो. एकलाख खां, वार्ड सदस्य अरमान कादरी, सनाउल्लाह रिजवी, डॉ. अत्ताउल्लाह रिजवी, डॉ. गुड्डू खान, मुस्तकीम कौसर सहित कई जनप्रतिनिधि और समाजसेवी मौजूद रहे। सभी ने शांतिपूर्ण माहौल में नमाज अदा कर एक-दूसरे को ईद की मुबारकबाद दी। कुल मिलाकर, ओबरा और हसपुरा में मनाई गई ईद-उल-फितर ने आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक एकता का सशक्त संदेश दिया, जहां हर वर्ग के लोगों ने मिलकर इस पावन पर्व की खुशियां साझा कीं।

कार ने बाइक को मारी टक्कर दंपत्ति समेत तीन बच्चे घायल

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

राष्ट्रीय राजमार्ग-139 पर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के भैरोपुर गांव के पास शनिवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जहां तेज रफ्तार और अनियंत्रित कार ने एक बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में बाइक पर सवार एक ही परिवार के पांच लोग—दंपत्ति और उनके तीन बच्चे—गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान नबीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र अंतर्गत रामसागर गांव निवासी बिरजू कुमार (42), उनकी पत्नी रीमा देवी (40), पुत्री खुशी कुमारी (12), सुप्रिया कुमारी (10) तथा पुत्र पीयूष राज (8) के रूप में हुई है। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चिकित्सकों के अनुसार सभी घायलों की हालत फिलहाल खतरे से बाहर है। घटना के संबंध में घायल बिरजू कुमार ने बताया कि वे अपने गांव रामसागर से पत्नी और बच्चों के साथ बाइक पर सवार होकर दाउदनगर थाना क्षेत्र के पूर्णा बिगहा स्थित ससुराल में चैती छठ पर्व में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान भैरोपुर के समीप पीछे से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई और सभी सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने कार को पकड़ने का प्रयास भी किया, लेकिन चालक फरार होने में सफल रहा। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया और उनके परिजनों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और ससुराल पक्ष के लोग भी अस्पताल पहुंचे।

सदर अस्पताल में इलाज कर रहे चिकित्सक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि हादसे में घायल सभी पांच लोगों को प्राथमिक उपचार दिया गया है। उन्हें सामान्य चोटें आई हैं और सभी की स्थिति खतरे से बाहर है। इस घटना के बाद क्षेत्र में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बार फिर चिंता बढ़ गई है। तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आम लोगों की जान जोखिम में पड़ रही है।

आमने-सामने बाइक टक्कर, दो जख्मी

फेसर (औरंगाबाद) (नि.सं.)। जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत विशंभर बिगहा गांव के पास फेसर रोड पर शनिवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दो लोग घायल हो गए। हादसे में सदर अस्पताल का एक आउटसोर्सिंग कर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गया, जबकि दूसरे बाइक सवार को हल्की चोटें आई हैं। घायलों की पहचान फेसर थाना क्षेत्र के चतरा गांव निवासी अजय कुमार विश्वकर्मा और शहर के जामा मस्जिद के पास रहने वाले मोहम्मद रेहान के रूप में हुई है। बताया गया कि अजय कुमार अपने गांव से ड्यूटी के लिए सदर अस्पताल जा रहे थे, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसा उस वक्त हुआ जब दूसरी बाइक सवार मोहम्मद रेहान अपने साथियों के साथ स्टंट कर रहा था। इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर अजय कुमार की बाइक से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अजय कुमार को शरीर में तीन जगह गंभीर चोटें आईं और उनके दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया। उनकी बाइक भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, रेहान को मामूली चोटें आई हैं। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तुरंत औरंगाबाद सदर अस्पताल पहुंचाया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने रेहान को पकड़ लिया और उसके परिजनों को सूचना दी।

न्यूज बाइट्स

गैस संकट गहराया, घंटों लाइन में खड़े उपभोक्ता परेशान

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। शहर में रसोई गैस की भारी किल्लत से आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति को लेकर सरकार और प्रशासन के दावे जमीनी हकीकत से मेल नहीं खा रहे हैं। हालात यह हैं कि उपभोक्ताओं को गैस के लिए घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ रहा है, फिर भी उन्हें सिलेंडर मिलने की कोई गारंटी नहीं है। शहर के दानी बिगहा स्थित मगध एजेंसी पर शनिवार सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार लग गई। सुबह करीब 7 बजे से ही लोग सिलेंडर लेने के लिए पहुंच गए थे, लेकिन तीन-तीन घंटे तक इंतजार करने के बावजूद गैस वाहन के आने को लेकर कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि करीब 500 से अधिक उपभोक्ता घंटों तक लाइन में खड़े रहे, जिससे लोगों में नाराजगी देखी गई। उपभोक्ता नित्यानंद कुमार ने बताया कि वे पिछले दो दिनों से गैस सिलेंडर के लिए एजेंसी का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन हर बार उन्हें टाल दिया जाता है। उन्हें सिर्फ दानी बिगहा जाने की सलाह दी जा रही है, जहां पहले से ही भारी भीड़ लगी रहती है। वहीं भारत गैस के उपभोक्ताओं को और अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। एक अन्य उपभोक्ता हरिओम कुमार ने अपनी समस्या बताते हुए कहा कि उन्हें आठ दिन पहले गैस बुकिंग का ओटीपी मिला था और उसके बाद डिलीवरी का मैसेज भी आया। इतना ही नहीं, सब्सिडी की राशि भी उनके खाते में भेज दी गई, लेकिन अब तक उन्हें सिलेंडर नहीं मिला। उन्होंने इस स्थिति को एजेंसी की लापरवाही और डेटा प्रबंधन में गड़बड़ी बताते हुए कालाबाजारी की आशंका भी जताई। गैस की कमी के कारण शहर के कई घरों में खाना बनाना मुश्किल हो गया है और लोग वैकल्पिक साधनों का सहारा लेने को मजबूर हैं। बढ़ती परेशानी के बीच शहरवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि गैस आपूर्ति व्यवस्था को जल्द दुरुस्त किया जाए और वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाई जाए।

दाउदनगर में ईद शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न, भाईचारे की मिसाल बनी खुशियां

निज संवाददाता | दाउदनगर(औरंगाबाद)

अनुमंडल मुख्यालय दाउदनगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में ईद-उल-फितर का पर्व हर्षोल्लास, उत्साह और आपसी भाईचारे के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शनिवार सुबह पुराना शहर स्थित ईदगाह में बड़ी संख्या में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने एकत्र होकर अकीदत के साथ ईद की विशेष नमाज अदा की। इसके अलावा विभिन्न मस्जिदों में भी निर्धारित समयानुसार नमाज अदा की गई, जहां लोगों ने अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे से गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया। इसके बाद लोग अपने-अपने घरों को लौटे और परिवार के साथ त्योहार की खुशियां मनाईं। एक-दूसरे के घर जाकर बधाई देने की परंपरा ने पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना दिया, जहां सेवइयों और मिठाइयों की मिठास के साथ रिश्तों की गर्माहट भी झलकती रही।

त्योहार के मद्देनजर प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। ईदगाह सहित सभी प्रमुख स्थानों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दंडाधिकारी और पुलिस पदाधिकारियों के नेतृत्व में जगह-जगह पुलिस बल की तैनाती की गई थी, जिससे कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में रही। इस दौरान एसडीपीओ अशोक कुमार दास, पुलिस इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार, थानाध्यक्ष विकास कुमार, अपर थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार तथा सब इंस्पेक्टर सुदीश कुमार सहित अन्य अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। प्रशासनिक अधिकारी लगातार क्षेत्र में भ्रमण करते हुए स्थिति पर नजर बनाए हुए थे। इन व्यापक सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं के बीच दाउदनगर में ईद का पर्व पूरी तरह शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण और उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ, जिसने एक बार फिर क्षेत्र में सामाजिक एकता और भाईचारे की मजबूत मिसाल पेश की।

देव चैती छठ मेला की तैयारियों का निरीक्षण जिलाधिकारी व विधायक ने की समीक्षा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

आगामी देव चैती छठ मेला 2026 को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। शनिवार को अभिलाषा शर्मा एवं सदर विधायक त्रिविक्रम नारायण सिंह की संयुक्त अध्यक्षता में देव मंदिर परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें मंदिर न्यास समिति के सदस्य एवं पुजारी शामिल हुए। इस दौरान मेला की तैयारियों और विधि-व्यवस्था को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के उपरांत जिला पदाधिकारी एवं विधायक ने देव मंदिर परिसर का स्थलीय निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान मंदिर परिसर में चल रहे विकास कार्यों और मेला की तैयारियों का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मेला अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से संचालित की जाएं। गौरतलब है कि देव चैती छठ मेला 22 मार्च से 25 मार्च 2026 तक आयोजित होगा। मेला का उद्घाटन 22 मार्च को देव स्थित सूर्यकुंड में किया जाएगा। इस अवसर पर बिहार सहित विभिन्न राज्यों से लाखों की संख्या में श्रद्धालु देव सूर्य मंदिर में पूजा-अर्चना और छठ व्रत करने पहुंचते हैं। भीड़ को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। जिला पदाधिकारी ने बताया कि मेला के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवासन स्थल, बैरिकेडिंग, ड्रॉप गेट, वाहन पार्किंग, दंडाधिकारी एवं पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित की गई है। इसके साथ ही स्वास्थ्य शिविर, एम्बुलेंस, पेयजल आपूर्ति, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, फायर ब्रिगेड और सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था भी की गई है।

भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए प्रवेश एवं निकास मार्गों का निर्धारण किया गया है, ताकि श्रद्धालुओं का आवागमन सुगमता से हो सके। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेला क्षेत्र में चिकित्सा शिविर स्थापित किए जा रहे हैं, जहां डॉक्टरों और दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जबकि अग्निशमन विभाग को भी अलर्ट मोड में रखा गया है। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी और विधायक ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों, मंदिर न्यास समिति, पुजारियों तथा आम नागरिकों से अपील की कि वे मेला के सफल आयोजन में प्रशासन का सहयोग करें और विधि-व्यवस्था बनाए रखने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि देव चैती छठ मेला जिले की आस्था, संस्कृति और परंपरा का महत्वपूर्ण प्रतीक है, जिसे सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

टेम्पो से 63 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद, चालक गिरफ्तार

निज संवाददाता | हसपुरा (औरंगाबाद)

हसपुरा थाना पुलिस ने गश्ती के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए अंग्रेजी शराब की खेप के साथ एक टेम्पो चालक को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई रघुनाथपुर रोड स्थित किसुनपुर गांव जाने वाली सड़क पर की गई, जहां पुलिस ने सूचना के आधार पर वाहन को रोककर तलाशी ली और भारी मात्रा में शराब बरामद की। थानाध्यक्ष दिनेश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि रघुनाथपुर रोड से किसुनपुर गांव की ओर टेम्पो से शराब की खेप ले जाई जा रही है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस टीम सक्रिय हुई और संदिग्ध टेम्पो का पीछा कर उसे रोक लिया गया। तलाशी के दौरान टेम्पो से कार्टन में रखी 170 बोतल, कुल 63 लीटर अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

राज्यस्तरीय बकरी पालन प्रशिक्षण का शुभारंभ

औरंगाबाद(एसवीवी.सं.)। जिले में किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत शनिवार से 5 दिवसीय आवासीय राज्यस्तरीय व्यावसायिक बकरी पालन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन उत्थान द्वारा किया जा रहा है, जबकि इसे आत्मा औरंगाबाद के माध्यम से प्रायोजित किया गया है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से कुल 41 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को बकरी पालन के आधुनिक और वैज्ञानिक तरीकों से अवगत कराना है, ताकि वे इसे व्यावसायिक रूप से अपनाकर अपनी आय में वृद्धि कर सकें और स्वरोजगार के नए अवसर प्राप्त कर सकें। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा उन्नत नस्ल चयन, संतुलित आहार प्रबंधन, रोग नियंत्रण एवं टीकाकरण, प्रजनन प्रबंधन तथा विपणन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जा रही हैं।

संदेश

विश्व जल दिवस 2026 का विषय **'जहाँ पानी बहता है, वहाँ समानता आती है'** हमें यह स्मरण कराता है कि जल संकट का प्रभाव सभी पर समान रूप से नहीं पड़ता। विशेष रूप से महिलाएं, जो जल संग्रहण की जिम्मेदारी निभाती हैं, इस संकट से सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। सुरक्षित जल और स्वच्छता की उपलब्धता न केवल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि शिक्षा, सुरक्षा और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

झारखंड राज्य में जल का महत्व और भी अधिक है। ग्रामीण क्षेत्रों में नदियों और भूजल पर निर्भरता लगातार बढ़ रही है। इन स्रोतों पर प्रदूषण और अत्यधिक दोहन से जल की गुणवत्ता और उपलब्धता प्रभावित हो सकती है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक नागरिक को सुरक्षित जल और स्वच्छता की सुविधा प्राप्त हो। इसके लिए नदियों, तालाबों और भूजल स्रोतों को प्रदूषण और अत्यधिक दोहन से बचाना आवश्यक है। वर्षा जल संचयन को बढ़ावा देना और टिकाऊ जल प्रबंधन की तकनीकों को अपनाना राज्य की प्राथमिकता है।

इस अवसर पर सभी नागरिकों का यह दायित्व है कि वे जल संरक्षण और प्रबंधन में सक्रिय भूमिका निभाएं। सरकार, समाज और नागरिकों के सामूहिक प्रयास से ही प्रत्येक घर तक सुरक्षित जल और स्वच्छता की पहुँच सुनिश्चित की जा सकती है। पानी केवल प्राकृतिक संसाधन नहीं है, बल्कि समानता और गरिमा का प्रतीक है। सुरक्षित जल और स्वच्छता की सार्वभौमिक उपलब्धता से महिलाएं सशक्त होंगी, परिवार मजबूत होंगे और झारखंड समृद्धि की ओर अग्रसर होगा। आइए, इस विश्व जल दिवस पर हम सभी मिलकर यह संकल्प लें कि, जल संरक्षण और समानता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। यही संकल्प झारखंड को एक स्वस्थ, समान और समृद्ध भविष्य की ओर ले जाएगा।

जल बचाएँ, जीवन बचाएँ-समृद्ध झारखण्ड के लिए एक संकल्प!

जोहार!

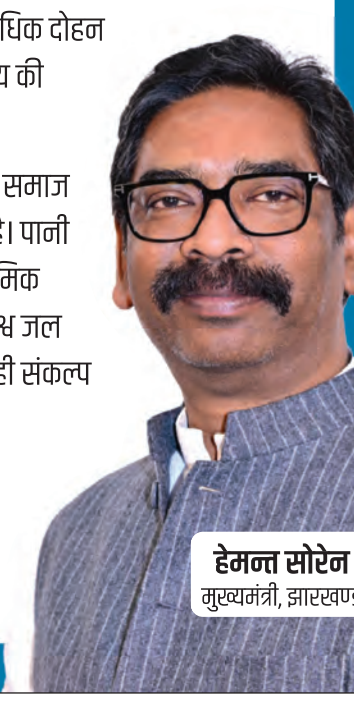

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

PR. No. 375796/IPRD/2025-26

वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखण्ड